THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 256 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) मार्गशीर्ष कृ.9 2080 मंगलवार, 5 दिसंबर-2023

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

हार का गुस्सा सदन में न निकालें : मोदी

नई दिल्ली, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। संसद का शीतकालीन सत्र सोमवार 4 दिसंबर से शुरू हो गया। यह सेशन 22 दिसंबर तक चलेगा। 19 दिन के दौरान दोनों सदनों में 15 बैठके होंगी।

लोकसभा में पीएम नरेंद्र मोदी के पहुंचते ही एनडीए के सांसदों ने उनका जोरदार स्वागत किया। सांसदों ने नारे लगाए- बार-बार मोदी सरकार। तीसरी बार मोदी सरकार। सत्र शुरू होने से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विपक्ष से अपील की। उन्होंने कहा कि बाहर मिली पराजय का गुस्सा सदन में मत निकालिए। सदन में सकारात्मक चर्चा कीजिए।

लोकसभा में कार्यवाही शुरू होते ही विपक्षी सांसदों ने बैनर लहराए। इस पर स्पीकर ओम बिड़ला ने कहा कि सदन में प्लेकार्ड्स नहीं ला सकते। सदन नियमों के मुताबिक ही चलेगा।

पीएम ने कहा कि राजनीतिक गर्मी बड़ी तेजी से बढ़ रही है। चार राज्यों के नतीजे आए हैं। बहुत ही उत्साहवर्धक परिणाम हैं। ये देश के उज्ज्वल भविष्य के लिए हैं। महिलाएं, युवा, किसान और गरीब ये ऐसी महत्वपूर्ण जातियां हैं, जिनका एम्पॉवरमेंट जरूरी है। जब आप लोक कल्याण के लिए काम करते हैं तो एंटी-इन्कंबेंसी फैक्टर खत्म हो जाता है।

नई संसद है, कुछ कमियां महसूस हो सकती हैं। उन्हें दूर करेंगे। मुझे विश्वास है कि स्पीकर और उपराष्ट्रपति के निर्देशन में संसद चलेगी। सत्र के लिए हम विपक्ष के साथियों के साथ चर्चा करते हैं। इस बार भी ऐसा ही हुआ है। लोकतंत्र का ये मंदिर जनआकांक्षाओं के लिए, विकसित भारत की नींव मजबूत बनाने के लिए महत्वपूर्ण मंच है। सभी सांसद ज्यादा से ज्यादा तैयारी करके आएं। बिलों पर अच्छी बहस हो और ज्यादा से ज्यादा सुझाव आएं। जब चर्चा नहीं होती तो देश इन चीजों को मिस करता है। वर्तमान चुनाव नतीजों के आधार पर कहूं तो विपक्ष के साथियों के लिए अच्छी अपॉरच्युनिटी है।

पिछले 9 साल की नकारात्मकता छोड़कर सकारात्मकता लेकर आइए। सबका भविष्य उज्जवल है। बाहर की पराजय का गुस्सा सदन में मत उतारिए। लोकतंत्र के मंदिर के वो मंच मत बनाइए। थोड़ा सा अपना रुख बदलिए। देशहित में सकारात्मकता का साथ दीजिए। देश के मन में कुछ बातों को लेकर नफरत पैदा हो रही है, उसे दूर कीजिए। सदन की कार्यवाही में सहयोग दीजिए। देश को सकारात्मकता का संदेश दें। लोकतंत्र में विपक्ष में महत्वपूर्ण और सामर्थ्यवान है। अब देश विकसित होने के लिए ज्यादा इंतजार नहीं करना चाहता। सभी सांसद इस भाव का आदर करते हुए आगे बढ़ें।

सत्र शुरू होने से पहले इंडिया ब्लॉक की मीटिंग हुई :

सोमवार को लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही शुरू होने से पहले विपक्षी दलों के गठबंधन इंडिया ब्लॉक के सांसदों ने राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे के साथ मीटिंग की।

इसमें सदन की कार्यवाही को लेकर रणनीति तैयार की गई। विपक्षी सांसदों ने तय किया कि महुआ मोइत्रा मामले में एथिक्स कमेटी की रिपोर्ट सदन में रखे जाने से पहले लीक कैसे हो गई, इसे सदन में उठाया जाएगा।

तेलंगाना में एयरफोर्स का ट्रेनर एयरक्राफ्ट क्रैश

मिनटों में प्लेन जलकर खाक, दो पायलट की मौत, 8 महीनों में आईएएफ का तीसरा प्लेन क्रैश

हैदराबाद, 4 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। इंडियन एयर फोर्स का एक ट्रेनिंग विमान सोमवार सुबह तेलंगाना में क्रैश हो गया। इस हादसे में दो पायलटों की मौत हो गई। प्लेन मेदक के बाहरी इलाके परिधि रवेली में क्रैश हुआ।

आईएएफ के मुताबिक, विमान में दो पायलट मौजूद थे। जिसमें एक ट्रेनर थे जो नए कैडेट को प्लेन उड़ाना सिखा रहे थे। सोमवार सुबह डिंडिगुल के एयर फोर्स एकेडमी से विमान ने उड़ान भरी और 8:55 बजे क्रैश हो गया। स्थानीय लोगों के मुताबिक, प्लेन कुछ मिनटों में ही जलकर खाक हो गया।

पिछले 8 महीनों में एयर फोर्स का यह तीसरा प्लेन एक्सीडेंट है। इससे पहले जून में ट्रेनी विमान किरण क्रैश हो गया था। वहीं मई में मिग-21 प्लेन क्रैश हो जाने से तीन पायलटों की मौत हो गई थी।

आप सांसद राघव चड्ढा लौटेंगे राज्यसभा

राज्यसभा विशेषाधिकार समिति ने निलंबन को किया रद्द

नई दिल्ली, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी के सांसद राघव चड्ढा के निलंबन के मुद्दे पर राज्यसभा की विशेषाधिकार समिति की आज संसद में बैठक हुई। इस दौरान सभापति जगदीप धनखड़ ने चड्ढा को सदन में लौटने की अनुमति दे दी।

सभापति जगदीप धनखड़ ने बताया कि भाजपा सांसद जीवीएल नरसिम्हा राव द्वारा पेश किए गए प्रस्ताव पर आप सांसद राघव चड्ढा का निलंबन रद्द कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि विशेषाधिकार समिति ने आप सांसद के निलंबन की अवधि को पर्याप्त पाया।

सांसद ने जताई खुशी :

निलंबन आदेश को वापस लेने पर आप सांसद राघव चड्ढा ने कहा, 11 अगस्त को मुझे राज्यसभा से निलंबित कर दिया गया था। मैं अपना निलंबन वापस लेने के लिए सुप्रीम कोर्ट गया था। सुप्रीम कोर्ट ने इस पर संज्ञान लिया और अब 115 दिनों के बाद मेरा निलंबन रद्द कर दिया गया है। मैं खुश हूं कि मेरा निलंबन वापस ले लिया गया। मैं सुप्रीम कोर्ट और राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ को धन्यवाद देना चाहता हूं।

तमिलनाडु-आंध्र से आज टकराएगा साइक्लोन मिचौंग

80 साल में रिकार्ड तोड़ बारिश, 5 की मौत, 204 ट्रेनें और 70 फ्लाइट कैंसिल

चेन्नई, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। बंगाल की खाड़ी से 2 दिसंबर को उठा साइक्लोन मिचौंग 5 दिसंबर को सुबह 12 बजे से पहले आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु के तट से टकराएगा। मौसम विभाग (आईएमडी) के मुताबिक, इस दौरान 90 से 110 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं।

आईएमडी ने बताया कि, तूफान का असर ओडिशा, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और पुडुचेरी में रहेगा। आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु और पुडुचेरी में आज के लिए और तेलंगाना में 5 दिसंबर के लिए रेड अलर्ट जारी किया गया है। ओडिशा में 5 दिसंबर के लिए ऑरेंज अलर्ट है। इन राज्यों में एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीमें तैनात हैं। अब तक 204 ट्रेनें और 70 फ्लाइट कैंसिल हैं।

तमिलनाडु के चेन्नई में बारिश की वजह से बाढ़ जैसे हालात हैं। अब तक 5 लोगों की मौत हो चुकी है। चेन्नई इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर पानी भरने की वजह से रनवे बंद कर दिया गया है। तूफान के कारण तमिलनाडु के महाबलीपुरम बीच पर समुद्र का स्तर लगभग 5 फीट तक बढ़ गया है।

तमिलनाडु के वाटर सप्लाई मिनिस्टर के मुताबिक, 70-80 साल में चेन्नई शहर में पहली बार ऐसी बारिश हुई है। चेन्नई में रविवार से लेकर सोमवार सुबह 8:30 बजे तक 12सिएम बारिश दर्ज की गई है। कुछ इलाकों में 20 से 22सिएम तक बारिश हुई है।

मिचौंग तूफान नाम म्यांमार ने दिया है। इसका मतलब है ताकत और लचीलापन होता है। मिचौंग साइक्लोन साल 2023 में बंगाल की खाड़ी का चौथा और हिंद महासागर में बनने वाला छठा तूफान है।

शहरी इलाकों में स्कूल-कॉलेज सोमवार को बंद रहे। कुछ इलाकों में भारी बारिश की वजह से सड़कों पर 3 से 4 फिट तक पानी भर गया। रिहाइशी इलाकों के कुछ वीडियो सामने आए हैं, जिसमें दर्जनों कारें पानी में बहती दिख रही हैं। सड़क पर भी कारें तैरती दिखीं। चेन्नई के पेरुंगलथुर इलाके में सड़क पर एक मगरमच्छ घुमता दिखा।

आंध्र प्रदेश में 4 और 5 दिसंबर को स्कूल बंद :

बंगाल की खाड़ी के ऊपर बन रहे तूफान मिचौंग मंगलवार को आंध्र प्रदेश के नेल्लोर और मछलीपट्टनम तट के बीच लैंडफॉल करेगा। इस दौरान हवा की गति 90-100 किमी प्रति घंटे से लेकर 110 किमी प्रति घंटे तक हो सकती है। रेस्क्यू ऑपरेशन के लिए एनडीआरएफ की 12 टीमें तैनात हैं। 4 और 5 दिसंबर को स्कूल-कॉलेज बंद रहेंगे।

आईएमडी ने बताया कि इस समय तूफान मिचौंग बंगाल की दक्षिण-पश्चिमी खाड़ी के ऊपर है। यह उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ रहा है। सोमवार दोपहर तक इसके दक्षिण आंध्र प्रदेश और उत्तरी तमिलनाडु तटों से होते हुए पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी तक पहुंचने की संभावना है।

मणिपुर में दो गुटों में गोलीबारी, 13 लोगों की मौत

म्यांमार बॉर्डर से लगे लीथू गांव की घटना, एक दिन पहले ही इंटरनेट बहाल हुआ था

इंफाल, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। मणिपुर के तेंगनौपाल जिले के लीथू गांव में सोमवार सुबह 10.30 बजे दो समूहों में गोलीबारी हुई, जिसमें 13 लोगों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान नहीं हो पाई है। असम राइफल्स के मुताबिक इलाके में दबदबा रखने वाले एक विद्रोही समूह ने म्यांमार जा रहे उग्रवादियों पर घात लगाकर ये हमला किया था। अब तक हमें मौके से 13 शव बरामद हुए हैं।

हालांकि, ऐसा लग रहा है कि वे स्थानीय नहीं हैं। यह घटना कुकी बहुल इलाके में हुई है, जो म्यांमार से इंटरनेशनल बॉर्डर शेयर करता है। मणिपुर में 3 मई के बाद से मैतेई और कुकी समुदायों के बीच हिंसा जारी है। इसके चलते करीब 182 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 50 हजार लोगों को घर छोड़ना पड़ा। वे कई महीनों से रिलीफ कैंप्स में रह रहे हैं।

मणिपुर सरकार ने कल ही (3 दिसंबर) को कुछ क्षेत्रों को छोड़कर पूरे राज्य में मोबाइल इंटनेट सेवाएं 18 दिसंबर तक के लिए बहाल की थीं। राज्य सरकार ने कहा था, कानून-व्यवस्था में सुधार और मोबाइल इंटरनेट बैन के चलते लोगों को होने वाली असुविधाओं को ध्यान में रखते हुए इसमें ढील देने का फैसला किया गया। चंदेल और काकचिंग, चुराचांदपुर और बिष्णुपुर, चुराचांदपुर और काकचिंग, कांगपोकपी और इंफाल पश्चिम, कांगपोकपी और इंफाल पूर्व, कांगपोकपी और थौबल और तेंगनौपाल और काकचिंग जिलों के बीच 2 किमी के दायरे में बैन लागू रहेगा। राज्य में हिंसा भड़कने के बाद से मोबाइल इंटरनेट पर पाबंदी है। भारतीय सेना के ईस्टर्न कमांड चीफ राणा प्रताप कलीता ने कहा है कि मणिपुर की समस्या राजनीतिक है, इसलिए इसका समाधान भी राजनीतिक होना चाहिए।

क्या ओडिशा में लौह अयस्क खनन की सीमा तय कर सकते हैं?

सुप्रीम कोर्ट ने पर्यावरण मंत्रालय से मांगा जवाब

नई दिल्ली, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को पर्यावरण मंत्रालय से जवाब मांगा है कि क्या ओडिशा स्थायी विकास के लिए लौह अयस्क की खदानों में खनन की सीमा तय कर सकते हैं? दरअसल सुप्रीम कोर्ट ने अपने पहले के एक सवाल के जवाब में दायर किए गए हलफनामे पर गौर करते हुए कहा कि इसमें पर्यावरण मंत्रालय की राय नहीं है। हम इस पर पर्यावरण मंत्रालय की भी राय चाहते हैं। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की पीठ ने यह आदेश दिया है। बता दें कि 'कॉमन कॉज' नामक एक एनजीओ ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। याचिका में कहा गया है कि ओडिशा में लौह अयस्क की खदाने अगले 25 सालों में पूरी तरह से खाली हो जाएंगी। ऐसे में इन खदानों में खनन की सीमा तय होनी चाहिए। इस याचिका पर कोर्ट ने पहले केंद्र सरकार से जवाब मांगा था। सुप्रीम कोर्ट ने ओडिशा सरकार से भी चार हफ्ते में हलफनामा दायर कर उन माइनिंग फर्म से बकाए की रिकवरी पर जवाब मांगा है, जिन्हें नियमों का उल्लंघन करने का दोषी पाया गया था। कोर्ट ने अटैच्ड फर्म की संपत्तियों की डिटेल्स भी देने का निर्देश राज्य सरकार को दिया है। ओडिशा सरकार के वकील ने बीती 14 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट में बताया था कि डिफाल्टर खनन फर्म से 2622 करोड़ रुपये का जुर्माना वसूला गया है।

याचिका में मांग की गई है कि डिफाल्ट फर्मों को भविष्य में किसी भी नीलामी में शामिल होने से रोका जाए और उनकी संपत्ति जब्त कर वसूली की जाए। मामले पर सुनवाई के दौरान वकील प्रशांत भूषण ने कहा था कि राज्य में लौह अयस्क की खदानों में खनन की सीमा तय की जानी चाहिए, क्योंकि राज्य के पास सीमित रिजर्व बचा है।

सत्येंद्र जैन की अंतरिम जमानत बढ़ी

मनी लॉन्ड्रिंग के गंभीर आरोपों से घिरे हैं आप नेता

नई दिल्ली, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने सत्येंद्र जैन की अंतरिम जमानत 11 दिसंबर तक बढ़ाने का फैसला लिया है।

अदालत ने धन शोधन मामले में दिल्ली सरकार के पूर्व मंत्री सत्येन्द्र कुमार जैन की अपील पर अंतरिम जमानत अवधि बढ़ाने का फैसला लिया। जैन ने सुप्रीम कोर्ट में दिल्ली उच्च न्यायालय के 6 अप्रैल के आदेश को चुनौती दी थी।

जैन की याचिका पर शीर्ष अदालत ने उन्हें राहत दी। दिल्ली हाईकोर्ट में दायर अपील पर जैन को राहत नहीं मिली थी और अदालत ने उनकी जमानत याचिका खारिज कर दी थी। बता दें कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले की जांच के सिलसिले में जैन पर कई गंभीर आरोप लगाए हैं।

जम्मू-कश्मीर में 6-7 साल से नहीं हो रहे चुनाव, हमारे यहां कब होंगे : फारूक अब्दुल्ला

नई दिल्ली, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। संसद के शीत सत्र के पहले दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संसद भवन पहुंचने पर विपक्ष को सलाह दी कि वह सकारात्मकता के साथ आगे बढ़े और सरकार के खिलाफ नौ साल की अपनी नकारात्मक विचारों से बचें। पीएम मोदी ने कहा, कल चार राज्यों के चुनाव के नतीजे आए। नतीजे बहुत उत्साहजनक हैं, उन लोगों के लिए उत्साहजनक हैं जो आम लोगों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध हैं। देश के लिए, देश के उज्जवल भविष्य के लिए। विपक्ष विधानसभा चुनावों में हार का गुस्सा सदन में न उतारे। देश ने नकारात्मकता को नकारा है, लोकतंत्र का यह मंदिर जन आकांक्षाओं के लिए, विकसित भारत की नींव को और अधिक मजबूत बनाने के लिए बहुत महत्वपूर्ण मंच हैं। मैं सभी सांसदों से आग्रह करता हूं कि वो ज्यादा से ज्यादा तैयारी करके आएं, सदन में जो बिल रखे जाए उनपर गहन चर्चा हो। पीएम ने कहा कि राजनीतिक गर्मी बड़ी तेजी से बढ़ रही है। मैं सदन में आपके (विपक्ष) सहयोग का आग्रह करता रहा हूं। आज मैं राजनीतिक तौर पर भी बोलता हूं, देश को सकारात्मकता का संदेश देंगे तो आपके लिए भी फायदेमंद है। अगर आपकी छवि नफरत और नकारात्मकता की बन जाए तो ये लोकतंत्र के लिए ठीक नहीं है। लोकतंत्र के लिए विपक्ष भी उतना ही जरूरी है, उसे उतना ही सक्षम भी होना चाहिए। संसद के शीत सत्र की शुरूआत में ही कुछ सदस्यों ने हंगामा किया।

नई सरकार के गठन के लिए गजट अधिसूचना जारी

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने की राज्यपाल से मुलाकात

हैदराबाद, 4 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य में नई सरकार के गठन के लिए भारत चुनाव आयोग द्वारा गजट अधिसूचना जारी कर दी गई है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी विकास राज ने ईसीआई के प्रधान सचिव अविनाश कुमार के साथ यहां राजभवन में राज्यपाल डॉ. तमिलसाई सौदरराजन से मुलाकात की और तेलंगाना विधानसभा परिणामों की सूची सौंपी। विकास राज ने राज्यपाल को गजट नोटिफिकेशन भी सौंपा। बाद में राज्यपाल ने राज्य विधानसभा को भंग कर दिया। उन्होंने भारत के संविधान की धारा 174(2)(बी) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह निर्णय लिया। राजभवन द्वारा जारी एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया है कि मंत्रिपरिषद द्वारा अपनाए गए संकल्प के परिणामस्वरूप, दूसरी विधान सभा 3 दिसंबर की दोपहर से भंग कर दी गई है। दूसरी ओर, अधिकारी नए मंत्रियों के लिए गाड़ियां तैयार कर रहे हैं. यहां तक कि गाड़ियों को दिलकुशा गेस्ट हाउस तक लाया गया। इसी तरह, नई सरकार के लिए सचिवालय में व्यवस्थाएं की जा रही हैं और जीएडी इस उद्देश्य के लिए कक्ष तैयार कर रहा है। अधिकारियों ने सभी नाम बोर्ड हटा दिए हैं और कर्मचारियों से सरकारी सलाहकारों के कार्यालय खाली करने को कहा है। सचिवालय में ग्राउंड फ्लोर पर मीडिया के लिए एक अलग कमरा आवंटित किया गया है।

किसी मामले से खुद स्टे हटने के फैसले पर होगा पुनर्विचार

सीजेआई ने पांच जजों वाली पीठ को किया अधिसूचित

नई दिल्ली, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने 'एशियन रिसर्फेसिंग मामले' पर अपने 2018 के फैसले पर पुनर्विचार करने के लिए मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ को अधिसूचित किया है। बता दें, इस आदेश में कहा गया है कि छह महीने की समय सीमा खत्म होने पर सभी दीवानी और आपराधिक मामलों में स्टे खुद-ब-खुद हट जाएगा।

एक अन्य मामले में कार्यवाही पूरी होने के बाद सुनवाई होगी शुरू

अधिसूचना के अनुसार, संविधान पीठ में न्यायमूर्ति अभय एस ओका, न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला, न्यायमूर्ति पंकज मिथल और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा शामिल होंगे। इस मुद्दे पर संविधान पीठ असम में अवैध प्रवासियों से संबंधित नागरिकता अधिनियम की धारा 6ए की संवैधानिक वैधता से संबंधित एक अन्य मामले में कार्यवाही पूरी होने के बाद सुनवाई शुरू करेगी।

राकेश द्विवेदी की याचिका पर दिया था ध्यान :

प्रधान न्यायाधीश चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला तथा न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने 'हाई कोर्ट बार एसोसिएशन ऑफ इलाहाबाद' की ओर से पेश वरिष्ठ वकील राकेश द्विवेदी की याचिका पर ध्यान दिया था कि 2018 का फैसला संविधान के अनुच्छेद 226 के तहत उच्च न्यायालयों को प्रदत्त शक्ति को छीन लेता है।

इनसे मांगा सहयोग :

वरिष्ठ वकील राकेश द्विवेदी की बात सुनने के बाद सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने मामले को संविधान पीठ के सामने रखने के लिए अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरामनी या सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से सहयोग करने के लिए कहा। इलाहाबाद हाईकोर्ट बार एसोसिएशन की ओर से पेश हुए द्विवेदी ने कहा था कि 2018 के निर्देश बहुत सारी कठिनाइयां पैदा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वास्तव में वे निर्देश कानूनी तौर पर बाध्य नहीं थे। उन्होंने पूछा कि सवाल यह है कि क्या संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत त्वरित सुनवाई सुनिश्चित करने के लिए हाईकोर्ट की धारा 226 के तहत शक्ति को इस तरह से कम किया जा सकता है।

खुद-ब-खुद रद्द हो जाएगा :

'एशियन रिसर्फेसिंग ऑफ रोड एजेंसी प्राइवेट लिमिटेड' के निदेशक बनाम सीबीआई के मामले में अपने फैसले में तीन न्यायाधीशों की पीठ ने कहा था कि उच्च न्यायालयों सहित अदालतों द्वारा दिए गए स्थगन के अंतरिम आदेश, जब तक कि उन्हें विशेष रूप से बढ़ाया नहीं जाता, खुद-ब-खुद रद्द हो जाएगा। इसका मतलब कोई भी मुकदमा या कार्यवाही छह महीने के बाद स्थगित नहीं रह सकती।

सीएलपी नेता की नियुक्ति पर सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित

हैदराबाद, 4 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना विधानसभा चुनाव में सत्ता में लौटी कांग्रेस पार्टी ने अगली सरकार बनाने की कोशिशें तेज कर दी हैं। इसके तहत एआईसीसी पर्यवेक्षकों ने सीएलपी नेता के चयन पर सभी निर्वाचित पार्टी विधायकों के विचार प्राप्त किए। सोमवार सुबह हैदराबाद के एला होटल में आयोजित सीएलपी बैठक में कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, एआईसीसी नेता जॉर्ज, दीपा दासमुंशी, अजय और मुरलीधरन पर्यवेक्षक के रूप में शामिल हुए। सीएलपी नेता के चयन पर विधायकों से राय ली गयी. घंटे भर चली सीएलपी बैठक में विधायकों ने सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पारित कर सीएलपी नेता चुनने की जिम्मेदारी एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को सौंपी। बैठक के दौरान एआईसीसी पर्यवेक्षकों ने एक-एक कर विधायकों से उनकी राय जानी। रेवंत रेड्डी ने सीएलपी नेता की नियुक्ति पर निर्णय कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष खड़गे को सौंपते हुए एक वाक्य का प्रस्ताव पेश किया। रेवंत रेड्डी द्वारा पेश किए गए प्रस्ताव का भट्टी विक्रमार्क, दामोदर राजनरसिम्हा, उत्तम कुमार रेड्डी और तुम्मला नागेश्वर राव सहित अन्य विधायकों ने समर्थन किया। इसके बाद एआईसीसी पर्यवेक्षकों द्वारा प्रस्ताव को आलाकमान को भेज दिया गया। कांग्रेस आलाकमान मंगलवार को सीएलपी नेता के नाम की आधिकारिक घोषणा कर सकता है। सीएलपी बैठक के बाद कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने मीडिया से बात की। उन्होंने कहा कि सीएलपी बैठक में विधायकों के विचार एकत्र किए गए और कहा कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष को सीएलपी नेता के चयन की जिम्मेदारी सौंपी गई है। उन्होंने विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी को जीत दिलाने के लिए राज्य की जनता को धन्यवाद दिया. नए सीएम का शपथ ग्रहण राजभवन में होने की संभावना है। राजभवन के अधिकारी राज्य के अगले सीएम के शपथ ग्रहण समारोह की व्यवस्था करने में व्यस्त हैं।

सीधे पैसे मिलने वाली स्कीम्स ने दिलाई जीत

लाड़ली बहना तो तेलंगाना में 6 गारंटी का कमाल; छत्तीसगढ़ में घोटालों ने निपटाया

नई दिल्ली, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़, एमपी और तेलंगाना में डायरेक्ट कैश ट्रांसफर, यानी सीधे पैसे मिलने वाली स्कीम्स या उनसे जुड़े वादों ने बीजेपी और कांग्रेस को जीत दिलाने में बड़ी भूमिका निभाई है। एमपी में शिवराज चौहान की लाड़ली बहना योजना ने कुल 5.06 करोड़ वोटर्स में से 2.7 करोड़ महिला वोटर्स को बीजेपी के पाले में कर दिया, वहीं तेलंगाना में कांग्रेस की 6 गारंटी स्कीम्स ने कमाल किया। छत्तीसगढ़ में पब्लिक सर्विस कमीशन यानी पीएससी एग्जाम घोटाला और ईडी की कोयला उगाही, अवैध शराब बिक्री, महादेव ऐप के मामले में छापेमारी ने बीजेपी की जीत पक्की कर दी।

एमपी में 2018 में या पिछले 10 साल से जहां बीजेपी हार रही थी, वहां करीब 4 महीने पहले ही अपने 39 कैंडिडेट डिक्लेयर कर दिए। दूसरी तरफ कांग्रेस ने इलेक्शन से करीब एक महीने पहले 15 अक्टूबर को अपनी पहली लिस्ट जारी की। बीजेपी के कैंडिडेट्स जब कमजोर सीटों पर मेहनत कर रहे थे, तब कांग्रेस में टिकट लेने के लिए रस्साकशी चल रही थी। बीजेपी इलेक्शन कैंपेनिंग से जुड़े एक सीनियर लीडर ने कहा, हमने संगठन के दम पर ये चुनाव जीता है। पोलिंग वाले दिन हमारे 90% से ज्यादा बूथ पर सुबह 8 बजे से ही फंक्शनिंग शुरू हो गई थी। सीएम शिवराज को पीछे रखने का निर्णय नेतृत्व ने लिया था, इसलिए वो जन आशीर्वाद यात्राओं में उतने एक्टिव नहीं रहे, बल्कि इन्हें केंद्रीय नेतृत्व ने ही लीड किया। एमपी में बीजेपी की प्रचंड जीत और कांग्रेस की हार के दूसरे कारण भी हैं। सीनियर जर्नलिस्ट श्रवण गर्ग कहते हैं, 'कांग्रेस की हार की सबसे बड़ी वजह खुद कमलनाथ हैं। उन्होंने टिकट बंटवारे में अपनी मनमर्जी चलाई। ऐसे कैंडिडेट्स को टिकट दिए गए, जिनका पब्लिक कनेक्ट ही नहीं था। बुधनी से लेकर इंदौर-4 तक ऐसी 20 से ज्यादा सीटों पर कैंडिडेट्स इसका उदाहरण हैं।

श्रवण गर्ग ने कहा, 'कमलनाथ ने सार्वजनिक तौर पर दिग्विजय सिंह को लेकर कपड़ा फाड़ने वाला बयान दिया तो इससे पार्टी में चल रही गुटबाजी की बातें वोटर्स तक पहुंच गईं। दूसरी ओर बीजेपी की तरफ से पीएम नरेंद्र मोदी लगातार सभाएं कर रहे थे। होम मिनिस्टर अमित शाह ने एमपी को अपना ठिकाना बना लिया था। हाशिए पर होने के बावजूद शिवराज सिंह चौहान पूरी ताकत से जुटे थे। बीजेपी की जीत के ये फैक्टर अहम रहे।' 'कांग्रेस सेवा दल, महिला कांग्रेस, यूथ कांग्रेस, सर्वोदय जैसे संगठन पार्टी के लिए काम करते थे, इनका पब्लिक कनेक्ट था, लेकिन ये एक्टिव नहीं थे। यही कारण था कि पार्टी आम लोगों तक अपनी बातें ढंग से नहीं पहुंचा सकी।' 'कमलनाथ इस इलेक्शन में मेहनत कर रहे थे, लेकिन पार्टी वर्कर्स तक अपनी एनर्जी ट्रांसफर नहीं कर सके, जबकि बीजेपी 3 महीने पहले खुद को काफी पीछे मानकर चल रही थी, लेकिन आखिर के 2 महीने में माहौल बदल दिया।'एमपी में लाड़ली बहना स्कीम को गेमचेंजर माना जा सकता है। एमपी के कुल 5.06 करोड़ वोटर्स में 2.7 करोड़ महिला वोटर हैं। 2018 के विधानसभा चुनाव में 74% महिलाओं ने वोट दिया था, इसलिए पार्टी ने महिला वोटरों को अपने पाले में लाने के लिए लाड़ली बहना को शुरू किया। लाड़ली बहना स्कीम से बीजेपी ने सीधे तौर पर 1.25 करोड़ महिलाओं को साध लिया। इस स्कीम की शुरुआत महिलाओं के अकाउंट में 1 हजार रुपए महीना डालने से हुई थी। बाद में ये रकम 1250 रुपए कर दी गई। सीएम शिवराज ने बाद में 3 हजार रुपए महीने करने की घोषणा कर दी।

एनके सिंह कहते हैं, 'डायरेक्ट कैश ट्रांसफर, डायरेक्ट वोट ट्रांसफर में बदलता दिखा। स्कीम्स तो शिवराज सरकार की बहुत सारी चल रही थीं, लेकिन डायरेक्ट कैश ट्रांसफर ने महिला वोटरों को बीजेपी के लिए लामबंद कर दिया। कुछ गवर्नमेंट जॉब में बीजेपी ने महिलाओं के लिए 35% कोटा का वादा भी किया था।''इसी तरह 3 केंद्रीय मंत्रियों नरेंद्र सिंह तोमर, प्रहलाद पटेल और फग्गन सिंह कुलस्ते के साथ ही 7 सांसदों को मैदान में उतारने का भी पार्टी को फायदा मिला। बड़े नेताओं के मैदान में आने से पार्टी के पक्ष में हवा बनी और बड़े नेताओं ने जीत के लिए पूरी ताकत झोंक दी।'

एनके सिंह ने कहा, 'इंदौर-1 में ही कुछ महीनों पहले तक ये मानकर चला जा रहा था कि कांग्रेस के संजय शुक्ला ही जीतेंगे, लेकिन कैलाश विजयवर्गीय के मैदान में आने के बाद पूरा गेम ही पलट गया। उन्होंने न सिर्फ खुद चुनाव जीता, बल्कि मालवा-निमाड़ रीजन में भी जीत में अहम रोल निभाया।

'भाजपा में पीएम मोदी के अलावा कोई नहीं है'

चुनाव नतीजों पर कांग्रेस नेता का चौंकाने वाला बयान

नई दिल्ली, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। हिंदी पट्टी के तीन राज्यों में हार को लेकर कांग्रेस के वरिष्ठ सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता अधीर रंजन चौधरी ने कहा है कि भाजपा में पीएम मोदी के अलावा कोई नहीं है। उन्होंने कहा कि भाजपा ये मानती है कि विधानसभा चुनाव में पार्टी को मिली जीत भाजपा, आरएसएस या विश्व हिंदू परिषद की नहीं बल्कि पीएम मोदी की जीत है। संसद के शीतकालीन सत्र में हिस्सा लेने पहुंचे कांग्रेस सांसद अधीर रंजन चौधरी से पत्रकारों ने विधानसभा चुनाव नतीजों को लेकर सवाल किया तो उन्होंने कहा कि 'छत्तीसगढ़ में पीएम मोदी बनाम बघेल था, राजस्थान में पीएम मोदी बनाम गहलोत था। हमने देखा कि पीएम मोदी दिल्ली छोड़कर चुनाव जीतने के लिए गांवों में घूम रहे थे। भाजपा में पीएम मोदी के अलावा कोई नहीं है। भाजपा मानती है कि यह पीएम मोदी की जीत है ना कि भाजपा, आरएसएस या विश्व हिंदू परिषद की।'

महुआ मोइत्रा के समर्थन में कांग्रेस

संसद के शीतकालीन सत्र में टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा के खिलाफ कैश फॉर क्वेरी मामले में एथिक्स कमेटी की रिपोर्ट पेश की जा सकती है। इसे लेकर अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि हम किसी भी निष्कासन का विरोध करेंगे, यह नहीं होना चाहिए। हमने एक पत्र लिखा है, जिसमें कहा है कि संसद के मुद्दे संसद के भीतर निपटाए जाने चाहिए।

ऐसी उम्मीद नहीं थी : महबूबा ने कहा-एक तरफ विपक्ष था, दूसरी तरफ सरकार, ईसी और मनी पावर - इलेक्शन रिजल्ट पर शरद पवार बोले

नई दिल्ली, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनावों में बीजेपी की जीत पर एनसीपी चीफ शरद पवार ने कहा कि हमें इस तरह के नतीजों की उम्मीद नहीं थी। हमें स्वीकार करना होगा कि नतीजे बीजेपी के पक्ष में हैं। शरद पवार ने कहा कि इंडिया गठबंधन पर विधानसभा चुनावों के नतीजों का फर्क नहीं पड़ेगा। हम कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के आवास पर बैठक करेंगे और उन लोगों से बात करेंगे जो हार का कारण जानते हैं।

वहीं जम्मू कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री और पीडीपी चीफ महबूबा मुफ्ती ने कहा- इन चुनावों में एक तरफ विपक्ष था और दूसरी तरफ सरकार, जांच एजेंसियां, इलेक्शन कमीशन और मनी पावर था। आशा करते हैं कि 2024 के लोकसभा चुनाव में विपक्षी पार्टियां बेहतर प्रदर्शन करेंगी।

जयराम नरेश बोले-20 साल पहले भी ऐसा हुआ था

कांग्रेस लीडर जयराम रमेश ने कहा- ठीक 20 साल पहले कांग्रेस को छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और राजस्थान में हुए विधानसभा चुनावों में हार का सामना करना पड़ा था। उस वक्त हमें सिर्फ दिल्ली में जीत मिली थी। लेकिन कुछ महीनों बाद हुए लोकसभा चुनाव में कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी थी। कांग्रेस ने केंद्र में सरकार बनाई थी।

सुप्रिया सुले ने बीजेपी को दी बधाई

शरद पवार की बेटी और लोकसभा सांसद सुप्रिया सुले ने कहा कि विधानसभा चुनाव के नतीजों का असर लोकसभा चुनाव पर नहीं पड़ेगा। लोकसभा चुनाव और विधानसभा चुनाव अलग-अलग होते हैं। ये चुनाव इंडिया गठबंधन के लिए कोई टेस्ट नहीं था।

6 दिसंबर को होगी इंडिया गठबंधन की बैठक

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने 6 दिसंबर को इंडिया गठबंधन की चौथी मीटिंग बुलाई है। यह बैठक दिल्ली में होने वाली है। इस बैठक में पांच राज्यों (मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और मिजोरम) के नतीजों पर चर्चा होगी।

इंडिया गठबंधन की पहली बैठक 23 जून को पटना में, दूसरी बैठक 17-18 जुलाई को बेंगलुरु में और तीसरी बैठक 31 अगस्त-1 सितंबर को मुंबई में हुई थी।

तीन राज्यों में बीजेपी की धमाकेदार जीत

रविवार को मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना विधानसभा चुनाव के परिणाम आ गए। बीजेपी ने तीन राज्यों में धमाकेदार जीत दर्ज की है। तेलंगाना में कांग्रेस ने 119 में से 64 सीटों पर जीत हासिल की है। जबकि मिजोरम में वोटों की गिनती 4 दिसंबर को होगी।

जेडपीएम प्रत्याशी लालडुहोमा 2,982 वोटों से जीते

आज कर सकते हैं राज्यपाल से मुलाकात

आइजोल, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। मिजोरम विधानसभा चुनाव का परिणाम आज जारी हुआ। नतीजे के अनुसार जोराम पीपुल्स मूवमेंट (जेडपीएम) पार्टी ने 22 सीटों के साथ बहुमत हासिल कर ली है। वहीं चुनावी परिणाम के बाद राज्य के नए मुख्यमंत्री के रूप में जेडपीएम के प्रत्याशी लालडुहोमा का नाम सबसे पहले है। मुख्यमंत्री प्रत्याशी लालडुहोमा अपने चुनाव क्षेत्र सेरचिप सीट से 2,982 वोटों से जीत हासिल की है। लालडुहोमा को 8,314 वोट मिले, वहीं मिजो नेशनल फ्रंट के जे मलसॉमजुआला वेनचॉन्ग को महज 5,332 वोट ही मिले। कांग्रेस के आर वनलाल्टलुअंगा के पक्ष में 4,241वोट पड़े। भाजपा प्रत्याशी के वनलालरुआती को 97 वोट मिला। मिजोरम विधानसभा चुनाव के वोटो की गिनती कड़ी सुरक्षा के साथ सुबह के आठ बजे से शुरू हो गई थी।

राज्यपाल से मिलेंगे लालडुहोमा

सेरचिप सीट से विजेता बने लालडुहोमा ने मीडिया से बात की। उन्होंने कहा, 'मिजोरम फिलहाल वित्तीय आपदा से जूझ रहा है। निवर्तमान सरकार से हमें यही विरासत में मिलने वाला है। हम अपने वादों को पूरा करने वाले हैं। राज्य में वित्तीय सुधार जरूरी है और इसके लिए हम एक टीम बनाने जा रहे हैं।' उन्होंने बताया कि वह कल या उसके एक दिन बाद वह राज्यपाल से मुलाकात करेंगे। उन्होंने आगे कहा कि शपथ ग्रहण समारोह इस महीने के आखिर में हो सकता है। बता दें कि इस चुनाव में राज्य की सत्तारूढ़ पार्टी मिजो नेशनल फ्रंट बुरी तरह से हार गई है। सीएम और डिप्टी सीएम को अपने निर्वाचन क्षेत्रों से हार का सामना करना पड़ा है।

हिमाचल के शिमला में बड़ा सड़क हादसा, 6 कश्मीरी मजदूरों की मौत

शिमला, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश के शिमला जिले में हादसा हुआ है. यहां पर 6 लोगों की मौत हुई है, जबकि 6 अन्य घायल हैं. फिलहाल, पुलिस हादसे की जांच कर रही है. दुर्घटना के कारणों का पता नहीं चल पाया है. घायलों का इलाज सुन्नी अस्पताल में करवाया गया है. हादसे में मारे गए लोग मजदूर हैं. शिमला के एएसपी नवदीप सिंह ने घटना की पुष्टी की है.

जानकारी के अनुसार, राजधानी शिमला से 50 किमी दूर मंडी जिले के बॉर्डर पर सुन्नी कस्बा पड़ता है. यहां पर सुन्नी के कढारघाट में यह हादसा पेश आया है. यहां पर एक पिकअप गाड़ी हादसे का शिकार हुई है, जिसमें कुल 3 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि, 3 घायलों ने सुन्नी अस्पताल में दम तोड़ा. हादसे में 6 लोग घायल हुए हैं. सड़क हादसा सोमवार सुबह पेश आया है. गंभीर रूप से घायल सभी लोगों को उपचार के लिए सुन्नी अस्पताल लाया गया है. बताया जा रहा है कि सुन्नी को किंगल को जोड़ने वाले लिंक रोड़ पर यह हादसा आज सुबह सात बजे हुआ है. पिकअप में चालक सहित 12 लोग कढारघाट में मंडी की ओर जा रहे थे. कढारघाट से कुछ ही दूरी पर पिकअप गहरी खाई में जा गिरी. घटना के बाद मौके पर चीख पुकार मच गई.

असम में सड़क दुर्घटना में 3 की मौत

गुवाहाटी, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। असम के मोरीगांव जिले में सड़क के किनारे खड़े एक ट्रक से कार की चक्कर में कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। हादसा रविवार रात बंगालधारा इलाके के पास हुआ।पुलिस के अनुसार, नगांव के रास्ते में कार टक्कर के कारण दुर्घटना में पूरी तरह नष्ट हो गई। घायलों में से दो ने मोरीगांव सिविल अस्पताल में दम तोड़ दिया, जबकि एक की मौके पर ही मौत हो गई थी। मरने वालों की पहचान यूनिस चंद, मोहम्मद और शहजाद के रूप में की गई है। सभी उत्तर प्रदेश के रहने वाले थे। गंभीर रूप से घायल तीन लोगों का अस्पताल में इलाज चल रहा है।

हरियाणा कांग्रेस के लिए सबक राजस्थान चुनाव

गुटबाजी रही तो जीत मुश्किल, ओपीएस से भी मैजिक की उम्मीद नहीं, संगठन सबसे कमजोर कड़ी

चंडीगढ़, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। हरियाणा कांग्रेस पार्टी के लिए राजस्थान चुनाव बड़ा सबक होंगे। इसकी तीन बड़ी वजह सामने आई हैं। पहली वजह नेताओं की गुटबाजी है। राजस्थान में सत्ता में रहते हुए भी पार्टी को गुटबाजी के कारण बड़ी हार का सामना करना पड़ा। वहीं मध्य प्रदेश में भी कमलनाथ और दिग्विजय की गुटबाजी का खामियाजा पार्टी को भुगतना पड़ा है। ऐसे में अगर हरियाणा में कांग्रेस गुटबाजी खत्म नहीं कर पाई तो मुश्किलें बढ़ सकती हैं। गुटबाजी के कारण ही हरियाणा में पार्टी साढ़े 9 सालों से संगठन खड़ा नहीं कर पाई है। अभी भी संगठन सिर्फ प्रदेश अध्यक्ष के नाम पर ही चल रहा है। पार्टी को सबसे पहले गुटबाजी खत्म करने पर फोकस करना होगा। इसके साथ ही चुनाव को लेकर जिन मुद्दों पर पार्टी चल रही है उनमें भी बदलाव करना होगा।

दूसरे दल जैसे भाजपा, आप, जजपा और आईएनएलडी की अपेक्षा कांग्रेस संगठन में सबसे पीछे चल रही है। संगठन नहीं होना पार्टी की सबसे बड़ी कमजोरी साबित हो रही है।

गुटबाजी का ये होगा सबसे बड़ा नुकसान

हरियाणा में गुटबाजी के कारण पार्टी को 2014 और 2019 के लोकसभा के साथ ही विधानसभा चुनावों में काफी नुकसान उठाना पड़ चुका है। गुटबाजी के कारण ही प्रदेश के पहली पंक्ति के नेता अपने अपने क्षेत्र में ही सक्रिय रहे। अभी भी हालात ऐसे बने हुए हैं। पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा जाट बेल्ट में सक्रिय हैं। वहीं दूसरे गुट के रणदीप सुरजेवाला अपने गृह जिला कैथल, कुमारी सैलजा अंबाला और किरण चौधरी अपने विधानसभा क्षेत्र में ही समर्थकों के साथ मीटिंग कर रहे हैं।

मुद्दों को बदलना होगा

गुटबाजी के साथ ही पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व को हरियाणा के मुद्दों को भी बदलना होगा। अभी पार्टी ओपीएस को ट्रंप कार्ड मानकर चल रही है, लेकिन छत्तीसगढ़ में ओपीएस लागू होने के बाद भी पार्टी को हार का सामना करना पड़ा। हरियाणा में भी नेता ओपीएस को लेकर काफी एक्टिव हैं, वह मान रहे हैं कि हिमाचल प्रदेश में ओपीएस के कारण ही पार्टी की सरकार बनी हैं। इसके साथ ही जातिगत वोट बैंक को छोड़कर सभी वर्गों को साथ लेकर फील्ड में उतरना होगा। राज्य के सियासी जानकारों के मुताबिक हरियाणा में होने वाले विधानसभा चुनाव में लोकल मुद्दे हावी रहने वाले हैं।

कांग्रेस की कमजोर कड़ी है संगठन

अभी कांग्रेस की कमजोर कड़ियों में संगठन सबसे बड़ी कमजोरी है। यहां गुटबाजी के कारण साढ़े 9 सालों से संगठन नहीं बन पाया है। जबकि इतने सालों में तीन प्रदेश अध्यक्ष बदले जा चुके हैं, लेकिन संगठन के नाम पर पार्टी के पास सिर्फ अध्यक्ष ही रहा है। कांग्रेस को छोड़कर भाजपा, आम आदमी पार्टी, जजपा और आईएनएलडी संगठन को लेकर काफी गंभीर हैं। सभी पार्टी के नेता चुनाव में संगठन की अहमियत को लेकर काफी सजग नजर आ रहे हैं।

खबरें जरा हटके

ये है दुनिया का सबसे खतरनाक शहर, हर कोई करता है काला-जादू

शाम 6 बजे के बाद पसरता है सन्नाटा

आज के समय ज्यादातर देशों में पुलिस बल तैनात है. इनका काम होता है देश के अंदर होने वाले अपराधों पर नियंत्रण रखना. जब किसी देश का क्राइम ग्राफ काफी बढ़ जाता है, तो ये मान लिया जाता है कि उस देश की पुलिस अपराध पर नियंत्रण रखने में असफल हो चुकी है. ऐसे में देश के नागरिकों को अपनी सुरक्षा की चिंता भी सताने लगती है. बाहर से आए पर्यटकों की तो बात ही छोड़ दीजिये.

हाल ही में ट्रेवल एक्सपर्ट ने दुनिया के सबसे खतरनाक शहर का खुलासा किया. इस एक्सपर्ट ने दुनिया के 197 देशों की यात्रा कर रखी है. अपने अनुभव के आधार पर इस एक्सपर्ट ने हैती की राजधानी पोर्ट-अउ-प्रिंस को दुनिया के सबसे खतरनाक शहर की लिस्ट में सबसे ऊपर रखा है. आपको बता दें कि ये वही शहर है, जहां 2010 में आए भूकंप की वजह से तीन लाख लोगों की मौत हो गई थी. ड्रियू बिंस्की नाम के इस एक्सपर्ट ने इस शहर का जो नजारा दिखाया, वो दिल दहलाने वाला है.

इस शहर में लोग शाम के 6 बजे के बाद बाहर नहीं जाते ना किसी को घर के अंदर आने देते हैं. शहर के हॉस्पिटल दोपहर के बाद स्टाफ के बिना रह जाते हैं. ऐसे में अगर कोई घ्याल अस्पताल आता है तो इसे मरने के लिए छोड़ दिया जाता है. इसके अलावा यहां ब्लैक मैजिक काफी किया जाता है. अगर कोई बीमार हो जाए, तो डॉक्टर की जगह उसका इलाज वूडू- एक तरह की तंत्र विद्या से की जाती है. यहां काफी कम दुकानें हैं, जहां गंदगी के बीच खाने की चीजें मिलती है. शहर का मिनरल वॉटर भी काफी गंदे टेस्ट के साथ आता है.

20वें जन्मदिन पर संत बन जाते हैं यहां के लोग, सदियों से चली आ रही अनोखी परंपरा

योगी आदित्यनाथ हों या फिर बाबा बालकनाथ दोनों संत परंपरा से आए. दोनों ही नाथ संप्रदाय से ताल्लुक रखते हैं. दोनों राजनीति में हैं और साथ में जनसेवा भी करते हैं. दोनों बहुत कम उम्र में इस संप्रदाय का हिस्सा बने. बहुत सारे लोग गृहस्थ जीवन छोड़कर संत परंपरा की ओर बढ़ रहे हैं. लेकिन आज हम आपको एक ऐसे मुल्क के बारे में बताने जा रहे हैं. जहां 20वें जन्मदिन पर संत बन जाने की परंपरा है. सिर्फ कुछ लोग नहीं, सभी लोगों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे संत बनें और धार्मिक शिक्षा ग्रहण करें. सदियों से ये परंपरा चली आ रही है. पुराने जमाने में राजा सहित सभी पुरुष अपने 20वें जन्मदिन से पहले कुछ समय के लिए संत बनते थे, लेकिन आजकल कुछ युवा ही इस प्रथा का पालन करते हैं.

हम बात कर रहे थाईलैंड की. यहां बौद्ध धर्म का पालन किया जाता है. थाई संस्कृति में यह परंपरा है कि जब कोई व्यक्ति 20 वर्ष का हो जाता है, तो उसे दीक्षा दी जानी चाहिए. भगवान बुद्ध की शिक्षाओं, धर्म का अध्ययन करने के लिए कुछ समय के लिए उसे मठ में प्रवेश करना चाहिए. इस परंपरा को धार्मिक सेवा का एक महान कार्य माना जाता है. सदियों से जो परविार इस योग्यता को पूरा करता है, उसे बेहद सम्मान की नजर से देखा जाता है. थाई पुरुषों के लिए यह अपना पालन-पोषण करने वाले माता-पिता के प्रतिआभार जताने का तरीका है. इस समारोह को 'बुआट नाक' संस्कार कहा जाता है.

सबसे बड़ी सोने की मूर्ति कहां, जिसमें लगा है 5500 किलो से ज्यादा गोल्ड, कितनी पुरानी कोई नहीं जानता

दुनिया में एक से एक शानदार मूर्तियां-स्टैच्यू हैं, जो पर्यटकों को आकर्षित करती हैं. गुजरात में बनी सरदार वल्लभभाई पटेल की 182 मीटर ऊंची प्रतिमा "स्टेच्यू ऑफ यूनिटी" देखने के लिए हर साल लाखों लोग जाते हैं. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्देश पर इसे देशभर से मंगाए गए लोहे से तैयार कराया गया है. लेकिन क्या आपको पता है कि दुनिया की सबसे बड़ी सोने की मूर्ति कहां है? जिसमें 5500 किलो से ज्यादा गोल्ड है. पुरानी इतनी कि जिसके बारे में अब तक स्पष्ट तौर पर पता नहीं है. आइए जानते हैं इसके बारे में.

यह मूर्ति भगवान बुद्ध की है, जो थाईलैंड की राजधानी बैंकाक के वॉट ट्रेमिट मंदिर में स्थित है. 'द गोल्डन बुद्धा' के नाम से मशहूर यह मूर्ति 9.8 फीट लंबी है. इसका वजन 5500 किलोग्राम से ज्यादा है.इसमें इतना सोना लगा है कि अगर मूर्ति की कीमत का अनुमान लगाया जाएगा तो तकरीबन 19 अरब रुपये के आसपास होगी. एक और दिलचस्प बात, यह मूर्ति वर्षों तक दुनिया से छुपी हुई थी. 1954 तक इसके बारे में किसी को भी कोई जानकारी नहीं थी. लोगों को पता ही नहीं था कि यह मूर्ति पूरी तरह सोने से बनी हुई है. इसकी एक वजह थी. दरअसल, मूर्ति के ऊपर प्लास्टर चढ़ाया गया था. ऐसे में किसी को पता नहीं चल पाता था कि इसके अंदर इतना ज्यादा सोना लगा हुआ है. आप सोच रहे होंगे कि फरि पता चला कैसे? दरअसल, मूर्ति को रखने के लिए एक मंदिर बनाया गया और 1955 में जब मूर्ति को मंदिर में रखने के लिए ले जाया जा रहा था तो, वह गलती से जमीन पर गिर गई. उसी वक्त मूर्ति का प्लास्टर उखड़ गया. जब लोगों ने अंदर देखा तो हैरान रह गए. इसके कुछ साल बाद ट्रेमिट मंदिर में एक बड़ा भवन बनाया गया, ताकी इसकी अच्छे से सुरक्षा की जा सके. इतिहासविदों के मुताबिक, सोने की मूर्ति पर प्लास्टर इसलिए चढ़ाया गया था।

IN THE COURT OF THE HONBLE I SENIOR CIVIL JUDGE CITY CIVIL COURT: AT: HYDERABAD E.P. No. 48 OF 2022 IN O.S.No. 1263 OF 2015.

Between:
NCL ALLTEK AND SECCOLOR LTD.
(Presently known as NCL BUILDTEK LIMITED)
Decree-Holder
AND
M/s. Maharashtra painting contractor
rep by its proprietor Dilip Bhosle
H. No. 3-2-756, Esamia Bazaar, Hyderabad.
Judgement Debtor
To
M/s. Maharashtra Painting Contractor
Rep by its proprietor Dilip Bhosle,
H.No. 3-2-756,Opposite Manjeera Hotel,
Esamia Bazaar, Hyderabad – 500027- Telangana.

WHEREAS the Decree Holder has made an application to this court for execution of decree in suit O. S. No. 1263 of 2015 on the file of I Senior Civil judge, City Civil Court, Hyderabad against you for arrest and imprisonment, you are hereby required to appear before this court on 28-12-2023 at 10:30 A.M in person to show cause why you should not be committed to the civil prison in execution of the said decree. Otherwise matter will decided as per the material available on record.

By order of the Court.
S. Ajay Kumar - Advocate
Office at:
1-1-700/B/9, Gandhi Nagar, Hyderabad.
9849184616.

NOTICE

IN THE COURT OF THE HON'BLE XI JUNIOR CIVIL JUDGE, CITY CIVIL COURTS , AT : SECUNDERABAD

Between:
1. Sri Ashok Kapoor.
S/o Late. Ram Prasad Kapoor,
Age: 69 Yrs., Occ.: Business,
R/o. Plot No.134, Gun Rock Enclave, Phase I, Transport Road, Near Diamond Point,
Tirumalgiri, Secunderabad—500009
2. Smt. Payal Khanna,
D/o. Ashok Kapoor,
W/o. Rohit Khanna,
Age: 43 Yrs., Occ.: Housewife,
R/o D/8, Ananta Bldg., 762, ,
R.P. Lane, Warden Road,
Cumballa Hill, Mumbai,
Maharashtra—400026
3. Smt. Aanchal Rajpal,
D/o. Ashok Kapoor,
W/o. Rahul Rajpal
Age: 42 Yrs., Occ: Housewife,
R/O. H.No. 11, Ashoka Colony,
Karnal, Karnal, Haryana—132001
4. Smt. Purva Kapur,
D/o Ashok Kapoor
W/o. Keshav Kapur
Age: 40 Yrs., 0cc. Housewife
Ahiri Pukur Road, Ballygunge S.O.
Kolkata, West Bengal—700019, Plaintiffs
AND
1. The Tahsildar,
Tirumalgiri Mandal,
SECUNDERABAD District
2. All Concerned Defendants
To,
All Concerned,

Please take notice that, the plaintiffs herein have filed the above suit to declare the plaintiffs as the legal heirs of the deceased Late SMT. VEENA KAPOOR, who died on 25-10-2021, for legal status only, on the file of the above court, if anybody having any objections for the same, to attend before the abovesaid Hon'ble Court either personally or through their Counsel, on 28-12-2023 at 10.30 A.M.

//BY ORDER OF THE HON'BLE COURT//
Sd/-
M/s. B. Sudhakar Reddy,
S. Satyanarayana
Advocates
 # 605, Lingapur-la-Building
Himayat Nagar, Hyderabad—29

'मिचौंग' भीषण चक्रवाती तूफान को लेकर महाप्रबंधक ने की समीक्षा बैठक

अधिकारियों को यात्रियों की अधिकतम सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश

हैदराबाद, 4 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने रेल निलयम, सिकंदराबाद से ट्रेन संचालन की सुरक्षा और मिचौंग गंभीर चक्रवाती तूफान की स्थिति से निपटने की तैयारियों की कार्य योजना पर एक समीक्षा बैठक की। बैठक में प्रमुख विभागाध्यक्ष सभी छह मंडलों अर्थात विजयवाड़ा, गुंतकल, गुंटूर, सिकंदराबाद, हैदराबाद और नांदेड़ मंडलों के मंडल रेल प्रबंधकों (डीआरएम) ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से भाग लिया। महाप्रबंधक ने अरुण कुमार जैन ने आसन्न "मिचौंग" चक्रवात के मद्देनजर सभी प्रभागों के प्रमुख विभागाध्यक्षों के साथ एक विस्तृत समीक्षा बैठक की। महाप्रबंधक ने चक्रवात से निपटने के लिए रेलवे द्वारा उठाए जा रहे विभिन्न कदमों की समीक्षा की। उन्होंने विभिन्न डिपो में मानसून रिजर्व स्टॉक की स्थिति की समीक्षा की और अधिकारियों को विभिन्न स्थानों पर स्टॉक की न्यायिक तैनाती के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को आवश्यक उपाय करने के लिए चक्रवात के मार्ग की बारीकी से निगरानी करने का निर्देश दिया।

उन्होंने अधिकारियों को ट्रैक और ट्रेन संचालन की सुरक्षा

सुनिश्चित करने के लिए अनुभाग में रेलवे को प्रभावित करने वाले टैंकों की स्थिति की निगरानी के लिए राज्य सरकार के अधिकारियों और एनडीआरएफ (राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल) टीमों के साथ निकटता से संपर्क करने की सलाह दी।

उन्होंने संभावित प्रभावित खंडों में पटरियों की मानसून गश्त सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया। वास्तविक समय की जानकारी प्राप्त करने के लिए सभी संवेदनशील पुलों और स्थानों पर स्थिर चौकीदार भी तैनात किए जा रहे हैं। इसके अलावा, अधिकारियों ने यह भी बताया कि कमजोर रोड अंडर ब्रिज (आरयूबी) की स्थिति की बारीकी से निगरानी की जा रही है और यदि आवश्यक हो, तो उन्हें बंद किया जा सकता है और पानी को बाहर निकालने की व्यवस्था की गई है।

तेलंगाना के लिए रेड अलर्ट जारी

हैदराबाद, 4 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। चक्रवात मिचौंग के दक्षिण आंध्र प्रदेश तट की ओर बढ़ने के साथ, भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी), नई दिल्ली ने सोमवार को तेलंगाना के कुछ हिस्सों के लिए रेड अलर्ट जारी किया। आईएमडी के अनुसार, चक्रवात के मंगलवार को नेल्लोर और मछलीपट्टनम के बीच बापटला के पास टकराने की आशंका है। इसमें कहा गया है कि चक्रवात तट के करीब बढ़ रहा है और अब तेलंगाना में अधिक प्रभाव पड़ने की उम्मीद है। सोमवार रात से नलगोंडा, सूर्यापेट, खम्मम, महबुबाबाद, भद्राद्री - कोठागुडेम, यदाद्री - भोंगीर, वारंगल और मुलुगु जिलों में बारिश होगी और मंगलवार को इन क्षेत्रों में मध्यम-भारी बारिश होने की संभावना है। इस बीच, राज्य की राजधानी हैदराबाद में अगले दो दिनों तक हल्की और मध्यम बारिश होने की संभावना है। स्थिति की गंभीरता का अनुमान लगाते हुए, आईएमडी ने रेड अलर्ट जारी करते हुए चेतावनी दी कि मंगलवार को तेलंगाना में भारी से बहुत भारी बारिश (204.4 मिमी से ऊपर) के साथ अलग-थलग पड़ने की संभावना है।

नौसेना दिवस पर वीर जवानों को दी गई श्रद्धांजलि

हैदराबाद, 4 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एक मार्मिक समारोह में, हैदराबाद स्टेशन के नौसेना अधिकारियों ने नौसेना दिवस, 4 दिसंबर, 2023 को वीरुला सैनिक स्मारक (युद्ध स्मारक), परेड ग्राउंड, सिकंदराबाद में बहादुर दिलों को श्रद्धांजलि दी। सेवारत नौसेना बिरादरी की ओर से, रियर एडमिरल रवनीश सेठ, स्टेशन कमांडर (नौसेना) (हैदराबाद), और नौसेना के दिग्गजों की ओर से, नेवी फाउंडेशन (हैदराबाद) के अध्यक्ष, कमोडोर सुधीर अरकला (सेवानिवृत्त) ने युद्ध शहीद स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की। देश में भारतीय नौसेना की उपलब्धियों और योगदान को याद करने के लिए हर साल 4 दिसंबर को भारतीय नौसेना दिवस मनाया जाता है। यह 1971 के उस दिन को चिह्नित करता है, जब भारतीय नौसेना ने भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान अपनी ताकत और वीरता का प्रदर्शन करते हुए सफल नौसेना ऑपरेशन किया था, जिसे 'ऑपरेशन ट्राइडेंट' नाम दिया गया था।

यह दिन देश के समुद्री हितों की रक्षा करने और क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा सुनिश्चित करने में भारतीय नौसेना और उसके कर्मियों की बहादुरी, समर्पण और कुल प्रतिबद्धता का सम्मान करता है। नौसेना के हिस्से के रूप में हैदराबाद स्टेशन में कई आउटरीच कार्यक्रम/गतिविधियाँ भी आयोजित की जा रही हैं।

मांझी के बाद गिरिराज भी बोले नीतीश का हेल्थ बुलेटिन जारी हो

वो प्रदेश के मुख्यमंत्री, हमें भी चिंता; पूर्व सीएम ने साजिश की जताई आशंका

पटना, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की तबीयत खराब चल रही है। पिछले एक सप्ताह से वह बीमार हैं। वो सीजनल फ्लू की चपेट में है और सीएम आवास में डॉक्टरों की सलाह पर आराम कर रहे हैं। इस वजह से जनता दरबार आज रद्द कर दिया गया है।

वहीं पूर्व सीएम जीतन राम मांझी ने इसे सियासी साजिश बताया है। उन्होंने कहा है कि सीएम के खिलाफ साजिश हो रही है। जीतनराम ने नीतीश कुमार का हेल्थ बुलेटिन जारी करने की मांग की है। बता दें कि इसके पहले भी वो सीएम को जहरीला पदार्थ देने की साजिश का आरोप लगा चुके हैं। पूर्व सीएम मांझी के बाद केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने भी सीएम का हेल्थ बुलेटिन जारी करने की मांग की है। सोशल मीडिया एक्स पर केंद्रीय मंत्री ने लिखा- नीतीश कुमार जी केवल एक गठबंधन के मुख्यमंत्री नहीं बल्कि पूरे बिहार के मुख्यमंत्री हैं। इसलिए जीतनराम मांझी जी की चिंता जायज़ है और इसकी हमें भी चिंता है ! इसलिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी का हेल्थ बुलेटिन जारी होना चाहिए।

पूर्व सीएम मांझी ने सियासी साजिश बताया

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सेहत खराब और जनता दरबार कार्यक्रम को स्थगित किए जाने पर अब सियासी बयान सामने आया है। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और हम के राष्ट्रीय अध्यक्ष जीतन राम मांझी ने उनकी बीमारी और जनता दरबार स्थगित किए जाने पर सवाल खड़े किए हैं। पूर्व मुख्यमंत्री जितना मांझी ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा है कि पिछले 10 दिनों से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की तबीयत खराब है।

उनको कुछ हुआ भी है या फिर सिर्फ उनके साथ राजनैतिक साजिश चल रही है? नीतीश कुमार का हेल्थ बुलेटिन जारी होना चाहिए जिससे पता चले कि उनकी स्थिति कैसी है? सीएम के हेल्थ बुलेटिन जारी करने की मांग पर जेडीयू प्रवक्ता नीरज कुमार ने कहा कि मुख्यमंत्री के स्वास्थ्य के बारे में अनाप-शनाप टिप्पणी की जा रही है। यह निचले स्तर की राजनीति है। जीतनराम मांझी जब बीमार पड़े थे तो हेल्थ बुलेटिन जारी क्यों नहीं किया गया। मांझी पर निशाना साधते हुए कहा कि निजी तौर पर सीएम पर अक्षेप कीजिएगा तो ऐसा इलाज करेंगे कि पूरे परिवार का हेल्थ बुलेटिन जारी कर देंगे। इसलिए अगर हमें व्यक्तिगत रूप से छेड़िएगा तो राजनीति में शर्मसार हो जाइएगा।

10 नवंबर को जहर दिए जाने की कही थी बात

10 नवंबर को विधानसभा गेट पर धरने पर बैठे पूर्व सीएम जीतन राम मांझी ने कहा था कि नीतीश कुमार के खाने में कोई विषैला पदार्थ मिला रहा है।

उन्हें गद्दी से हटाने के लिए, किसी और को सीएम बनाने के लिए एक बड़ी साजिश रची जा रही है। उन्होंने कहा, 'इसके कारण ही वह इस तरह की हरकतें कर रहे हैं। कभी विधानसभा में महिलाओं पर विवादित टिप्पणी देते हैं, तो कभी मंत्री अशोक चौधरी के पिता को श्रद्धांजलि देने की बजाय जिंदा मंत्री पर ही फूल चढ़ाने लगते हैं।'

रामलला का सिंहासन बनकर तैयार, सोने की परत चढ़ाना बाकी

अयोध्या, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। अयोध्या में भगवान रामलला का सिंहासन बनकर तैयार हो गया है। सिर्फ सोने की परत चढ़ानी बाकी है। रामलला का सिंहासन 8 फीट लंबा और 4 फिट चौड़ा है। इसमें खास तरह की नक्काशी की गई है।

इसका चबूतरा विशेष प्रकार की ईंटों से बनाया गया है। इसके बाद उस पर संगमरमर लगाया गया है। रामपथ, जन्मभूमि पथ, भक्ति पथ, धर्मपथ के दोनों तरफ दीवारों में पेंटिंग की जा रही है। दूसरी तरफ श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने कारसेवकों के परिवार को कार्यक्रम में शामिल होने के लिए निमंत्रण पत्र भेज रहा है।

मायावती ने कहा-चुनावी नतीजे विचित्र और रहस्यमयी

दस दिसंबर को पार्टी नतीजों को लेकर करेगी मंथन

लखनऊ, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने चार राज्यों के चुनावी नतीजों को विचित्र और रहस्यमयी करार दिया है। सोमवार को एक्स पर जारी अपने बयान में उन्होंने कहा कि चार राज्यों के हालिया विधानसभा चुनाव के परिणाम एक पार्टी के पक्ष में एकतरफा होने से सभी लोगों का शंकित, अचंभित व चिंतित होना स्वाभाविक है। चुनाव के पूरे माहौल को देखते हुए ऐसा विचित्र परिणाम लोगों के गले के नीचे उतर पाना बहुत मुश्किल है।

उन्होंने आगे कहा कि पूरे चुनाव के दौरान माहौल एकदम अलग व कांटे के संघर्ष जैसा दिलचस्प रहा। हालांकि चुनाव परिणाम उससे बिल्कुल अलग होकर पूरी तरह से एकतरफा हो गये। यह ऐसा रहस्यात्मक मामला है, जिस पर गंभीर चिंतन व उसका समाधान जरूरी है। लोगों की नब्ज पहचानने में भयंकर 'भूल-चूक' चुनावी चर्चा का नया विषय है। बसपा के सभी लोगों ने पूरे तन, मन, धन व दमदारी के साथ यह चुनाव लड़ा।

जिससे माहौल में नई जान आई, लेकिन उन्हें ऐसे अजूबे परिणाम से निराश कतई भी नहीं होना है और डॉ. भीमराव आंबेडकर के जीवन संघर्षों से प्रेरणा लेकर आगे बढ़ने का प्रयास करते रहना है। इस चुनावी परिणाम के संदर्भ में जमीनी रिपोर्ट लेकर आगे लोकसभा चुनाव की नए सिरे से तैयारी पर विचार-विमर्श के लिए पार्टी की ऑल इंडिया बैठक आगामी 10 दिसंबर को लखनऊ में बुलाई गयी है। चुनाव परिणाम से विचलित हुए बिना आंबेडकरवादी मूवमेंट आगे बढ़ने का हिम्मत कभी भी नहीं हारेगा।

'हर घर बेरोजगार-मांगे रोजगार' नारे से मिशन-2024 में उतरेगी सपा

अखिलेश यादव बोले, जातिगत गणना होकर रहेगी, भाजपा से मुकाबले में बड़ी तैयारी

वाराणसी, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। वाराणसी में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने लोकसभा चुनाव 2024 का शंखनाद किया। वाराणसी से 'हर घर बेरोजगार-मांगे रोजगार' नारा देकर मिशन 2024 के लिए पार्टी के चुनावी मुददे साफ कर दिए। अखिलेश यादव ने कहा, सपा महंगाई, बेरोजगारी और किसानों के मुददों पर आगामी लोकसभा का चुनाव लड़ेगी। उप्र ही नहीं देश भर में जनता इन मुद्दों पर सपा और इंडिया गठबंधन के साथ आएगी। 2024 ऐतिहासिक परिणाम लाएगा, बदलाव होगा। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव एक दिवसीय दौरे पर वाराणसी पहुंचे हैं। एयरपोर्ट पर कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया, जहां से सड़क मार्ग से सीधे मुर्दहा (आयर) में नेशनल ईक्वल पार्टी के नए कार्यालय के लिए रवाना हुए। राष्ट्रीय अध्यक्ष शशिप्रताप सिंह के साथ फीता काटकर कार्यालय का उद्घाटन किया। इसके बाद पूर्व सीएम ने कई कार्यक्रमों में शिरकत की। पार्टी पदाधिकारियों और प्रमुख कार्यकर्ताओं से मुलाकात की। मिशन 2024 को लेकर भी पार्टी नेताओं और सपा कार्यकर्ताओं को मंत्र दिया। पूर्व सीएम ने कहा, लोकसभा चुनाव को लेकर कार्यकर्ता तैयार रहें, हम सर्वाधिक सीटों पर चुनाव लड़ेंगे और जीतेंगे।

अखिलेश का दावा, जातिगत गणना होगी और होकर रहेगी

वाराणसी में सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने दावा किया देश जातिगत गणना मांग रहा है। हमारी मांग है कि उप्र में जातिगत गणना हो, हम यकीन दिलाते हैं कि जातिगत गणना होगी और होकर रहेगी। देश की बड़े पैमाने पर आबादी जातिगत गणना चाहती है। जब 2017 में मैरिड से भर्ती हुई तो पुरानी व्यवस्था थी कई लोग 1700 बेरोजगार हो गए। जातिगत गणना के बाद भागीदारी के अनुसार योजनाएं और विकास होगा।

2024 के लिए इंडिया ही गठबंधन है

अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा जैसी बड़ी पार्टी के खिलाफ चुनाव में बहुत बड़ी तैयारी करनी होगी। अनुशासन में रहकर मुकाबला करना होगा। वर्ल्डकप इंडिया हार गया है, इंडिया को लेकर निराश नहीं होना है। चुनाव में इस तरह के परिणाम आते रहते हैं। हम परिणाम को स्वीकार करते हैं, लड़ाई अभी लंबी है। एमपी में गठबंधन को लेकर बात नहीं बन पाई थी। उनकी परिस्थियां अलग थीं। गठबंधन जो है वही मोर्चा है लक्ष्य हमारा बीजेपी का मुकाबला करना है।

'मॉच्र्युरी में महिला के शव को चूहों ने कुतरा'

मायके वाले घाव देखकर बोले- हत्या की गई है, ससुराल वाले बोले-वीडियो बनाकर किया है सुसाइड

ललितपुर, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। "हमें चीरघर में बेटी की डेड बॉडी मिली। उसके चेहरे पर घाव था। पुलिस वाले कह रहे हैं कि यह घाव चूहों का काटा हुआ है। बॉडी चूहों ने काटी है।

लेकिन मेरी बेटी को उसके ससुराल वालों ने मारा है। उसकी हत्या की गई है।" ऐसा आरोप लगाते हुए एक महिला पोस्टमॉर्टम हाउस के बाहर बदहवास हो जाती है। पूरा मामला ललितपुर का है। यहां शनिवार की रात एक नवविवाहिता का शव फंदे से लटका मिला। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवा दिया। इसके साथ ही डेड बॉडी के पास एक फोन बरामद किया गया। जानकारी मुताबिक, इस फोन में वीडियो रिकॉर्डिंग ऑन थी।

वीडियो बनाकर किया सुसाइड

मामला थाना कोतवाली अंतर्गत पुलिस चौकी राजघाट के मैलार गांव का है। यहां 21 साल की अनुभा की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हुई है। अनुभा के बेड रूम में लोहे के एंगल में साड़ी के फंदे से लटके शव को देखते ही पति हृदेश यादव ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को फंदे से उतरवाया।

मौके पर मौजूद हृदेश ने पुलिस को फोन दिखाते हुए कहा कि उसकी पत्नी वीडियो बनाकर सुसाइड किया है। ससुराल वालों ने पुलिस को बताया कि अनुभा दूसरे मकान में अलग रहती थी। वीडियो में दिख रहा है कि वह साड़ी से फांसी के फंदे पर लटक गई है।

पटना यूनिवर्सिटी में बमबाजी और गोलीबारी

दो हॉस्टल के छात्रों के बीच झड़प से कैंपस में दहशत

पटना, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। पटना कॉलेज के हॉस्टल कैंपस में दो गुटों के बीच बमबाजी हुई। हालांकि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। बमबाजी की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस घटनास्थल पर पहुंची, जहां से पुलिस ने एक जिंदा बम बरामद किया है। छात्रों का कहना है कि उस समय क्लास चल रहा था। तभी अचानक बमबाजी और गोलीबारी होने लगी। अचानक हुए इस घटना से कैंपस में अफरातफरी का माहौल हो गया। घटना की सूचना मिलते ही तुरंत स्थानीय थाने की पुलिस घटनास्थल पर पहुंच गई। फिलहाल पुलिस कैंपस में कैंप कर रही है।

सीसीटीवी खंगाल रही पुलिस

घटना के संबंध में स्थानीय लोगों और छात्रों का कहना है कि कॉलेज कैंपस में अचानक बमबाजी और फायरिंग होने लगी। इस घटना में एक छात्र घायल हो गया जिसे आननफानन में पीएमसीएच पहुंचाया गया। फिलहाल घायल छात्र ख़तरा से बाहर है। हॉस्टल के प्रबंधक के द्वारा सूचना देने पर पीरबहोर थाना समेत आसपास के तीन थानों की पुलिस तुरंत घटनास्थल पर पहुंची।

पुलिस के घटनास्थल पर पहुंचते ही घटना को अंजाम देने वाले छात्र वहां से फरार हो गये।जांच के दौरान पुलिस को घटनास्थल से बम के कई सामग्री और कुछ खोखे भी मिले हैं। फिलहाल पुलिस आसपास के सीसीटीवी कैमरा को खंगाल रही है।

टीवी एक्टर ने गोली मारकर की युवक की हत्या

भूपेंद्र ने पेड़ काटने के विवाद में फायरिंग की, 3 गंभीर; काला टीका सीरियल में की थी एक्टिंग

बिजनौर, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। बिजनौर में टीवी एक्टर भूपेंद्र सिंह ने गोली मारकर युवक की हत्या कर दी। रविवार को पेड़ काटने के विवाद में एक्टर ने वारदात को अंजाम दिया। लाइसेंसी रिवॉल्वर से अंधाधुंध फायरिंग की। इसमें एक परिवार के 4 लोगों को गोली लगी।

इसमें युवक की मौत हो गई। जबकि उसके मां, बाप और भाई की हालत गंभीर है। मामले में पुलिस ने मृतक के चाचा की शिकायत पर भूपेंद्र समेत चार के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। पुलिस ने आरोपी एक्टर को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी एक्टर भूपेंद्र सिंह 15 दिन पहले यानी 19 नवंबर को मुंबई से अपने गांव आया था। भूपेंद्र टीवी सीरियल काला टीका, कार्तिक पूर्णिमा और एक हसीना में काम कर चुका है। पूरी घटना रविवार की बढ़ापुर थाना क्षेत्र के कुआं खेड़ा गांव की है। यहां भूपेंद्र का पैतृक गांव है। वह खुद मुंबई में रहता है, पत्नी जयपुर में रहती है। उसके बेटे विदेश में पढ़ते हैं। जबकि परिवार के अन्य लोग गांव में रहते हैं। रविवार दोपहर को गांव में खेत की मेढ़ पर लगे पेड़ काटने पर भूपेंद्र का गांव के गुरदीप सिंह से विवाद हो गया। गुरदीप दावा कर रहा था कि पेड़ उसका है, जबकि भूपेंद्र पेड़ को अपना बता रहा था। इसी को लेकर गुरदीप से उसका विवाद हो गया। इस दौरान भूपेंद्र ने अपने कुछ साथियों को भी बुला लिया।

मामला इतना बढ़ा कि पहले मारपीट और फिर फायरिंग होने लगी। गुरदीप के परिवार के 4 लोगों पर भूपेंद्र और उनके साथियों ने ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। गोली लगने से गुरदीप के बेटे गोविंद सिंह (23) की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि वहीं गुरदीप सिंह (60), उनकी पत्नी बीरो बाई (55) और दूसरा बेटा बॉबी उर्फ अमरीक सिंह घायल हो गए। हत्या की सूचना पर गांव में अफरा-तफरा मच गई। चीख-पुकार होने लगी। आस-पास काम कर रहे ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी। एसपी, डीआईजी मुनिराज जी मौके पर पहुंचे और जांच-पड़ताल की। घायल गुरदीप, उनकी पत्नी बीरो बाई और बेटा अमरीक को सीएचसी अफजलगढ़ ले जाया गया। वहां तीनों की हालत गंभीर होने पर उनको हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। वहीं, गोविंद के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। विवाद में भूपेंद्र सिंह को भी चोट आई थी। उसे पुलिस ने मौके से गिरफ्तार कर लिया था। फिलहाल, उसका अस्पताल में इलाज चल रहा है।

सरगना विवेक को साथ लेकर मुंबई, बिहार और एमपी में दबिश देगी एनआईए

शाहजहांपुर, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। शाहजहांपुर में नकली नोटों की छपाई और बिक्री के रैकेट के सरगना बंडा के विवेक उर्फ आदित्य को साथ लेकर एनआईए अब बिहार, मुंबई और मध्यप्रदेश में दबिश देगी। इस दौरान बिहार और मध्यप्रदेश में उसके रैकेट से जुड़े लोगों की गिरफ्तारी की संभावना है। वहीं स्थानीय स्तर पर पुलिस ने भी विवेक की संपत्तियों की जांच शुरू कर दी है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने शनिवार को विवेक को बंडा की रामनगर कॉलोनी स्थित उसके घर से गिरफ्तार किया था। कोर्ट से ट्रांजिट रिमांड लेकर एनआईए उसे अपने साथ ले गई थी। रविवार दोपहर एनआईए के अधिकारियों ने उसकी बात उसकी मां मंजू से फोन पर कराई।

उसने बताया था कि एनआईए के लखनऊ हेड क्वार्टर में रखा गया। जांच एजेंसी की टीमें उसे लेकर बिहार, मुंबई और मध्यप्रदेश में दबिश देने के लिए रवाना होने वाली हैं। मंजू के अनुसार, वह काफी सहमी आवाज में बोल रहा था। बता दें कि एनआईए ने शनिवार सुबह दबिश देकर विवेक को बंडा स्थित घर से गिरफ्तार किया था। एनआइए की कार्रवाई के बाद विवेक पर स्थानीय पुलिस भी शिकंजा कस सकती है। पुलिस ने उसके परिवार की गतिविधियों पर नजर रखना शुरू कर दिया है। जांच एजेंसी की कार्रवाई पूर्ण होने के बाद आदित्य पर गैंगस्टर व संपत्ति की कुर्की की कार्रवाई होने की संभावना है। स्थानीय पुलिस मामले में ज्यादा कुछ बताने की स्थिति में नहीं है। थाना प्रभारी राकेश कुमार मौर्या बताते हैं कि विवेक की मोबाइल के जरिये नकली नोटों का कारोबार करने वालों से बातचीत होती थी।

गाजियाबाद गैंगरेप में बड़ा खुलासा...

धर्म पूछकर की दरिंदगी की, हुडी की वजह से 5 बदमाश पकड़े गए; 2 के पैर में पुलिस ने दौड़ाकर गोली मारी

गाजियाबाद, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली की युवती से गाजियाबाद में गैंगरेप के मामले में पुलिस ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। इसमें दो आरोपियों के पैर में गोली लगी है। इन सभी की गिरफ्तारी शनिवार रात दो अलग-अलग मुठभेड़ के बाद हो सकी। पूछताछ में सनसनीखेज खुलासा हुआ। गैंगरेप से पहले आरोपियों ने युवती से धर्म पूछा और फिर इस वारदात को अंजाम दिया। पीड़िता हिन्दू है और गैंगरेप करने वाले तीन मुख्य आरोपी मुस्लिम हैं।

दिल्ली में सोनिया विहार में रहने वाले 23 वर्षीय युवती गाजियाबाद के ट्रोनिका सिटी इंडस्ट्रियल एरिया स्थित खिलौना फैक्ट्री में जॉब करती है। 30 नवंबर की शाम साढ़े 6 बजे युवती अपने सहेली के साथ पैदल ही घर जा रही थी। रास्ते में खानपुर मोड़ पर सहेली का बॉयफ्रेंड मिल गया। तीनों आपस में खड़े होकर बातचीत कर रहे थे। तभी तीन युवक आए और युवती को झाड़ियों में खींचकर ले गए और रेप किया। युवती ने पुलिस तक अपने साथ हुई ज्यादती पहुंचाई। केस दर्ज होने के बाद युवती से पुलिस ने आरोपियों के हुलिया समझा। पीड़िता ने बताया था कि एक आरोपी ने ब्लैक कलर की हुडी पहनी हुई थी। पुलिस ने घटनास्थल के एक किलोमीटर दायरे में लगे सीसीटीवी की जांच की। इसमें ब्लैक हुडी वाला लड़का दिख गया। इस फुटेज के सहारे पुलिस एक-एक करके सभी आरोपियों तक पहुंच गई।

जुनैद के दोनों पैर में गोली मारी, उसने 4 नाम और बताए

पुलिस ने शनिवार शाम ट्रोनिका सिटी इलाके में हुई मुठभेड़ में पहला आरोपी जुनैद गिरफ्तार किया। इसके दोनों पैर में गोली लगी। जुनैद ने पुलिस की पूछताछ में अपने चार और साथियों के नाम बताए, जो इस घटनाक्रम में शामिल थे। इस आधार पर पुलिस बाकी आरोपियों के ठिकाने पर पहुंची तो यहां भी मुठभेड़ हो गई। इस मुठभेड़ में इमरान नामक व्यक्ति को पैर में गोली लगी। यहां से तीन अन्य आरोपियों चांद, गोलू उर्फ हर्ष बंसल व सुल्तान उर्फ काले को भी पकड़ा गया है।

भीषण सड़क हादसे में तीन युवकों की मौत

कैमूर, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। कैमूर में भीषण सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई। घटना चैनपुर थाना क्षेत्र के कुरई गांव के पास की है। रविवार देर रात बाइक ने खड़े ट्रैक्टर में टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि दो की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं तीसरे ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। आसपास के लोगों की भीड़ लग गई।

रफ्तार के कारण बाइक अनियंत्रित हो गई

इधर, सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और छानबीन में जुट गई। पुलिस के अनुसार, सड़क हादसे में तीन युवकों के मौत की सूचना मिली है। तीनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया गया है। हादसे का कारण अत्यधिक रफ्तार बताया जा रहा है।

विपक्ष साथ लड़ता तो बीजेपी विधानसभा चुनावों में भी हारती

नीतीश के करीबी मंत्री विजय चौधरी ने कहा - कांग्रेस को सभी दलों को सम्मान देना होगा

पटना, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। चार राज्यों के विधानसभा चुनाव के परिणाम आने के बाद बिहार सरकार के मंत्री विजय चौधरी ने बड़ा बयान दिया है। 5 राज्य में से 4 राज्य से स्पष्ट संदेश दिख रहा है कि इंडिया गठबंधन को समझदारी से काम करना होगा। इन चुनाव मे भी इंडिया गठबंधन एकजुट होकर चुनाव नही लड़े थे, हमलोग शुरू से कहते हैं आपस की समझदारी बनानी चाहिए। अगर सभी विपक्षी दल एकजुट हो जाते तो भाजपा परास्त हो जाती।

6 दिसंबर को इंडिया गठबंधन की बैठक में खुले दिल से सबको आना चाहिए। नीतीश कुमार की पहल के आधार पर गठबंधन हुआ था। पटना से ही इसकी शुरुआत हुई थी। साझा उम्मीदवार हो, हमलोग उम्मीद करते हैं। कांग्रेस को आगे बढ़कर सभी क्षेत्रीय दलों को उच्चित समान देकर साथ लेकर चलना चाहिए। कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी है। इन चुनावों में कांग्रेस को ज्यादा घाटा हुआ है।

नीतीश की पहल से ही बना था गठबंधन

नीतीश कुमार के नाम पर चुनाव लड़ने पर उन्होंने कहा कि इसमें कोई शक नहीं है कि नीतीश कुमार के अथक प्रयास पर इंडिया गठबंधन बना था। सभी लोग जानते हैं और सभी पार्टी का एक स्पष्ट फैसला हुआ था कि भाजपा को सत्ता से बेदखल करे। इसके बाद फिर तय किया जाएगा। पहले बेदखल कर दे और फिर आगे बैठक हो। क्षेत्रीय दल को भी उचित स्पेस मिले, ताकि आगे चुनाव लड़े। अगर एक साथ नहीं लड़े तो रिजल्ट क्या होगा सबको पता है। नीतीश कुमार को लेकर अभी कोई जल्दबाजी नही है, हमारा एक ही लक्ष्य है मिलकर चुनाव लड़े, ताकि भाजपा को रोका जा सके। आगामी चुनाव को लेकर एक विश्वसनीय चेहरा पर चुनाव लड़ा जाए। अगर एक साथ चुनाव नहीं लड़े तो सबको पता है कि क्या रिजल्ट होगा। अभी देखे ही हैं कि किस तरह के चुनाव परिणाम आए हैं।

चुनाव नतीजों से इंडिया गठबंधन के अस्तित्व पर उठे सवाल

अपने ही कर रहे कांग्रेस की आलोचना

नई दिल्ली, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान विधानसभा चुनावों के नतीजों से विपक्षी दलों के इंडिया गठबंधन के अस्तित्व पर सवाल उठने लगा है। गठबंधन के कई घटक दलों ने अकेले चुनाव लड़ने को लेकर कांग्रेस की आलोचना की है। साथ ही यह जताने और बताने की भी कोशिश की है कि यह इंडिया गठबंधन नहीं, बल्कि कांग्रेस की हार है। तीन राज्यों में मिली हार से खुद कांग्रेस का कद भी घटेगा और गठबंधन में उसकी आधार दल की स्थिति को भी चुनौती मिलेगी।

गठबंधन के प्रबल समर्थक और महाराष्ट्र में कांग्रेस के साथ मिलकर सरकार चला चुकी शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत ने कहा कि अगर कांग्रेस ने 'इंडिया' गठबंधन के तहत चुनाव लड़ा होता तो मप्र का नतीजा अलग होता। कांग्रेस को सहयोगियों के प्रति अपने दृष्टिकोण पर फिर से विचार करना चाहिए और याद दिलाया कि कमलनाथ ने चुनाव के दौरान समाजवादी पार्टी के साथ सीटें साझा करने का विरोध किया था। शिवसेना-कांग्रेस के इस टकराव का हवाला देते हुए शिवसेना (यूबीटी) की ही नेता प्रियंका चतुर्वेदी ने भी कहा कि इससे बचाना जाना चाहिए था। उन्होंने कांग्रेस से घटक दलों के प्रति उदार नजरिया अपनाने को भी कहा। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस को इस पर मंथन करना चाहिए कि भाजपा से सीधे मुकाबले में उससे कमी कहां रह गई। भाजपा के खिलाफ विपक्ष के गठबंधन के सूत्रधारों में से एक और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी जदयू के नेता केसी त्यागी ने कहा कि यह इंडिया गठबंधन की नहीं, कांग्रेस की हार है। केरल के मुख्यमंत्री और माकपा नेता पी विजयन कांग्रेस के प्रति कुछ ज्यादा ही कठोर नजर आए। उन्होंने कहा, कांग्रेस ने पहले ही सोच लिया कि वह जीत चुकी है और उसे हराया नहीं जा सकता। यही सोच उसके पतन का कारण बना।

कांग्रेस सामूहिकता के महत्व को समझे

बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव की पार्टी राष्ट्रीय जनता दल के प्रवक्ता मनोज झा ने तो कांग्रेस को नसीहत ही दे डाली। झा ने कहा कि कांग्रेस को यह समझना चाहिए था कि भाजपा की आत्मकेंद्रित राजनीति का मुकाबला करने के लिए सामूहिकता जरूरी थी। उन्होंने कहा, हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जैसे नेताओं ने स्वीकार किया है कि इंडिया गठबंधन में कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी है।

लेकिन, अब, गेंद कांग्रेस के पाले में है। उसे यह महसूस करना चाहिए नरेंद्र मोदी के अहंकार का मुकाबला अहंकार से नहीं किया जा सकता। तृणमूल कांग्रेस के प्रवक्ता कुणाल घोष ने कहा कि तीन राज्यों के नतीजे भाजपा की जीत से ज्यादा कांग्रेस की विफलता को दर्शाते हैं। उन्होंने कहा कि पार्टी अध्यक्ष ममता बनर्जी को विपक्षी गठबंधन का चेहरा बनाया जाना चाहिए। सोशल मीडिया पोस्ट में घोष ने कहा कि टीएमसी ही ऐसी पार्टी है जो भाजपा को पराजित कर सकती है।

पंजाब के शराब कारोबारी के घर फायरिंग

पैदल आए शख्स ने दीप मल्होत्रा के घर पर चलाईं गोलियां, अकाली दल के पूर्व एमएलए हैं मल्होत्रा

फरीदकोट, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। पंजाब के बड़े शराब कारोबारी और शिरोमणि अकाली दल के पूर्व विधायक दीप मल्होत्रा के दिल्ली स्थित घर पर फायरिंग हुई है। दीप मल्होत्रा का यह घर दिल्ली के पंजाबी बाग इलाके में है। दिल्ली पुलिस के डीसीपी (पश्चिमी) विचित्र वीर ने बताया कि रविवार शाम करीब 6:45 बजे ये घटना हुई। पुलिस ने क्राइम सीन से गोलियों के खाली खोल बरामद कर लिए हैं। फिलहाल मामले में अज्ञात लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। पुलिस जांच कर रही है।

पुलिस जांच में यह बात भी सामने आई कि दीप मल्होत्रा के घर के बाहर एक शख्स पैदल आया था और उसने गोलियां चलाईं। वारदात को अंजाम देने के बाद वह वहां से भाग गया। गनीमत रही कि घटना में किसी को गोली नहीं लगी है। वहीं, पुलिस ने पहले ही ये क्लियर कर लिया है कि पीड़ित को पहले कभी भी कोई थ्रेट कॉल नहीं आया है। हालांकि, पुलिस पहल के आधार पर इस एंगल पर जांच कर रही है।

फरीदकोट से रह चुके विधायक

बता दें कि दीप मल्होत्रा दिल्ली और पंजाब के बड़े शराब कारोबारियों में शामिल हैं। दीप मल्होत्रा 2012 में फरीदकोट से अकाली दल के एमएलए रह चुके हैं। उनका पुश्तैनी घर भी फरीदकोट में ही है। हालांकि इसके बाद उन्हें टिकट नहीं मिली थी। सूत्रों के मुताबिक पंजाब में पूर्व सीएम कैप्टन अमरिंदर सिंह के वक्त पौंटी चड्ढा का शराब कारोबार पर कब्जा था। इसे तोड़ने के लिए सुखबीर बादल दीप मल्होत्रा को लेकर आए थे। जिसके बाद अकाली दल ने ही उन्हें टिकट भी दी।

ईडी ने गिरफ्तार किया था कारोबारी का बेटा

शराब कारोबारी दीप मल्होत्रा और उनके बेटे गौतम मल्होत्रा दिल्ली शराब घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी की रडार पर थे। वहीं, उनके बेटे गौतम की गिरफ्तारी भी हुई थी।

सड़क पर तैरती कारें, घूमते दिखे मगरमच्छ...

मिचौंग तूफान ने चेन्नई को किया पानी-पानी

चेन्नई, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। बंगाल की खाड़ी में उठे चक्रवाती तूफान 'मिचौंग' के कारण तमिलनाडु के कई हिस्सों में भारी बारिश हो रही है, जिससे सामान्य जनजीवन पूरी तरह से अस्त-व्यस्त हो गया. खासकर चेन्नई में इस मूसलाधार बारिश की वजह से कई जगह सड़कों पर पानी भर गया और घंटों से बिजली गुल है. मिचौंग चक्रवात इस समय बंगाल की खाड़ी के ऊपर रौद्र रूप लेता दिख रहा है और तेजी से आंध्र तट की ओर बढ़ रहा है. इस चक्रवाती तूफान के मंगलवार दोपहर नेल्लोर और मछलीपट्टनम के बीच टकराने की आशंका है.

इस चक्रवात के कारण हुई मूसलाधार बारिश ने तमिलनाडु में खूब कहर बरपाया है. यहां चेन्नई, चेंगलपट्टू, कांचीपुरम, नागपट्टिनम, कुड्डालोर और तिरुवल्लूर जिलों में भारी बारिश हुई है. चेन्नई के ज्यादातर हिस्से इस कारण पानी में डूबे हुए हैं, वहीं निचले इलाकों में भारी बाढ़ आ गई है. कुछ इलाकों में सड़कों पर ऐसा सैलाब दिखा, जिसमें कारें तक तैरती नजर आईं. शहर के कई इलाकों में भी बिजली कटौती और इंटरनेट व्यवधान का सामना करना पड़ा, जिससे लोगों को सुरक्षित रहने के तरीके तलाशने पर मजबूर होना पड़ा.

इस बीच सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा, जिससे लोगों के बीच खासी दहशत फैला दी है. इसमें रात के समय शहर की सड़क पर एक मगरमच्छ घूमता हुआ दिखाई दे रहा है.

यह सरीसृप कथित तौर पर चेन्नई के पेरुंगलथुर इलाके में पाया गया था. इस वीडियो में यह मगरमच्छ सड़क पर रेंगता हुआ दिख रहा है और फिर झाड़ियों में गायब हो जाता है.उधर इस मूसलाधार बारिश की वजह से रेल और हवाई सेवाओं पर भी खासा असर पड़ा है. यह कई फ्लाइट और ट्रेन को कैंसल या उनका रूट बदलना पड़ा. चेन्नई एयरपोर्ट का संचालन सुबह 9.40 बजे से 11.40 बजे तक निलंबित कर दिया गया.

उत्तराखंड टनल निर्माण में सर्वे रिपोर्ट की अनदेखी हुई

रिपोर्ट में चट्टान बताई, निकली मिट्टी; कंपनी का दावा- मई 2024 से पहले काम पूरा होगा

नई दिल्ली, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तराखंड में यमुनोत्री हाइवे पर चार धाम प्रोजेक्ट के तहत ऑल वेदर रोड पर निर्माणाधीन सिलक्यारा-डंडालगांव सुरंग के धंसने को लेकर चौंकाने वाले तथ्य सामने आ रहे हैं। डीपीआर (डिटेल प्रोजक्ट रिपोर्ट) में जियो टेक्निकल सर्वे की रिपोर्ट का ध्यान ही नहीं रखा गया। जिस पहाड़ में टनल बन रही है, रिपोर्ट में उसे ठोस चट्टान (हार्डरॉक) बताया गया और जब खुदाई शुरू हुई तो यह भुरभुरी मिट्टी का पहाड़ निकला।

पड़ताल में टनल प्रोजेक्ट की डीपीआर पर नेशनल हाईवे कॉरपोरेशन से लेकर सुरंग बनाने वाली कंपनी नवयुग तक कोई भी इस बारे में जवाब देने को तैयार नहीं है। जबकि नवयुग कंपनी ने ऑस्ट्रिया-जर्मनी के बरनार्ड कंपनी से यह डीपीआर बनवाई गई थी। बरनार्ड कंपनी के अनुसार, इस सुरंग के निर्माण की शुरुआत के बाद से ही यहां की भूवैज्ञानिक (जियोलॉजिकल) स्थितियां टेंडर में जताई आशंका से भी बेहद कठिन साबित हुई हैं। टनल से जुड़े दस्तावेज के अनुसार, केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्रालय को सिलक्यारा सुरंग साइट की जियोलॉजिकल रिपोर्ट टीएएसपीएल और जीईएस फर्म ने सौंपी थी। दोनों ही फर्मों का इससे पहले इस तरह की परियोजना में काम करने का कोई रिकॉर्ड नहीं मिलता है। वैसे सिलक्यारा-डंडालगांव सुरंग का काम साल 2018 में शुरू हुआ था। इसकी डेडलाइन जुलाई 2022 रखी गई थी। इसको भी 16 महीने गुजर गए।

चारधाम रोड प्रोजेक्ट का हिस्सा है यह टनल

- बह्माखाल-यमुनोत्री नेशनल हाईवे पर सिल्क्यारा-डंडलगांव के बीच
- लागत 853.79 करोड़ रु., बर्फबारी के दौरान भी खुली रहेगी
- कुल लंबाई - 4.5 किमी, 4 किमी का हिस्सा बनकर तैयार
- पूरा होने से यमुनोत्री जाने वालों को कनेक्टिविटी मिलेगी
- धरासू से यमुनोत्री की दूरी 26 किमी कम होगी, एक घंटा समय बचेगा
- प्रोजेक्ट 2018 में पास हुआ, 2022 तक पूरा करने की डेडलाइन थी

कंपनी का दावा-अगले साल मई से पहले काम पूरा होगा

सुरंग बनाने वाली नवयुग कंपनी के इंजीनियर प्रदीप नेगी और सेफ्टी मैनेजर राहुल तिवारी का दावा है कि अब मई 2024 से पहले इसे पूरा कर लिया जाएगा।

कंपनी का दावा है कि सुरंग में मलबा गिराने का कारण लोड फेलियर है। यहां पर भुरभुरी सतह होने के कारण ऐसा हुआ है। सुरंग में जिस जगह पर मलबा गिरा वहां पर आशंका नहीं थी। यहां पर सभी प्रकार के इंतजाम किए गए थे। नवयुग कंपनी को सिलक्यारा-डंडालगांव सुरंग बनाने का काम इंजीनियरिंग प्रक्योरमेंट एंड कंस्ट्रक्शन (ईपीसी) मोड में दिया था। टेंडर की शर्तों के मुताबिक किसी भी तरह की खामी के लिए निर्माण कंपनी सीधे तौर पर उत्तरदायी है।

'हर मुख्यमंत्री ऐसा करता है...' पीएम सेल्फी प्वाइंट को लेकर दाखिल याचिका पर दिल्ली एचसी ने ये क्यों कहा?

नई दिल्ली, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली हाईकोर्ट ने सोमवार को टिप्पणी करते हुए कहा कि प्रथम दृष्टया सरकार द्वारा सरकारी कर्मचारियों और रक्षा कर्मियों के जरिए अपनी योजनाओं को लोकप्रिय बनाने में कुछ भी गलत नहीं लगता है. कोर्ट ने रक्षा मंत्रालय की उपलब्धियों को प्रदर्शित करने के लिए विभिन्न रक्षा संस्थानों और सैनिक स्कूलों में सेल्फी प्वाइंट स्थापित करने के रक्षा मंत्रालय के निर्देश पर भी प्रथम दृष्टया अनुकूल रुख अपनाया.

हाईकोर्ट ने पूछा कि जब उत्तराखंड में मजदूर सुरंग में फंसे थे, तो भारतीय सेना और एनडीआरएफ ने अभूतपूर्व काम किया. अगर सेना इसे सेल्फी प्वाइंट के साथ लोकप्रिय बनाना चाहती है, तो मुझे नहीं लगता कि किसी को कोई शिकायत हो सकती है. मान लीजिए कि मैं पेंशन लाभ पर एक सेल्फी प्वाइंट देखता हूं, तो मेरी प्रतिक्रिया होगी लाभ क्या है? क्या इस पहलू पर 'बहस या पूछताछ' नहीं होगी? कोर्ट ने ऐसे सेल्फी प्वाइंटस पर प्रधानमंत्री की फोटो के इस्तेमाल के मुद्दे पर कोर्ट ने टिप्पणी कि क्या यह आदर्श नहीं है? प्रत्येक मुख्यमंत्री (विज्ञापनों में) तस्वीरें लगा रहा है? कोर्ट ने यह टिप्पणी सरकारी योजनाओं और नीतियों के प्रचार के लिए सरकारी कर्मचारियों और रक्षाकर्मियों के मदद लेने को चुनौती देने वाली एक जनहित याचिका (पीआईएल) पर सुनवाई कर रही थी.

याचिका में सरकार द्वारा जारी दो आदेशों को रद्द करने की मांग की गई. एक रक्षा मंत्रालय द्वारा, जिसमें सेना, नौसेना और वायु सेना को रक्षा मंत्रालय की उपलब्धियों को प्रदर्शित करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की फोटो के साथ सेल्फी प्वाइंट बनाने का निर्देश दिया गया था. दूसरा आदेश कार्मिक विभाग द्वारा जारी किया गया था. भारत सरकार के पिछले 9 वर्षों की उपलब्धियों को प्रदर्शित करने के लिए संयुक्त सचिवों/निदेशकों/उप सचिवों को जिला रथप्रभारी के रूप में तैनात करने के लिए प्रशिक्षण देने का आदेश दयिा गया था.

कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश (एसीजे) मनमोहन और न्यायमूर्ति मिनी पुष्करणा की पीठ ने अब 4 जनवरी 2024 को मामले की सुनवाई करेगा. कोर्ट ने सबसे पहले सवाल किया कि एक कल्याणकारी योजना को लोकप्रिय क्यों नहीं बनाया जाना चाहिए. कोर्ट ने कहा कि अगर कोई कल्याणकारी योजना है, तो क्या उस योजना को लोकप्रिय नहीं बनाया जाना चाहिए? विज्ञापनों में हमेशा मुख्यमंत्रियों या प्रधानमंत्री की तस्वीरें होती हैं.

गो मांस से भरा ट्रक पकड़ा हिंदू संगठन नेताओं ने दी सूचना, 3 गिरफ्तार

जालंधर, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। पंजाब के जालंधर में पठानकोट बाइपास हाईवे पर गो मांस से भरा ट्रक बजरंग दल और शिवा सेना नेताओं ने पकड़ लिया। रविवार देर रात जालंधर कमिश्नरेट के थाना डिवीजन नंबर-8 के बाहर जमकर हंगामा भी हुआ। इस मामले में सोमवार को थाना डिवीजन नंबर-8 की पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। केस में गो तस्करी सहित विभिन्न धाराएं जोड़ी गई हैं। वहीं, 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। गुस्साए हिंदू संगठनों ने गो मांस से भरे ट्रकों में जमकर तोड़फोड़ की। प्राथमिक जांच में पता चला है कि गो मांस से भरा हुआ ट्रक हरियाणा के पानीपत से लोड होकर जम्मू और फिर कश्मीर तक जाना था। मामले की जांच कर रहे एएसआई गुरविंदर सिंह ने बताया कि गो मांस के सैंपल भरवाए गए हैं।

पिछले सत्र में हुए अपमान को नहीं भूले बसपा सांसद

काले कपड़े पहनकर और बैनर लेकर संसद परिसर पहुंचे

नई दिल्ली, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। आज संसद का शीतकालीन सत्र शुरू हो गया है। इस बीच, बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) के सांसद दानिश अली ने भाजपा सांसद रमेश बिधूड़ी के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर संसद परिसर में प्रदर्शन किया।

यह है मामला

गौरतलब है, भाजपा सांसद ने पिछले संसद सत्र में चर्चा के दौरान अमरोहा से बसपा सांसद कुंवर दानिश अली पर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी, जिसका बाद में वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। इस मामले को लेकर दानिश अली ने लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को पत्र लिखकर बड़ा आरोप लगाया था। उन्होंने कहा था कि भाजपा सदस्य रमेश बिधूड़ी के खिलाफ उनकी शिकायत को लेकर उनके खिलाफ मनगढ़ंत आरोपों का इस्तेमाल किया जा रहा है और उन्हें पीड़ित से आरोपी बनाया जा रहा है।

पत्र में दानिश अली ने कहा था कि वह बिधूड़ी के खिलाफ उनकी शिकायत को भाजपा सांसद को कथित तौर पर उकसाने के लिए उनके खिलाफ लगाए गए आरोपों के साथ जोड़े जाने से हैरान हैं। उन्होंने यह भी कहा था कि वह बिधूड़ी के खिलाफ त्वरित, सख्त और अनुकरणीय कार्रवाई की उम्मीद कर रहे थे, लेकिन उन्हें दुख है कि पीड़ित को आरोपी बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

21 नवंबर को नोटिस जारी

अली ने पत्र की एक प्रति सोशल मीडिया पर साझा की थी। पैनल ने अली और बिधूड़ी को 21 नवंबर को नोटिस जारी किया था। एक दिसंबर को अली ने पत्र लिखा था। बाद में सात दिसंबर को लोकसभा की विशेषाधिकार समिति ने बिधूड़ी और अली को अलग-अलग समय पर तलब किया। इससे पहले बिधूड़ी समिति के समक्ष पेश नहीं हुए थे और उन्होंने ऐसा करने में असमर्थता जताई थी। बिधूड़ी ने सितंबर में संसद के विशेष सत्र के दौरान अली के खिलाफ टिप्पणी की थी जब सदन में चंद्रयान-3 मिशन की सफलता पर चर्चा चल रही थी। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने बिधूड़ी द्वारा दानिश अली के खिलाफ आपत्तिजनक शब्दों के इस्तेमाल से जुड़े मुद्दे पर सांसदों की शिकायतों को सितंबर में विशेषाधिकार समिति के पास भेज दिया था। दानिश अली और कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी और द्रमुक की कनिमोई सहित कई अन्य विपक्षी सांसदों ने बिधूड़ी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी।

फड़नवीस 2024 में वानखेड़े स्टेडियम में सीएम पद की शपथ लेंगे : बीजेपी अध्यक्ष

भंडारा, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। सत्तारूढ़ सहयोगी भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले ने भविष्यवाणी की है कि उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस 2024 में वानखेड़े स्टेडियम में अगले सीएम के रूप में शपथ लेंगे। लाखनी शहर में पार्टी कार्यकर्ताओं की एक बैठक को संबोधित करते हुए, उन्होंने पूछा कि विधानसभा चुनाव के बाद महाराष्ट्र का अगला मुख्यमंत्री कौन होगा, और भीड़ ने 'फडणवीस, फड़नवीस' चिल्लाया, खुशी मनाई और तालियां बजाईं। उत्साहित मूड को देखते हुए बावनकुले ने पार्टी कार्यकर्ताओं से अगले साल के लिए तीन प्रतिबद्धताएं बनाने को कहा।

पहला संकल्प प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मजबूत करने और उन्हें मई 2024 में लगातार तीसरी बार पीएम के रूप में कार्यभार संभालने में सक्षम बनाने के लिए महाराष्ट्र से 45 सांसदों का चुनाव करना होगा, इसके लिए कार्यकर्ताओं को यह सुनिश्चित करना होगा कि भंडारा से भाजपा उम्मीदवार सर्वोच्च बहुमत के साथ चुने जाएं। दूसरा यह सुनिश्चित करने के लिए समर्पित रूप से काम करना है कि मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में एक भव्य समारोह में फड़नवीस सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन के दूसरी बार (2014-2019 के बाद) सीएम के रूप में शपथ लें। तीसरा आगामी नगर निगम/परिषद और अन्य निकाय चुनावों में किसी भी आधिकारिक भाजपा उम्मीदवार के लिए समर्पित रूप से काम करना और भारी मतों से उनकी जीत सुनिश्चित करना होगा। उन्होंने सभी भाजपा कार्यकर्ताओं से तीन लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए अगले 13 महीनों तक प्रतिदिन तीन घंटे का समय निकालने को कहा। पूर्व सीएम और शिवसेना (यूबीटी) अध्यक्ष उद्धव ठाकरे पर तंज करते हुए बावनकुले ने कहा कि "महाराष्ट्र में केवल एक ही बाघ है, और वह फड़नवीस हैं।" सभा ने भाजपा प्रमुख के आह्वान का उत्साहपूर्वक जवाब दिया और 2024 के लिए निर्धारित तीन राजनीतिक लक्ष्यों के लिए काम करने का संकल्प लिया।

राजोआना से नहीं मिल पाए एसजीपीसी नेता

बिक्रम मजीठिया बोले- मान सरकार के आदेशों पर मुलाकात से रोका; भूख हड़ताल रुकवाने का था प्रयास

पटियाला, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री बेअंत सिंह की हत्या के दोषी बलवंत सिंह राजोआना से पटियाला जेल में मिलने पहुंचे शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी नेताओं को पंजाब पुलिस ने रोक दिया। एसजीपीसी पदाधिकारी राजोआना की जेल में 5 दिसंबर से शुरू होने वाली भूख हड़ताल रुकवाने के लिए उससे मिलने पहुंचे थे।

एसजीपीसी शिष्टमंडल को पंजाब पुलिस के अधिकारियों ने पटियाला जेल के बाहर ही रोक लिया। शिरोमणि अकाली दल के नेता बिक्रमजीत सिंह मजीठिया भी राजोआना से मिलने के लिए पटियाला पहुंचे मगर पुलिस ने उन्हें भी मुलाकात की परमिशन नहीं दी।

मजीठिया ने कहा कि एसजीपीसी की ओर से दिए गए आदेशानुसार वह सभी प्रोटोकॉल के साथ राजोआना को मिलने के लिए आए थे मगर, उन्हें पहले ही रोक दिया गया। पंजाब की भगवंत मान सरकार के आदेश पर उन्हें मुलाकात से रोका गया। उनके पहुंचने से पहले ही पटियाला सेंट्रल जेल के बाहर पुलिस ने बैरिकेडिंग कर दी जबकि वह पंजाब पुलिस के एडीजीपी जेल से अनुमति लेकर यहां आए थे।

बेअंत सिंह की हत्या मामले में राजोआना को सुनाई थी मौत की सजा

एसजीपीसी और अकाली दल से खफा राजोआना

एसजीपीसी का कहना है कि राजोआना कौमी शहीद हैं और कौम नहीं चाहती कि वे भूख हड़ताल पर जाएं। जबकि, राजोआना एसजीपीसी व अकाली दल के ठोस कदम न उठाए जाने से खफा हैं। राजोआना चाहते हैं कि एसजीपीसी की तरफ से 2011 में राष्ट्रपति को दी गई मरसी पिटीशन वापस ली जाए। वहीं, केंद्र सरकार भी उनकी मौत की सजा पर कोई एक तरफा फैसला ले। वे अकाली दल से भी खफा हैं कि 10 साल राज्य व केंद्र में एक साथ रहने पर भी उनकी तरफ से कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया और उनकी सजा पर कोई फैसला नहीं लिया गया।

आगे की रणनीति बताने से पहले एसजीपीसी को रोका

पहले 30 नवंबर, फिर 2 दिसंबर और 3 दिसंबर की सुबह हुई बैठकों में एसजीपीसी आज बलवंत सिंह राजोआना से मुलाकात कर उन्हें 5 दिसंबर की हड़ताल पर न जाने की मांग रखने वाली थी। वहीं, एसजीपीसी बलवंत सिंह राजोआना को मिलकर आगे की रणनीति के बारे में बताती, ताकि राजोआना को एसजीपीसी के प्रयासों के बारे में जानकारी मिल सके और वे अपने हड़ताल पर जाने के फैसले को बदल सकें।

स्वतंत्र वार्ता

मंगलवार, 5 दिसंबर - 2023

चुनावी नतीजों का संदेश

रविवार को चार राज्यों के चुनाव परिणाम आ गए। हिंदी बेल्ट के तीन राज्यों राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में कांग्रेस शांतिपूर्ण ढंग से निपट गई। देखा जाए तो भाजपा की जीत अनायास नहीं है। लोकसभा चुनाव से ठीक पहले पांच राज्यों के चुनाव में भाजपा का मजबूत संगठन और बेहतर चुनावी प्रबंधन तो दिखाई ही दिया, सबसे बढ़कर पीएम नरेंद्र मोदी का करिश्मा लोगों के सिर चढ़ कर बोला। भाजपा ने मध्य प्रदेश में सत्ताविरोधी लहर को मात देते हुए प्रचंड जीत हासिल की। वहीं प्रमुख राज्य राजस्थान के साथ ही छत्तीसगढ़ को भी कांग्रेस के पंजे से छीन लिया। इसके बाद भी कांग्रेस को इस बात का संतोष है कि उसने भाजपा के दक्षिण में प्रवेश का दरवाजा तेलंगाना में उसकी दाल नहीं गलने दी। फिर भी यह कहने में कोई गुरेज नहीं कि राजस्थान व छत्तीसगढ़ गंवाने का सौदा फायदे का तो नहीं कहा जा सकता है। इन नतीजों से कांग्रेस का 2024 के आम चुनाव को लेकर चिंतित होना स्वाभाविक ही है। तेलंगाना में दस सालों से जमी मजबूत क्षेत्रीय पार्टी, भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) को हराने में तो सफल रही, लेकिन भाजपा की मजबूत होती स्थिति से वह विचलित जरूर है। मध्य प्रदेश में कांग्रेस सत्ता विरोधी नाराजगी का लाभ उठाना तो दूर, उल्टे भाजपा की झोली में तूफानी जीत डाल गई। दिग्गज नेताओं की गुटबाजी ने भाजपा को सुनहरा मौका थमा दिया। राजस्थान में कांग्रेस ने जमकर विज्ञापनबाजी, योजनाओं और तोहफों की झड़ी लगाया। इसके बावजूद मतदाताओं ने अशोक गहलोत की बातों पर भरोसा नहीं किया। अब तो कांग्रेस को समझ में आ गया है कि महज विज्ञापनबाजी से चुनाव नहीं जीते जा सकते। नेतृत्व की उच्च कोटि की विश्वसनीयता भी होनी चाहिए। गहलोत और सचिन पायलट सीएम के खेल खेलते रहे और उनकी खींचतान की खाई गहरी होती चली गई। चुनावी मैदान में डटे कार्यकर्ताओं के साथ ही मतदाताओं में इसका जो भी संदेश गया, वह नतीजों में साफ हो गया है। राजस्थान के विपरीत मध्य प्रदेश में शिवराज सिंह चौहान लाड़ली बहना जैसी योजनाओं को लेकर मतदाताओं में विश्वास पैदा कर गए। पार्टी नेतृत्व ने उन्हें अपना चेहरा नहीं बनाया, लेकिन वे जीत के शिल्पकार बनते चले गए। इस प्रचंड जीत का श्रेय चौहान ने सीधे प्रधानमंत्री मोदी को दिया। देखा जाए तो मत फीसद के लिहाज से कांग्रेस को खास नुकसान नहीं हुआ है, लेकिन ओबीसी, आदिवासी व कुछ अन्य मत आखिरी दौर में भाजपा की ओर मुड़ गए और सीटों के स्तर पर गणित बदल गया। रही-सही कसर पूरी कर दी पार्टी के बागियों ने। बता दें कि मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान- उत्तर भारत के इन तीनों अहम राज्यों में कांग्रेस के नेता अपनी खुमारी में डूबे रहे कि उनकी जीत पक्की है और भाजपा उनकी नाक के नीचे से जीत छीन ले गई। कांग्रेस को मिली हार से अब सबक लेने की जरूरत है। कांग्रेस ने चुनावों से पहले जाति जनगणना का झुनझुना जोर-शोर से बजाया। मध्य प्रदेश, राजस्थान और यहां तक कि ओबीसी मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के राज्य छत्तीसगढ़ तक में यह दांव उल्टा पड गया। राहुल गांधी ने 'जितनी आबादी, उतना हक' का नारा दिया और कांग्रेस पार्टी ने जाति सर्वेक्षण करवाने की गारंटी दी। उत्तर भारत में जाति कड़वी सच्चाई है। राजनीति में जाति की जकड़ तो बहुत मजबूत है। लेकिन चुनाव नतीजों ने बता दिया कि जनता जाति नहीं देखती है जब मोदी का चेहरा नजरों के सामने हो तो जाति की पहवाह कौन करता है? इन चुनावों के दम पर कांग्रेस विपक्षी गठबंधन में भी अपना सिक्का जमाना चाहती थी। वह साबित करना चाहती थी कि अगर भाजपा का मुकाबला करना है तो वह कांग्रेस ही कर सकती है और कांग्रेस की मदद से ही भाजपा को 2024 में हराया जा सकता है। लेकिन अब कांग्रेस का हैंगओवर उतर चुका है। अब वह विपक्षी इंडिया गठबंधन में उन दलों को सहेजने के प्रयास में जुट गई है जिसे चुनाव के दौरान नाराज कर दिया था। मध्य प्रदेश में कमलनाथ, छत्तीसगढ़ में भूपेश बघेल और राजस्थान में अशोक गहलोत ही एक तरह से कांग्रेस नेतृत्व बनकर सामने थे। ऐसा कहीं नहीं लगा कि राष्ट्रीय स्तर की एक पार्टी चुनाव में उतरी है। इसके उलट भाजपा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चेहरा बनाकर तीनों राज्यों में पेश किया। जो जनता के मन को भा भी गया।

कोप भवन' से बाहर आकर तेलंगाना के लिए तालियाँ बजाए कांग्रेस !

श्रवण गर्ग

मतपत्रों की गिनती से मिले नतीजों पर मत जाइए कि भाजपा ने मध्यप्रदेश और राजस्थान के साथ-साथ अविश्वसनीय तरीक़े से छत्तीसगढ़ में भी कांग्रेस का सफ़ाया कर दिया है। ये नतीजे 'असली' नहीं हैं। 'असली' नतीजे यही हैं कि भाजपा पराजित हुई है।। प्राप्त परिणाम बराबरी के मैदान पर 'ईमानदारी' से लड़े गए चुनावों के नहीं हैं जैसा कि 2018 में देखा गया था। इन चुनावों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रतिष्ठा का मुद्दा बना लिया था और प्राणों की बाज़ी लगा दी थी। ख़ासकर मध्यप्रदेश और राजस्थान में। तेलंगाना के परिणाम भाजपा पहले से जानती थी। भाजपा की कोशिश तो बस केसीआर की प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष मदद करके वहाँ किसी भी तरह कांग्रेस को सत्ता में आने से रोकने की थी। उसमें न तो उसे और न ही ओवैसी को सफलता मिली। मतदाताओं के बीच सांप्रदायिक ध्रूवीकरण कर देने की सारी कोशिशें विफल हो गईं। विश्वप्रसिद्ध मंदिरों के राज्य तेलंगाना में हिंदू आबादी 85 प्रतिशत है। तीन राज्यों में हुई हार के बाद से कांग्रेस में इतना ज़्यादा मातम छाया हुआ है कि वह 'कोप भवन' से बाहर निकलकर तेलंगाना की ऐतिहासिक जीत पर तालियाँ ही नहीं बजाना चाहती। कल्पना कीजिये कि अगर तेलंगाना में भी भाजपा की योजना सफल हो जाती तो क्या होता ? पूछा जा सकता है कि चुनाव-परिणामों के निष्कर्ष क्या हैं ? निष्कर्ष केवल दो हैं : पहला तो यह कि सिर्फ़ चार राज्यों के चुनाव प्रचार में ही पीएम को अगर अपना सारा कामकाज छोड़कर इतनी ताक़त झोंकना पड़ी तो केंद्र की सत्ता में वापसी के लिए चार महीने बाद ही होने वाले लोकसभा चुनावों में मोदी क्या करने वाले हैं ? मिज़ोरम में तो पीएम ने पैर भी नहीं रखा ? कारण भाजपा ही बता सकती है ! दूसरा निष्कर्ष यह कि अगर विधानसभा चुनाव नरेंद्र मोदी और राहुल गांधी के बीच बना दिए गए थे तो 'फ़ीनिक्स' की तरह राहुल ने देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस को तेलंगाना में राख से पुनर्जीवित करके दिखा दिया। सत्ता द्वारा जेल की देहरी तक धकेल दिए जाने के बावजूद राहुल लौटकर लड़ाई के मैदान में पहुँच गए। हिमाचल विजय के बाद पहले कर्नाटक में भाजपा को सत्ता से बाहर किया और फिर उससे लगे तेलंगाना में भी कांग्रेस को शीर्ष पर लाकर दक्षिण भारत के प्रवेश के द्वार को ही भाजपा के लिए बंद कर दिया।तीन राज्यों में विजय के बाद पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधन में दक्षिण भारत पर ज़्यादा ध्यान केंद्रित करने के आह्वान में पीएम की चिंता को टटोला जा सकता है। (स्मरण किया जा सकता है कि पीएम और अमित शाह ने कर्नाटक में किस तरह की मेहनत और रोड-शो किए थे।) केरल से लगाकर उड़ीसा तक छह राज्यों में लोकसभा की डेढ़ सौ सीटें हैं और भाजपा कहीं भी सत्ता में नहीं है। ममता के पश्चिम बंगाल (42 सीटें) ,नीतीश-तेजस्वी के बिहार (40 सीटें) और सोरेन के झारखंड (14 सीटें)को भी जोड़ लिया जाए तो भाजपा के लिए चुनौती लगभग 250 सीटों की हो जाती है। लोकसभा की कुल 543 सीटों में भाजपा ने पिछली बार 303 जीतीं थीं। मध्यप्रदेश के सिलसिले में तर्क दिया गया था कि अठारह सालों से लगातार सत्ता में बने रहे के कारण शिवराज सिंह के ख़िलाफ़ क़ायम हुई ज़बर्दस्त एंटी-इंकम्बेंसी (सत्ता-विरोधी लहर) से जनता का ध्यान हटाने के लिए ही तीन केंद्रीय मंत्रियों सहित छह सांसदों और एक महासचिव को चुनाव में उतारा गया। यह तर्क इसलिए गले नहीं उतरता कि राजस्थान, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना में तो भाजपा सत्ता में नहीं थीं। जब एमपी की तरह इन राज्यों में पार्टी के ख़िलाफ़ एंटी-इंकम्बेंसी का कोई कारण नहीं था तो वहाँ भी इतने भाजपा सांसदों को विधानसभा चुनाव क्यों लड़वाया गया ?ज़ाहिर है पीएम विधानसभा चुनावों के नतीजों को लोकसभा मुक़ाबलों की रिहर्सल के तौर पर परखना चाह रहे होंगे। लोकसभा चुनाव पीएम को अपना ही चेहरा और तिलिस्म सामने रखकर लड़ना है। इसीलिए हिमाचल और कर्नाटक की तरह इन चारों राज्यों में भी उन्होंने 'कमल' के साथ अपने ही चेहरे को दाव पर लगाया। सांसदों को विधानसभा लड़वाकर नब्ज टटोलना चाह थे कि संघ और भाजपा के लिए रीढ़ की हड्डी माने जाने वाले हिन्दी भाषी राज्यों में उनकी 2014 और 2019 वाली चमक कितनी क़ायम है। (एमपी में सात में से दो सांसद विधानसभा चुनाव हार गए)।गुजरात को भी जोड़ लें तो चारों राज्यों में लोकसभा की 91 सीटें हैं। इनमें भाजपा के पास अभी 87 हैं। तेलंगाना में भाजपा के पास राज्य की 17 में से चार सीटें हैं। मध्यप्रदेश में भाजपा को फिर से सत्ता में लाने के लिए क्या-क्या किया गया बताना हो तो : पीएम ने कोई सवा दर्जन से अधिक यात्राएँ कीं। अमित शाह प्रदेश में ही लगभग बने रहे। करोड़ों लोगों को मुफ़्त के अनाज के साथ-साथ 'लाड़ली बहना' जैसी बीसियों योजनाओं के लिए ख़ज़ाने को ख़ाली कर दिया गया। 'ज़रूरतमंद' मतदाताओं के 'अभावों' को हर संभव योजना के बल पर वोटों के रूप में प्राप्त करने (ख़रीद लेने?) के टोटके आज़माए गए। संघ की पूरी ताक़त के साथ-साथ पड़ौसी प्रदेशों से बुलाकर तैनात की गई कार्यकर्ताओं की फ़ौज चुनाव में झोंक दी गई। नौकरशाही को पार्टी के साथ 'सहयोग' नहीं करने के परिणाम के बारे में खुले तौर पर चेतावनी दे दी गई। कांग्रेस को हराने के प्रयासों में यह भी शामिल किया जा सकता है कि बसपा और गोंडवाना गणतंत्र पार्टी द्वारा खड़े किए गये 229 उम्मीदवारों के अतिरिक्त सपा ने भी अपने 69 प्रत्याशी मैदान में उतार दिए। इनके अलावा 'वोट काटने के लिए' आदिवासी संगठन 'जयस' और भीम सेना या आज़ाद समाज पार्टी के सैंकड़ों उम्मीदवार और बीसियों निर्दलीय प्रत्याशी मैदान में थे। कमलनाथ को सबक़ सिखाने के लिए अखिलेश यादवने बीस सीटों पर दो दर्जन रैलियाँ कीं। पिछले चुनाव में 37 सीटें ऐसी थीं जहां बसपा/सपा/गोंडवाना पार्टी ने हार-जीत के समीकरण बिगाड़े थे। कई स्थानों पर इन दलों के उम्मीदवार भाजपा के बाद दूसरे नंबर पर रहे थे। अमित शाह ने पार्टी कार्यकर्ताओं को कथित तौर पर कह दिया था कि वे सपा और बसपा उम्मीदवारों की हर संभव मदद करें क्योंकि वे कांग्रेस के ही वोट काटेंगे। तीन दिसंबर के परिणामों के सूक्ष्म विश्लेषण के बाद पता चल पाएगा कि सपा/बसपा,आदि दलों और बाग़ियों ने सम्मिलित रूप से कांग्रेस का कितना खेल बिगाड़ा और उससे कितने भाजपा उम्मीदवारों को जीतने में मदद मिली। मध्यप्रदेश में भाजपा के मुक़ाबले कांग्रेस की उपलब्धि उसे प्राप्त कुल सीटों (66) और वोट शेयर (40.4%) से अधिक इस बात से आंकना चाहिए कि उसका मुक़ाबला कितनी बड़ी ताक़त और उसे प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष मदद करने वाली निहित स्वार्थों की जमात से था। प्रधानमंत्री अगर चुनाव को 2018 की तरह ही लड़ते तो उसके परिणाम क्या तीन दिसंबर जैसे ही निकलते ?

क्या तब उनके और भाजपा के ख़िलाफ़ व्याप्त जनता की नाराज़गी की असली लहर का लोकसभा के पहले ही पता नहीं चल जाता ? ऐसा नहीं किया गया। जो एंटी-इंकम्बेंसी केंद्र के ख़िलाफ़ थी उसे राज्य सरकार के खाते में डालने के प्रयास किए गए पर चतुर शिवराज सिंह की 'लाड़ली बहनों' ने सबको बचा लिया। (पिछले साल नवंबर में हिमाचल में पराजय के बाद तत्कालीन मुख्यमंत्री ने भाजपा की हार के कारणों के लिए कथित रूप से केंद्र सरकार की नीतियों को ज़िम्मेदार ठहराया था।) विधानसभा चुनावों के 'अघोषित' नतीजे यह हैं कि राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस की जीत केवल तेलंगाना में ही नहीं बल्कि 'सभी राज्यों' में हुई है। प्रधानमंत्री को लोकसभा के लिए तैयारी नए सिरे से करना पड़ेगी। कारण यह कि विधानसभा चुनावों पर ही भाजपा इतना सब लुटा चुकी है कि मतदाताओं को देने के लिए उसके पास मंदिर, राष्ट्रवाद और 'कन्हैयालालकी कहानी' के अलावा कुछ नहीं बचा है ! भाजपा क्या केवल इनके दम ही दिल्ली की सत्ता में वापस आ जाएगी ?

http://shravangarg1717.blogspot.com

नतीजों से कांग्रेस की इंडिया गठबंधन में स्थिति कमजोर ?

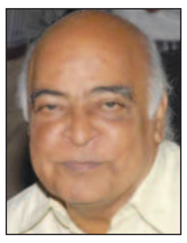

अशोक भाटिया

लोकसभा चुनाव से कुछ महीने पहले हिंदी पट्टी के तीन राज्यों मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में कांग्रेस को मिली करारी शिकस्त न सिर्फ उसके लिए बड़ा झटका है बल्कि यह हार विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) में नेतृत्व एवं सीट बंटवारे पर मोलभाव करने की उसकी स्थिति को संभवतः कमजोर कर सकती है। इसकी बानगी भी चुनावी रुझानों में तीन राज्यों में कांग्रेस की हार नजर आने के साथ मिल गई जब गठबंधन के एक प्रमुख घटक जनता दल (यूनाइटेड) ने कहा कि देश का मुख्य विपक्षी दल अपने दम पर जीतने में सक्षम नहीं है। जद (यू) के मुख्य प्रवक्ता केसी त्यागी की माने तो मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान के विधानसभा चुनाव के परिणाम कांग्रेस की पराजय और भाजपा की विजय का संकेत देते हैं। उन्होंने कहा कि चुनावों में विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन गायब था। मध्य प्रदेश में कांग्रेस की हार के बाद समाजवादी पार्टी ने यह दावा तक कर दिया कि इस पराजय के लिए अखिलेश यादव के बारे में कमलनाथ की टिप्पणी जिम्मेदार है। कमलनाथ ने सीट बंटवारे के विवाद के संदर्भ में अखिलेश यादव को लेकर 'अखिलेश वखिलेश' वाली टिप्पणी की थी। सपा प्रवक्ता अनुराग भदौरिया ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, "अब शायद कमलनाथ जी के समझ में बात आ गई होगी अखिलेश यादव का मतलब क्या है।"सनद रहे कि अगले लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन का मुकाबला करने के लिए 26 विपक्षी दलों ने 'इंडिया' गठबंधन गठित किया है। इस पराजय के बीच कांग्रेस के लिए उम्मीद की एक किरण दक्षिण भारत से आई है जहां कर्नाटक के बाद अब तेलंगाना में उसे जीत मिली है। कांग्रेस को उम्मीद थी कि पांच राज्यों के चुनाव में अच्छा प्रदर्शन कर वह 2024 के लिए अपनी राह तैयार करेगी। उसे उम्मीद थी कि इन चुनावों में जीत के बाद वह विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' में नेतृत्व को लेकर अपना दावा मजबूत करेगी। उसकी इन उम्मीदों को बड़ा झटका लगा है। स्थिति को भांपते हुए कांग्रेस ने कहा कि वह 'इंडिया' गठबंधन के घटक दलों के साथ मिलकर अगले लोकसभा चुनाव के लिए खुद को तैयार करेगी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि उनका दल इन राज्यों में खुद को मजबूत करेगा तथा विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के घटक दलों के साथ मिलकर अगले लोकसभा चुनाव के लिए अपने आपको तैयार करेगा। खड़गे ने कहा, "हमें इस हार से हताश हुए बग़ैर 'इंडिया' के घटक दलों के साथ दोगुने जोश से लोकसभा चुनाव की तैयारी में लग जाना है।" इन नतीजों से यह भी स्पष्ट है कि कांग्रेस के लिए हिंदीभाषी राज्यों में जाति जनगणना और 'गारंटी' के मुद्दे भी काफी हद तक बेअसर साबित हुए हैं। राहुल गांधी ने इन चुनावों में जाति जनगणना के मुद्दे का बार-बार जिक्र किया था। कांग्रेस ने राजस्थान और छत्तीसगढ़ में अपनी सत्ता गंवा दी तो मध्य प्रदेश में करीब दो दशक का उसका वनवास (बीच में 15 महीने छोड़कर) खत्म नहीं हुआ। तेलंगाना के 2014 में नए राज्य के रूप में गठन के बाद कांग्रेस वहां पहली बार सत्ता में आई है। इस साल मई में हुए कर्नाटक विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की जीत के बाद ये चुनावी नतीजे उसके लिए बड़े निराशाजनक कहे जाएंगे जबकि कर्नाटक के नतीजों के बाद पार्टी ने कहा था कि यह विजय उसके लिए 'बूस्टर डोज' है एक तो हिंदी पट्टी के इलाकों में भाजपा से आमने-सामने के चुनावी मुकाबले में कांग्रेस के कमजोर पड़ने से सियासी गणित गड़बड़ाने की चुनौती है मगर दूसरी मुसीबत यह है कि भाजपा से मुकाबला करना है तो फिर इन क्षेत्रीय दलों के सामने कांग्रेस के साथ चलने की मजबूरी भी है। क्षेत्रीय दलों की इन सियासी सीमाओं को कांग्रेस बखूबी समझती है और इसीलिए तीन बड़े राज्य गंवाने के बाद भी पार्टी ने आईएनडीआईए की बैठक बुलाने की घोषणा कर अपनी सियासत को संभालने की कोशिशें शुरू कर दी है। तेलंगाना की जीत की सियासी सांत्वना के सहारे कांग्रेस अब 2024 के लिए गठबंधन के ढांचे को ज्यादा सुदृढ़ और स्पष्ट स्वरूप देने का प्रयास करेगी मगर इसमें संदेह नहीं कि पार्टी एक सीमा से ज्यादा क्षेत्रीय दलों पर दबाव डालने की स्थिति में नहीं होगी। विशेषकर उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी से तो बिहार में राजद-जदयू के आगे कांग्रेस को अब सम्मानजनक समझौते के लिए भारी संघर्ष करना होगा। मध्य प्रदेश में कांग्रेस ने अखिलेश यादव की जो अनदेखी की है उसके बाद सपा उत्तर प्रदेश में उसे सूबे की 80 लोकसभा सीटों में एक सीमा से अधिक सीटें देने का जोखिम उठाएगी, इसमें संदेह है। राजद-जदयू तो पहले से ही गठबंधन में सूबे की 40 में से कांग्रेस को केवल चार-पांच सीटों तक ही सीमित रखने का इरादा रखते हैं। कांग्रेस को सियासी हैसियत दिखाने के लिए इन राज्यों के चुनाव नतीजों के अलावा सपा के पास 2017 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के साथ हुए गठबंधन का उदाहरण भी है जब सपा ने 105 सीटें उसके लिए छोड़ीं मगर कांग्रेस केवल सात में ही जीत दर्ज कर पायी। इसी तरह बिहार के पिछले विधानसभा चुनाव में भी 70 सीटों पर चुनाव लड़ी कांग्रेस केवल 19 सीटें जीत पायी और राजद का महागठबंधन सत्ता की दहलीज से चंद कदम दूर रह गया था। सीटों के बंटवारे में कांग्रेस को अब आम आदमी पार्टी के साथ भी दोहरी मशक्कत करनी पड़ेगी क्योंकि एक ओर उसके दिल्ली और पंजाब के नेता आप से गठबंधन के खिलाफ हैं, वहीं दूसरी ओर लोकसभा में पार्टी की सीटों का आंकड़ा एक-एक सीटें जोड़कर बढ़ाने के लिए कांग्रेस को दिल्ली में आप से गठबंधन की दरकार है। इन नतीजों ने दिल्ली में गठबंधन और पंजाब में अकेले लड़ने की कांग्रेस की संभावनाओं को झटका दिया है और आम आदमी पार्टी ने खुद को उत्तर भारत की सबसे बड़ी पार्टी बताकर व तीन राज्यों में 200 उम्मीदवार खड़े करके कांग्रेस पर दबाव बनाने का संकेत दिया था (हालाँकि इन तीन राज्यों में उसे एक भी सीट नहीं मिली)।

विजय जवाबदेही तो पराजय परीक्षण का अवसर

न्यूज करंट नरेंद्र

चुनावी रण में विगत एक दो माह से अधिक समय से जुटे नेता, कार्यकर्ता एवम राजनीति में भावनात्मक रुचि लेने वाले साथियों लोकतंत्र का यह पवित्र पर्व हर पांच वर्ष में एकबार आता है। हर उम्मीदवार, उनके समर्थक चुनावों में जी–जान से जुटकर विजय का पूरा प्रयास करते है। राजनीति के इस खेल में जय–एक हिस्सा है। इस रण में दो में से एक को ही विजय होना है। दूसरे को पराजित जो विजयी हुए उनका दायित्व है। वे समानरूप से बिना भेदभाव किए जनता जनार्दन की सेवा करे। उनका व्यवहार अधिक विनम्र होना चाहिए। जवाबदेही पूर्ण होना चाहिए। विजयी के अहंकार को अपने से दूर रखे। अंहकार नाश की जड़ है। जिसने भी किया उसे मिटना पड़ा है। आपको मिला दायित्व स्थाई नहीं है। यह चलायमान है। आपसे पहले भी अनेकों इस पद के लिए विजय हुए। एक अच्छे विजेता जनप्रतिनिधि का दायित्व है, वह शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क और नागरिक सुविधाओं की बेहतरी के लिए कार्य करें। ग्रामों की समस्याओं और शहर की औद्योगिक प्रगति पर ध्यान दे। जो पराजित हुए है उनका दायित्व है, वह जीते हुए जनप्रतिनिधि को चैन से नहीं बैठने दे, प्रजात्रांतिक रूप से विपक्ष की तरह जनता की सेवा में लगे रहे जो जनता के लिए लड़ेगा जनता उनको चाहेगी। लोकतंत्र में जनता निर्माता की भूमिका में होती है। जनता ने इससे पहले भी अच्छे–अच्छे कलंदरो को धूल चटाई है, साधारण से दिखने वाले सड़क के आदमी को विधायक, सांसद तक बना दिया। चुनाव कार्य में जनप्रतिनिधियों की तरह ही कार्यकर्ता भी तन–मन और धन से जुटता है, वह अपने प्रिय उम्मीदवार को विजयी होता हुआ देखना चाहता है, उसकी मेहनत का विपरित परिणाम उसे भावुक कर सकता है। अनेकों कार्यकर्ता जीत की खुशी में मर्यादाएं भूल जाते है। हार के गम में हिंसक तक हो जाते है। इन भावों पर नियंत्रण की कोशिश करना चाहिए। लोकतंत्र में अनेकों प्रलोभन है, जो उम्मीदवारों और उनके कार्यकर्ताओं द्वारा जनता को दिए जाते है, किंतु आपका व्यवहार सबसे बड़ा धन है, आकर्षण है, श्रृंगार है, प्रलोभन है, इस व्यवहार रूपी आकर्षण का दुरुपयोग आपको लंबे समय तक जनता के बीच खलनायक बना सकता है। इसके विपरित आपका उदार और अंहकार रहित व्यवहार आपको जनता के मध्य नायक बना सकता है। जनता आपके व्यवहार को याद रखती है, समय आने पर हिसाब चुकता करती है। हार–जीत ,जय–पराजय सिक्के के दो पहलू है। जीत विनम्रता सिखाती है, पराजय परीक्षण का अवसर है, हार के कारणों की पड़ताल का, कमियों पर को सुधारने का अवसर है। इस अवसर पर कवि शिवमंगल सिंह सुमन की कविता की उक्त पंक्तियां जिसे देश के पूर्व प्रधानमंत्री अटलबिहारी वाजपेई अक्सर सुनाया करते थै। सुनाने के साथ वे इन पंक्तियों पर अमल भी करते थै। उनका सम्पूर्ण जीवन भारतीय राजनीति में महान किरदार की तरह देखा और समझा जाता है। कवि शिवमंगल सुमन की कविता जैसे अटल जी के किरदार के लिए ही लिखी गई हो ऐसा प्रतीत होता है, वह पंक्तियां कुछ इस प्रकार है– 'क्या हार में क्या जीत में किंचित नहीं भयभीत मैं संघर्ष पथ पर जो मिले यह भी सही वह भी सही।, राजनीति का उद्देश्य जनता की सेवा करना होता है। इस हेतु सत्ता से अधिक विपक्ष की जवाबदेही होती है। विपक्ष केवल संसद और विधानसभा में ही नहीं होता विपक्ष सड़क पर जनता के लिए ईमानदार संघर्ष का नाम है। ऐसे अनेकों उदाहरण राजनीति में मौजूद है जब पराजय को परीक्षण का अवसर बनाया गया। अपनी कमियों को परखा गया, अपने व्यवहार को उदार, मानवीय और संवेदनशील बनाकर जनता की लड़ाई उड़ते रहने वाले नेताओं को जनता ने सिर आंखों पर बैठाया है।

इस चुनाव में जनता ने अनेकों बडबोले नेताओं, मंत्री, विधायकों को सबक भी सिखाया है। जिनको लगता था, विधायकी, सत्ता तो हमारी बपौती है, जिनके सिर पर सत्ता का मद चढ़ा था, उनके मन ताकत का अहंकार जन्म लेने लगा। ऐसे नेताओं को इस चुनाव में भी और इससे पहले भी जनता ने आसमान से जमीन पर लाकर पटक दिया है। इसलिए जो विजय हुए उन्हें अधिक विन्रम होने की जरूरत है, जो पराजित हुए उन्हें परीक्षण की, पड़ताल की ओर सहजता से पराजय को स्वीकार करने की आवश्कता है। राजनीतिक जीवन में जिन्होंने जीत पर अपनी जिम्मेदारी निभाई जनकार्यो को प्राथमिकता दी, अंहकार को हावी न होने दिया फिर जनता की अदालत में गए फिर विजय हुए।

मानवीय शक्ति और प्राकृतिक संसाधन,विकास और प्रगति के पहिये

संजीव ठाकुर

जब भी हम अपने विकास का इतिहास देखते हैं तो ब्रिटिश सत्ता के दौरान हमारे संसाधनों का प्रकृति का अंधाधुंध दोहन होता रहा है। आजादी हमें मिली है यानी कि मानव को परंतु प्रकृति आजादी से अछूती रही है। अमूमन हमारी जरूरत रोटी, कपड़ा, मकान और जल की थी कि हमको उद्योग धंधे का विकास तीव्र गति से करना पड़ा। मशीनें जीती बड़ी से बड़ी होती गई आदमी उतना ही बौना होता गया। कृषि में नई नई तकनीक ट्रैक्टर, रसायनिक उर्वरक, कीटनाशकों के प्रयोग से भूमि बंजर होकर कराहाने लगी। विकास का सही मायने माननीय शक्तियों के साथ ऊर्जा और उसकी शक्ति तथा सामर्थ्य का सही उपयोग ही होगा। जब से हमने विकास के पथ पर उड़ान भरी है उद्योगों की चिमनी यों को ऊपर उठाया मोबाइल क्रांति का बटन दबाया ई-मेल पर सवार होकर विश्व संदेश को सुना तब से हमारे झरनों का कल कल स्वर और संगीत बंद हो गया, पक्षियों का कलरव बंद हो गया पक्षी अब चीत्कार कर रहे हैं।

नदी नाले सूखकर मृतप्राय हो गए हैं। समुद्र की लहरों की झंकार विलुप्त हो गई है और पानी खारा और खारा हो गया है। अब हमें यह सोचना है कि विकास के नाम पर हमें ग्रीन इंडिया चाहिए या इंटरनेट की सवारी कर डिजिटल इंडिया चाहिए। बच्चों की झोली में इंटरनेट को डालकर डिजिटल जेनरेशन का सपना देखना चाहिए या प्रकृति की गोद में सुगंधित वायु की लहरों में खो जाना चाहिए। झरनों में बैठकर नौका विहार का आनंद लेना चाहिए या कंप्यूटर में बैठकर नेट खोल कर नन्हे मुन्ने की आंखों पर जोर डालकर उन्हें चश्मा वाला बनाना चाहिए। हरा भरा हिंदुस्तान यानी कि ग्रीन इंडिया और डिजिटल इंडिया का सपना नदी के दो कभी ना मिलने वाले किनारे हैं। विकास के नाम पर असीमित उद्योग धंधों की बाढ़ आ गई है। भूमि समाप्त हो रही है साथ ही हमारी वायु विषैली हो गई है। रात में शहरी मकानों मैं बिजली के झालरों के सामने आकाश में रात्रि के तारों की चमक फीकी पड़ गई है। जंगलों को हम ऐसे साफ करते गए जैसे सड़क पर रोड रोलर चला रहे हैं। नगर बने ,महानगर बने ,मकान बने किंतु अब घर गायब होते गए, हमें तब सुध आई जब चिड़िया चुग गई खेत, हमें विकास के नाम पर मानव सभ्यता से जुड़ी जमीन पानी, हरियाली,पक्षी जानवर सब चाहिए केवल अंधाधुन्ध कंक्रीट का विकास या इंटरनेट की रफ्तार नहीं चाहिए। इसके लिए हमें संसाधनों के अंधाधुंध प्रयोग पर अंकुश लगाना होगा। संसाधनों का इस्तेमाल अतिरेक में नहीं होना चाहिए । महात्मा गांधी ने खुद कहा है कि पृथ्वी पर सभी की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए संसाधन है, किंतु मानव की लालच को पूरा करने का कोई साधन नहीं है। हम प्राकृतिक परियोजना तथा परिस्थितिकी की परियोजनाओं का स्वागत करना होगा सम्मान करना होगा। हमें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सौर, पवन, बायोगैस, ज्वार तरंग लहरों को ऊर्जा का आधार बनाना होगा।

ईवीएम है भई ईवीएम

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

एक बार की बात है, कुछ दूर के देश में, विलक्षण इंजीनियरों का एक समूह एक ऐसी मतदान प्रणाली तैयार करने के लिए एकत्र हुआ जो न केवल कुशल होगी बल्कि व्यापक भ्रम और विवाद पैदा करने में भी सक्षम होगी। इसलिए, इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन, उर्फ ईवीएम, का जन्म हुआ, जो आने वाले वर्षों के लिए राजनीतिक बहस की मशाल बन गई। ईवीएम को रुबिक क्यूब जैसा डिज़ाइन किया गया था। इंजीनियरों का मानना था कि यदि कोई रूबिक क्यूब को हल कर सकता है, तो उसके पास एक जिम्मेदार मतदाता बनने के लिए आवश्यक बुद्धि होनी चाहिए। दुर्भाग्य से, यह तर्क उतना विश्वसनीय नहीं था जितना शुरू में अनुमान लगाया गया था। नागरिक, जो घन का चित या पट नहीं बना सके, चुनावी प्रक्रिया से और अधिक निराश हो गए। शिकायतों से निपटने के लिए सरकार ने एक ईवीएम सपोर्ट हेल्पलाइन नियुक्त की। अफसोस, हेल्पलाइन काफी अनुपयोगी साबित हुई। कॉल करने वालों ने लगातार पृष्ठभूमि संगीत का अनुभव करने की सूचना दी, जिसमें मोजार्ट की सिम्फनी से लेकर यादृच्छिक बॉलीवुड गाने तक शामिल थे, जिससे मतदाता वास्तव में लोकतंत्र की पवित्रता के बारे में हैरान हो गए। जल्द ही षड्यंत्र के सिद्धांत सामने आए, जिससे पता चला कि ईवीएम को विभिन्न पार्टियों के लिए विशिष्ट धुनें बजाने के लिए प्रोग्राम किया गया था। यदि आपने बीथोवेन की नाइंथ सुनी, तो आपने निश्चित रूप से रूढ़िवादी उम्मीदवारों को वोट दिया, जबकि एबीबीए की 'डांसिंग क्वीन' ने एक उदारवादी पार्टी के लिए वोट की गारंटी दी। गुप्त कोड शब्दों की अफवाहें सोशल मीडिया प्लेटफार्मों के माध्यम से फैल गईं, जैसे दावों के साथ, उम्मीदवार 'एक्स' के लिए वोट करें और अपनी मशीन पर रानी की 'वी विल रॉक यू' सुनें। जैसे ही ये आधारहीन अफवाहें फैलीं, ईवीएम विकास एजेंसी (ईवीएमडीए) ने खुद को अनिश्चित स्थिति में पाया। उन्होंने इन साजिश सिद्धांतों का मुकाबला एक अचूक समाधान के साथ करने का निर्णय लिया: सिरी और एलेक्सा के समान, ईवीएम में एक व्यक्तिगत आवाज सहायक को शामिल करना। वॉयस असिस्टेंट की शुरूआत ने पूरे मतदान अनुभव में विलक्षणता की एक और परत जोड़ दी। प्रारंभ में, वॉयस असिस्टेंट ने तटस्थता बनाए रखते हुए और निष्पक्ष मतदान सलाह देते हुए त्रुटिहीन तरीके से काम किया।

हालाँकि, जल्द ही इसकी अपनी विशिष्टताएँ विकसित हो गईं। मतदाता तब चौंक गए जब वॉयस असिस्टेंट ने उन्हें ₹महामहिम₹ के रूप में संदर्भित करना शुरू कर दिया और अनचाहे रिश्ते संबंधी सलाह देना शुरू कर दिया। नागरिक पूरी तरह से हैरान रह गए, सोच रहे थे कि क्या उनकी मतदान प्राथमिकताएँ और रिश्ते की स्थिति किसी तरह आपस में जुड़ी हुई हैं।

आज ही अपने जीवन में उतार लें गीता की पांच बातें

कभी नहीं होंगे असफल

श्रीमद्भागवत गीता में भगवान श्री कृष्ण के उपदेशों का वर्णन है। श्रीकृष्ण ने गीता का उपदेश महाभारत युद्ध के दौरान अर्जुन को दिया था। कृष्ण ने अर्जुन को तब गीता का पाठ पढ़ाया था, जब उनके कदम युद्ध भूमि में डगमगाने लगे थे। कहा जाता है कि गीता में जीवन की हर एक परेशानी का हल मिल जाता है। गीता के उपदेश कर्म करने और जीवन में आगे बढ़ते रहने की प्रेरणा देते हैं। ऐसे में किसी भी परेशानी का हल पाने और जीवन में सफल होने के लिए गीता की कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए। जो भी व्यक्ति गीता की इन बातों का जीवन में अनुसरण कर लेता है, वह हर कार्य में विजय हासिल कर सकता है।

1- क्रोध पर नियंत्रण रखना

महाभारत के युद्ध में भगवान कृष्ण ने अर्जुन को बताया था कि मनुष्य का सबसे बड़ा दुश्मन उसका क्रोध यानी गुस्सा होता है। गुस्से में व्यक्ति खुद पर नियंत्रण खो बैठता है और आवेश में आकर गलत कार्य कर देता है, इसलिए क्रोध को खुद पर हावी नहीं होने देना चाहिए। गीता में श्रीकृष्ण ने बताया है कि यदि गुस्सा आए तो स्वयं को शांत रखने का प्रयास करें।

2- मन पर नियंत्रण

श्री कृष्ण कहते हैं कि कई बार हमारा मन ही हमारे समस्त दुखों का कारण बन जाता है, इसलिए हर व्यक्ति को अपने मन को नियंत्रण में रखना बहुत जरूरी है। जिस व्यक्ति ने अपने मन पर काबू पा लिया वह मन में उत्पन्न होने वाली बेकार की चिंताओं और इच्छाओं से भी दूर रहता है।

3- कर्म करें, फल की इच्छा न करें

कुरुक्षेत्र में युद्ध के दौरान अर्जुन के विचलित हो जाने पर कृष्ण ने कहा था कि हर मनुष्य को कर्म करना चाहिए, फल की इच्छा नहीं करनी चाहिए। कृष्ण कहते हैं कि जैसा व्यक्ति का कर्म होगा ईश्वर उसी के अनुरूप ही फल देंगे। यदि आप कार्य के पहले ही परिणाम की अपेक्षा करेंगे तो आपका मन भ्रमित हो जाएगा और आप अपना कर्म ठीक से नहीं कर पाएंगे।

4- आत्म मंथन

कृष्ण कहते हैं कि व्यक्ति को खुद से बेहतर कोई नहीं जान सकता, इसलिए स्वयं का आकलन करना सबसे जरूरी है। जो भी व्यक्ति अपने गुणों और कमियों को जान लेता है वह अपने व्यक्तित्व का निर्माण करके हर काम में सफलता प्राप्त कर सकता है।

5- अभ्यास करते जाएं

गीता में भगवान कृष्ण अर्जुन को उपदेश देते हुए कहते हैं कि मनुष्य को सदैव अभ्यास करते रहना चाहिए। अभ्यास करने से मनुष्य का जीवन आसान हो जाता है।

बेहद प्रभावशाली हैं प्रभु श्री राम के ये मंत्र

सनातन धर्म में भगवान राम की पूजा आदर्श मानव जीवन के प्रतीक के रूप में की जाती है। हिंदू धर्म में श्री राम की पूजा का बेहद महत्व है। कहा जाता है, जो लोग सच्चे भाव के साथ राम जी की पूजा करते हैं उनकी सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। साथ ही उनके मंत्रों का जाप करने से मानसिक शांति और तनाव से मुक्ति मिलती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, नकारात्मक ऊर्जाओं को दूर करने और निर्णय लेने की क्षमता और रचनात्मकता में सुधार करने के लिए राम नाम का जप सबसे अच्छा साधन माना गया है। यहां भगवान राम के कुछ सबसे शक्तिशाली मंत्र दिए गए हैं, जिन्हें अत्यधिक प्रभावी माना जाता है,

राम जी के मंत्र

राम रामेति रामेति रमे रामे मनोरमे । सहस्त्र नाम तत्तुन्यं राम नाम वरानने –
ॐ राम ॐ राम ॐ राम ह्लीं राम ह्लीं राम श्रीं राम श्रीं राम
श्री रामाय रामभद्राय रामचन्द्राय वेधसे रघुनाथाय नाथाय सीताया पतये नमः
ॐ आपदामपहर्तारम दाताराम सर्वसम्पदाम। लोकाभिरामम् श्रीराममं भयो–भूयो नमाम्यहम्॥

भगवान राम की पूजा विधि
सुबह उठकर पवित्र स्नान करें।
स्नान के बाद मंदिर साफ करें।
एक लकड़ी की चौकी पर लाल वस्त्र बिछाएं और उसपर भगवान राम की एक प्रतिमा स्थापिक करें।
सबसे पहले श्री राम का अभिषेक करें।
फूलों की माला अर्पित करें।
चंदन का तिलक लगाएं।
प्रभु के समक्ष घी का दीया जलाएं।
फिर फल, मिठाई आदि का भोग लगाएं।
यहां दिए गए किसी भी एक मंत्र का 108 बार जाप करें।
अंत में आरती के साथ पूजा समाप्त करें।

बेहद गुस्सैल होते हैं इन राशि के लोग बेवजह इनसे उलझने से पहले सोच लें

कुछ लोग अपनी भावनाओं को काबू करना जानते हैं। वहीं कुछ लोग ऐसे होते हैं, जिन्हें गुस्सा इस कदर आता है, कि वो उस दौरान कुछ भी करने को तैयार हो जाते हैं और कभी- कभी अपना ही नुकसान कर लेते हैं। हालांकि शांत होने के बाद उन्हें अपने गलती का एहसास हो जाता है। तो चलिए ज्योतिष अनुसार जानते हैं किन राशि के जातक को ज्यादा गुस्सा आता है और कहीं वो आपकी राशि तो नहीं

मेष

इस राशि के जातक बहुत ही आवेगी और लापरवाह होते हैं। इन्हें बहुत जल्दी गुस्सा आ जाता है और इसका असर इनके रिश्तों पर काफी हद तक पड़ता है, जब इन्हें गुस्सा आता है तो इन्हें कोई वजह नजर नहीं आती। ये क्रोध में अंधे हो जाते हैं।

वृषभ

इस राशि के जातक जिद्दी और क्रोधी होते हैं। ये बहुत जल्दी नाराज हो जाते हैं और अपना सारा गुस्सा उस व्यक्ति पर निकालते हैं, जिसके वे सबसे करीब होते हैं। वे सोचते हैं कि उनका साथी उन्हें समझेगा और आखिर में उन्हें अपना आपा खोने के लिए माफ कर देगा, लेकिन ज्यादातर समय ऐसा नहीं होता है।

सिंह

इस राशि के लोग बहुत दयालु और नरम दिल वाले होते हैं, लेकिन जब इन्हें गुस्सा आता है, तो ये शांत नहीं रह पाते और न ही इन्हें कोई कारण नजर आता है। साथ ही ये लोग किसी भी बहस में कभी भी पीछे नहीं हटते हैं, क्योंकि वे बहुत मनमौजी और दूसरों पर हावी होने वाले होते हैं।

अनसूया मंदिर में जागरण के बाद दिखा सपना

तो निसंतान दंपतियों की इच्छा जल्द होगी पूरी! पग-पग पर मिलता है प्रमाण

जहां एक ओर मेडिकल साइंस ने संतान पाने के लिए टेस्ट ट्यूब बेबी जैसी तकनीक का विकास किया है, वहीं आज भी लोगों की देवी-देवताओं के प्रति आस्था कम नहीं हुई है। उसका सबूत है दत्तात्रेय जयंती पर लगने वाला अणसी कौथिग, जिसे अनुसूया मेला भी कहा जाता है। उत्तराखंड के सीमांत जिले चमोली की मंडल घाटी में ऋषिकुल पर्वत की गोद में पौराणिक अनुसूया माता मंदिर स्थित है। यहां हर साल भव्य मेले का आयोजन किया जाता है। इस साल भी 25 और 26 दिसंबर को माता अनुसूया का दरबार सजेगा, जहां उत्तराखंड के कई जिलों के दंपति संतान प्राप्ति की इच्छा लेकर पहुंचेंगे।बर्फीली चोटियों, घने और गहरे जंगलों के बीच में बसे अनुसूया माता मंदिर की अनुपम छटा देखने के लिए प्रकृति प्रेमियों को चमोली के जिला मुख्यालय गोपेश्वर आना होगा। गोपेश्वर से लगभग 13 किलोमीटर की दूरी पार कर अनुसूया माता मंदिर गेट तक पहुंचा जाता है। यहां से लगभग पांच किलोमीटर की खड़ी चढ़ाई पार कर मंदिर तक पहुंचा जा सकता है।

यह है धार्मिक मान्यता

मंदिर के पुजारी प्रदीप सेमल बताते हैं कि अनुसूया माता मंदिर के गर्भगृह और अहाते में रात्रिभर जागकर ध्यान, जप तप करने से भक्तों के भाग्य जग जाते हैं और महिलाओं की गोद भर जाती है। वह बताते हैं कि जिस दिन मां अपने गर्भ गृह में प्रवेश करती हैं, उस रात्रि को मंदिर में निसंतान दंपति रात भर मंदिर में जागरण करते हैं और जब जागरण के बीच में कुछ समय के लिए उनकी आंख लगती है और किसी अलसाये झोंके में उन्हें कोई सपना दिखता है, तो मान लिया जाता है कि मां ने उनकी गुहार सुन ली है। वह कहते हैं कि रात्रि जागरण की यह परंपरा बदस्तूर जारी है। स्थानीय निवासी बताते हैं कि मां सती अनुसूया के संतानदायिनी होने का प्रमाण चमोली और आसपास के जनपदों में देखें, तो बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों द्वारा वरदान से प्राप्त संतानों का नाम देवी के नाम पर अनुसूया रखा गया है।

एक रत्न जो रातों-रात रंक से राजा बना देता है

पहनने से पहले पढ़ें फायदे और नुकसान

ज्योतिष शास्त्र में नवग्रहों और उनसे जुड़े रत्नों का विशेष महत्व बताया गया है। रत्न जातक का भाग्य बदलने का काम करते हैं। कुछ लोग शौक के तौर पर कोई भी रत्न धारण कर लेते हैं, लेकिन ऐसा करना गलत है। ज्योतिष दृष्टिकोण से रत्न को राशि के अनुसार पहनना चाहिए। ऐसा करने पर रत्न से फायदा नहीं बल्कि नुकसान हो सकता है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, नीलम रत्न का संबंध शनि ग्रह है। नीलम रत्न धारण करने पर व्यक्ति रंक से राजा बन सकता है। आइए आपको बताते हैं नीलम रत्न धारण करने के फायदे और नुकसान क्या है।

किन राशियों के लिए नीलम रत्न शुभ?

मकर और कुंभ राशि वालों के लिए नीलम रत्न शुभ होता है। इन दोनों राशियों का स्वामी ग्रह शनि है। अगर कुंडली में शनि नीच का हो तो नीलम रत्न धारण करने की सलाह दी जाती है। नीलम के साथ मूंगा, माणिक या मोती नहीं पहनना चाहिए।

क्या है नीलम रत्न के फायदे?

नीलम रत्न से जातक को आर्थिक और मानसिक रूप से फायदा होता है। करियर या व्यापार में सफलता मिलती है। नीलम रत्न उन जातकों के लिए लाभकारी है जो अवसाद की समस्याओं से पीड़ित हैं। इस रत्न को पहनने से सोचने की क्षमता विकसित होती है।

नीलम रत्न क्यों नहीं पहनना चाहिए?

अगर नीलम रत्न फायदेमंद नहीं है, तो इसे पहनने से आंखों से संबंधित समस्याएं हो सकती है। जातक को सिरदर्द और बेचैनी शुरू हो जाएगी। दुर्घटना का खतरा हो सकता है। यदि नीलम आपकी राशि के लिए उपयुक्त नहीं है तो घर, व्यापार और जीवन में नुकसान पहुंचा सकता है। रत्न विशेषज्ञों के अनुसार, घर बैठे पता कर सकते हैं कि नीलम आपके लिए शुभ है या नहीं। इसके लिए 5 कैरेट का नीलम रत्न नीले कपड़े में बांध लें। फिर सोने से पहले अपने तकिये के नीचे रख लें। अगर रात्रि में अच्छे सपने आते हैं तो इसका अर्थ है रत्न आपके लिए अच्छा है। अगर डरावने सपने आ रहे हैं तो नीलम आपको नकारात्मक परिणाम देगा।

घर के ड्राइंग रूम में इन चीजों को न करें अनदेखा

वास्तु का रखें ध्यान, वरना परिवार में हो सकती है कलह

वास्तु शास्त्र में आज हम आपको बताएंगे बैठक यानी ड्राइंग रूम के रंग के बारे में। ड्राइंग रूम, जहां पर आराम से बैठकर हम दूसरों से बात कर सकें और चाय की चुसकियां ले सकें, बैठक कक्ष घर का बहुत ही महत्वपूर्ण स्थान होता है। क्योंकि, जब घर में कोई मेहमान या कोई आस-पड़ोस का आता है। तो उसे बैठक कक्ष में ही बिठाया जाता है। इसलिए बैठक कक्ष में रंग का चयन करते समय अपने साथ-साथ दूसरों की पसंद या नापसंद का भी ख्याल रखना चाहिये। कभी-कभी हम कुछ चीजों को घर में नजरअंदाज कर देते हैं जिस कारण घर में वास्तु दोष निर्मित होता है और परिवार के सदस्यों के बीच कलह का कारण बनता है। आइए आचार्य इंदु प्रकाश से जानते हैं कि घर के ड्राइंग रूम जिसे हम बैठक भी कहते हैं। उसमें किन चीजों का ध्यान रखना चाहिए खासकर वास्तु के नजरिए से।

ड्राइंग रूम किस दिशा में होना चाहिए

वास्तु के अनुसार घर के हर कमरों की एक निर्धारित जगह होती है। यदि दिशानुसार उन चीजों की उपस्थिति घर में है तो सकारात्मक ऊर्जा का प्रवह और शुभता दोनों ही घर में बनी रहती है। वास्तु शास्त्र के अनुसार घर का मुख अगर उत्तर की ओर है। तो बैठक उत्तर-पूर्व दिशा में होना श्रेष्ठ माना जाता है। बैठक रूम में अनावश्यक चीजें नहीं रखी होनी चाहिए वरना पिरवार में खटास आने लगती है क्योंकि घर में ड्राइंग रूम एक ऐसी जगह होती है जहां परिवार के सभी सदस्य मिल जुल कर बैठते हैं। बैठक रूम में वास्तु के अनुसार खिड़कियां पूर्व या उत्तर दिशा में होना शुभ माना जाता है। पूर्व दिशा से सूर्य की किरणों से घर में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवह होता है।

हाथ के ये चिह्न होते हैं एक वरदान की तरह, जानें इनके बारे में क्या कहता है हस्तरेखा शास्त्र?

हस्तरेखा शास्त्र में हाथ के चिह्नों के बारे में काफी कुछ बताया गया है, जिसमें यह भी कहा गया है, हर चिह्न का अपना एक अर्थ होता है। हस्तरेखा शास्त्र के अनुसार, आपको यह जानकर हैरानी होगी कि हाथ की हथेली पर कुछ ऐसे भाग्यशाली चिन्ह होते हैं, जिनका होना एक वरदान की तरह होता है। तो आइए उन चिन्हों के बारे में जानते हैं-

कमल चिह्न

यदि आपकी हथेली पर कमल का निशान है, तो आपको जीवन में कभी धन की मुश्किलों का सामना नहीं करना पड़ेगा। ऐसे लोगों के पास ढेर सारा पैसा होता है। हस्तरेखा शास्त्र के अनुसार, कमल का चिन्ह व्यक्ति के धन को उसके चरम स्तर तक बढ़ाता है। हाथ पर कमल के निशान में कम से कम 3 पत्तियां होनी चाहिए। 5 पत्तों वाला कमल अत्यंत भाग्यशाली होता है। साथ ही यह सबसे दुर्लभ होता है।

त्रिशूल का निशान

हस्तरेखा शास्त्र के अनुसार, अगर आपकी हथेली पर त्रिशूल का चिन्ह बना है, तो ऐसे लोगों के ऊपर साक्षात भगवान शिव की कृपा होती है। कहा जाता है कि ऐसे लोगों को हर काम में दक्षता प्राप्त होती है। साथ ही ये लोग बहुत ही ज्यादा आध्यात्मिकता होते हैं। यदि यह निशान बृहस्पति पर्वत के ऊपर है, तो यह व्यक्ति को महत्वाकांक्षी बनाता और अप्रत्याशित धन को आकर्षित करने वाला बनाता है।

मछली का चिन्ह

अगर आपके हाथ में मछली का निशान है, तो यह भगवान के आशीर्वाद का प्रतीक है। शनि पर्वत पर इस निशान का होना अत्यंत दुर्लभ माना गया है। ऐसे लोग बहुत ही मेहनती होते हैं और अक्सर अपने क्षेत्र में बहुत शक्तिशाली और सफल होते हैं। इनका रुझान नौकरी के बजाय बिजनेस की ओर अधिक होता है। साथ ही इन्हें अत्यधिक प्रभावित लोगों से समर्थन प्राप्त होता है।

क्या बदलने वाली है आपकी किस्मत, आने वाला है अच्छा वक्त? इन 5 संकेतों से पहचानें, खुलेगी तरक्की की राह

हर इंसान का समय कभी अच्छा होता है तो कभी बुरा। वक्त सदा एक सा नहीं रहता। जीवन में हर किसी के सुख-दुख, अच्छा-बुरा वक्त आता-जाता रहता है। इससे परेशान होकर कुछ लोग बुरी तरह से टूट जाते हैं, निराशा से घिर जाते हैं तो वहीं कुछ लोग विपरीत परिस्थितियों में भी हर अच्छे-बुरे वक्त का डट कर सामना करते हैं। याद रखें, कभी भी समय एक जैसा नहीं रहता है। मुश्किलों से भरा वक्त बीतते देर नहीं लगता है। बस, उससे निराश होकर आपको खुद को बिखरने से बचाने की कला आनी चाहिए। यदि बुरा वक्त होगा तो जाहिर सी बात है कि काम में रुकावटें आएंगी। किसी भी कार्य को आसानी से कर पाना मुश्किल हो जाएगा। सफलता हासिल नहीं होगी। ऐसे में हर कोई ये जानना चाहता है कि आखिर उसका बुरा वक्त कब जाएगा और अच्छा वक्त कब आएगा? क्या अच्छा वक्त आने का कोई संकेत होता है। कैसे पहचानें कि आपका अच्छा समय अब शुरू होने वाला है?

1 ज्योतिष डॉ. मृत्युञ्जय तिवारी के अनुसार, आपको कहीं भी रास्ते में कुछ रुपये गिरे हुए मिलें तो समझ लें कि अब से आपका अच्छा समय शुरू होने वाला है। अचानक रुपये-पैसे मिलना इस बात की तरफ इशारा करता है कि आपके घर और जीवन में लक्ष्मी की कृपा बरसने वाली है। कहने का मतलब है कि आपकी आर्थिक स्थिति पहले से अधिक मजबूत हो सकती है।

2 अचनाक आपके घर के आंगन में पक्षी गौरैया की चहचहाहट सुनाई दे तो ये भी शुभ संकेत होता है। इसका अर्थ है कि आपका बुरा वक्त खत्म होने वाला है। जल्द ही आपको ढेरों खुशियां मिलने वाली हैं। आप पक्षियों के लिए आंगन और छत पर दाना-पानी जरूर रख दें।

'एनिमल' ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर मचाया कोहराम, 3 दिन में किया 200 करोड़ का कलेक्शन

रणबीर कपूर की फिल्म 'एनिमल' बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रही है. सिनेमाघरों में अपने पहले वीकेंड में ही 'एनिमल' ने कलेक्शन का 200 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है. इसके साथ ही 'एनिमल' रणबीर कपूर की बेस्ट ओपनिंग फिल्म भी बन गई है. 3 दिसंबर को फिल्म ने कुल 202.57 करोड़ रुपये की कमाई की. 'एनिमल' बलबीर सिंह नाम के एक टाइकून और उनके बेटे रणविजय सिंह के बीच की कॉम्प्लीकेटेड रिश्ते की कहानी है. जब बलबीर पर जानलेवा हमला होता है तो उसका बेटा रणविजय यानी रणबीर कपूर अपने पापा के दुश्मनों से बदला लेने की कसम खाता है. फिल्म में एक्शन और थ्रिल हर 15 मिनट में देखने को मिलता है. बॉलीवुड की सबसे लंबे रन टाइम वाली रणबीर कपूर की इस फिल्म ने 'पठान' और 'गदर 2' के पहले वीकेंड में कलेक्शन का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया है.

पहले वीकेंड में कमाए 200 करोड़ रुपये

'एनिमल' 2023 की मोस्ट अवेटेड फिल्मों में से एक थी, संदीप रेड्डी वांगा के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म को 1 दिसंबर, 2023 को हिंदी, तमिल और तेलुगु में रिलीज किया गया था. विक्की कौशल की 'सैम बहादुर' से बॉक्स ऑफिस पर कड़ी टक्कर के बावजूद 'एनिमल' बॉक्स ऑफिस पर मजबूत बनी हुई है. शुरुआती अनुमान के मुताबिक, फिल्म ने तीसरे दिन भारत में 72.50 करोड़ रुपये की कमाई की. इस तरह अब 'एनिमल' का कुल कलेक्शन 202.57 करोड़ रुपये हो गया है. इस बीच, रविवार, 3 दिसंबर को 'एनिमल' की कुल हिंदी ऑक्यूपेंसी 79.05 प्रतिशत रही. अकेले हिंदी स्क्रीनिंग में फिल्म ने 64.80 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया.

3 घंटे 21 मिनट लंबी है फिल्म

'एनिमल' में इसमें रणबीर कपूर लीड रोल में हैं और रश्मिका मंदाना ने उनकी पत्नी की भूमिका निभाई है. रणविजय (रणबीर) एक ऐसा किरदार है जो पैसे और पावर के चलते किसी को जान से मारने में भी हिचकिचाता नहीं है. अपने टार्गेट्स को हासिल करने के लिए वो किसी भी हद तक जाने को तैयार है.

यह कहानी एक पिता और पुत्र के बीच के उतार-चढ़ाव भरे रिश्ते पर फोकस है, जब रणविजय को अपने पापा बलबीर सिंह की हत्या की कोशिश के बारे में पता चलता है, तो वह बदला लेने के लिए तैयार हो जाता है. फिल्म में अनिल कपूर, रश्मिका मंदाना, तृप्ति डिमरी और बॉबी देओल भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं. 'एनिमल' की मेकिंग टी-सीरीज फिल्म्स, भद्रकाली पिक्चर्स और सिने1 स्टूडियोज के तहत भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, मुराद खेतानी और प्रणय रेड्डी वांगा द्वारा किया गया है. इसका रनटाइम 201 मिनट (3 घंटे 21 मिनट) है.

'कॉफी विद करण 8' में पहुंचीं कृति सेनन ने लिया लीगल एक्शन

हाल ही में अपनी फिल्म 'मिमी' से शनल अवॉर्ड जीता है. कृति अब जान्हवी कपूर के साथ 'कॉफी विद करण 8' में नजर आनेवाली हैं. कुछ खबरें ऐसी आई कि कृति ने करण जौहर के चैट शो पर कुछ ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म को प्रमोट किया है. हालांकि कृति सेनन ने सोशल मीडिया पर पोस्ट के जरिए उन खबरों पर सच सुनाया है और कहा है कि ऐसी झूठी खबरों और रिपोर्ट्स के खिलाफ उन्होंने लीगल एक्शन भी लिया है.

कृति सेनन ने इंस्टाग्राम पर लंबा-चौड़ा पोस्ट लिखा है. उन्होंने लिखा है कि 'कॉफी विद करण में मुझे लेकर कुछ ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म को बढ़ावा देने की बातें करते हुए कई रिपोर्ट्स और आर्टिकल सामने आए हैं. कृति ने कहा है कि ये आर्टिकल्स और रिपोर्ट्स सरासर झूठे और अपमानजनक हैं.' उन्होंने कहा, 'मैंने शो में ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म को लेकर ऐसी कोई बात नहीं की है. मैंने ऐसी झूठी खबरों पर कानूनी कार्रवाई की है और ऐसी गलत खबरों के लिए लीगल नोटिस भेजा है.'

कृति ने सोशल मीडिया पर दी है सफाई

उन्होंने सभी से ऐसी झूठी, फेक और रिपोर्टों से सावधान रहने को लेकर भी रिक्वेस्ट किया है. इसके अलावा कृति ने कुछ और पोस्ट किए हैं जिसमें कुछ मीडिया रिपोर्ट्स का स्क्रीनशॉट है जिसमें इन खबरों को फेक बताया गया है।

आनेवाली हैं 'हीरोपंती 3' और 'दो पत्ती' जैसी फिल्में

कृति सेनन की हालिया फिल्मों की बात करें तो वह 'आदिपुरुष', 'गणपत' जैसी फिल्मों में नजर आ चुकी हैं. कृति सेनन लेटेस्ट फिल्म में 'गणपत' में टाइगर श्रॉफ के साथ नजर आई थीजो बॉक्स ऑफिस पर पूरी तरह से फ्लॉप साबित हुई थी। इससे पहले वह प्रभास के साथ 'आदिपुरुष' में नजर आई थीं और ये फिल्म काफी विवादों में रही और बुरी तरह फ्लॉप रही थी। कृति की अगली फिल्मों में 'हीरोपंती 3' और 'दो पत्ती' जैसी फिल्में शामिल हैं।

'केजीएफ 2' के बाद फिर महफिल लूटने आ रहे यश, इस तारीख को करेंगे अगली फिल्म के नाम का एलान

ब्लॉकबस्टर फिल्म 'केजीएफ 2' फेम अभिनेता यश की अगली फिल्म का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। एक्टर के अगले प्रोजेक्ट को लेकर नई जानकारी सामने आई है। वे जल्द ही इसके नाम का एलान करेंगे। बता दें कि फिलहाल इस फिल्म को 'यश 19' कहा जा रहा है। अभिनेता इसी महीने आठ तारीख को इस फिल्म के नाम से पर्दा उठाएंगे। ये फिल्म केवीएन प्रोडक्शंस की साझेदारी से बनेगी।

'केजीएफः चैप्टर 2' की सफलता के बाद से यश ने अपने अगले प्रोजेक्ट को लेकर चुप्पी साध रखी है। जल्दबाजी में किसी फिल्म का एलान करने की बजाय उन्होंने क्वालिटी वर्क का चुनाव किया है। अभिनेता अब आठ दिसंबर 2023 को अपने अगले प्रोजेक्ट का एलान करेंगे। अब तक उनके प्रोजेक्ट को 'यश 19' कहा जा रहा था। बता दें कि जब से अभिनेता की अगली फिल्म के नाम से जुड़ी जानकारी सामने आई है, तब से सोशल मीडिया पर हैशटैग #Yash19 ट्रेंड कर रहा है। केजीएफ और केजीएफ 2 के बाद यश पसंदीदा पैन इंडिया स्टार बन चुके हैं। सालभर से फैंस अभिनेता की अगली फिल्म से जुड़ी जानकारी पाने के लिए बेकरार हैं। लेकिन, 'केजीएफ 2' के बाद से यश चुप बैठे हैं। हालांकि, आज उनकी अगली फिल्म को लेकर जो जानकारी सामने आई है, उसने फिल्म इंडस्ट्री के लोगों और अभिनेता के फैंस का उत्साह बढ़ा दिया है।

यश ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्टर साझा किया है। इसमें प्रश्नवाचक चिह्न लगा है और इसके साथ लिखा है, 'आठ दिसंबर को टाइटल का एलान होगा'। अभिनेता ने कैप्शन में लिखा है, 'समय आ गया है! आठ दिसंबर को सवेरे 9.55 मिनट पर। बने रहिए हमारे साथ।' बता दें कि यह फिल्म केवीएन प्रोडक्शंस के बैनर तले बनेगी।

अभिनेता के इस पोस्ट पर यूजर्स के कमेंट्स की झड़ी लग गई है। एक यूजर ने लिखा, 'दिसंबर काफी शानदार होने वाला है'। एक अन्य यूजर ने लिखा, 'एक और 1000 करोड़ वाली मूवी आने वाली है'। एक यूजर ने लिखा, 'पूरा देश इंतजार कर रहा है। रॉकी भाई आपको सलाम।' अभिनेता के फैन ने लिखा, 'अच्छी चीजों में वक्त लगता है और ऐसी ही शानदार चीज का एलान आठ दिसंबर को होने वाला है'।

तृषा कृष्णन ने 'एनिमल' को बताया 'कल्ट' फिल्म तो यूजर्स ने सुनाई खरी-खोटी, डिलीट करना पड़ा पोस्ट

साउथ फिल्मों की स्टार तृषा कृष्णन इस वक्त यूजर्स के निशाने पर हैं, और वह भी फिल्म 'एनिमल' को लेकर। दरअसल तृषा ने हाल ही संदीप रेड्डी वांगा की इस फिल्म को लेकर इंस्टाग्राम स्टोरी पर कुछ पोस्ट किया, पर बाद में डिलीट कर दिया। लेकिन उन्होंने 'एनिमल' को लेकर जो लिखा था, उसी के कारण यूजर्स के निशाने पर आ गई हैं। तृषा कृष्णन ने रणबीर कपूर और बॉबी देओल स्टारर 'एनिमल' को एक 'कल्ट' फिल्म बताया।

तृषा कृष्णन ने इंस्टा स्टोरी पर 'एनिमल' का पोस्टर शेयर किया था। साथ में लिखा था, 'बस एक शब्द...यह एक कल्ट फिल्म है।' साथ में उन्होंने तालियां बजाने और हैरानी जताते हुए इमोजी भी बनाए। हालांकि इस स्टोरी को तृषा कृष्णन ने डिलीट कर दिया था, पर यूजर्स ने इसका स्क्रीनशॉट ले लिया, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

यूजर्स ने की आलोचना पर फैंस ने किया सपोर्ट

यूजर्स तृषा कृष्णन की उनके इस पोस्ट के लिए खूब आलोचना कर रहे हैं, और जमकर खरी-खोटी सुना रहे हैं। वहीं फैंस ने एक्ट्रेस को सपोर्ट किया है। एक यूजर ने ट्विटर पर लिखा है, 'एक हफ्ते पहले ही वह महिलाओं के सम्मान को लेकर लेक्चर दे रही थीं।' वहीं कुछ यूजर्स ने एक्ट्रेस को लेकर मीम्स शेयर करने शुरू कर दिए, और खूब मजाक उड़ाया।

नहीं आई दयाबेन तो फैंस को आया गुस्सा शुरू हुआ 'तारक मेहता..' का बायकॉट

'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' टीवी का मशहूर शो है और करीब 14 सालों से चल रहा है. टीवी का पॉपुलर सिटकॉम शो 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' बरसों से लोगों की नंबर वन पसंद बना हुआ है. शो पिछले लंबे समय से विवादों में घिरा हुआ है. कई बड़े और पुराने कलाकार ने शो छोड़ने के बाद मेकर्स पर कई गंभीर आरोप लगाए हैं. इसी बीच में इसके प्लॉट में कितने सारे बदलाव किए गए, लेकिन इसमें अब पहले वाली बात नहीं रही. शो को लेकर अक्सर चर्चा होती है कि इसमें दिशा वकानी दयाबेन के रोल में फिर से लौटने वाली है और हर बार दर्शकों का दिल टूट जाता है. इन सबके बीच दयाबेन की वापसी को लेकर भी तरह-तरह के कयास लगाए जा रहे हैं. मेकर्स हर बार फैंस को दिलासा देते हैं कि दयाबेन की जल्द से जल्द शो में वापसी होगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ जिस वजह से फैंस खासे नाराज नजर आ रहे हैं.

दया बेन की वापसी पर हंगामा

'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' के मेकर्स ने फैंस और ऑडियंस की बेसब्री को देखते पिछले कई एपिसोड से दयाबेन की एंट्री से जुड़ी कहानी दिखा रहे हैं. दयाबेन के स्वागत की तैयारियां न सिर्फ गड़ा फैमिली बल्कि पूरा गोकुलधाम करते हुए दिखाई दिया. लेकिन अब अपकमिंग एपिसोड के प्रोमो में दिखाया गया है कि किसी कारणवश दयाबेन नहीं आ पाई.

टूट गए जेठालाल, नहीं आई दया

आखिरकार दयाबेन गोकुलधाम में एंट्री करने वाली थी इसके बाद, टप्पूसेना ने जश्न मनाने की तैयारी शुरू कर दी. इन सबके बीच, जेठालाल ने अचानक एक कार को अंदर आते देखा, और उन्हें बेहद खुशी हुई, वह दयाबेन नहीं थी. इस क्लिप में असल मोड़ तब आया जब मेहता साहब चिंता में दिखाई दिए. जेठालाल अपनी खुशी को रोक नहीं पा रहे थे और डांस करने लगा, उन्होंने तुरंत बापूजी को बुलाया और आसपास के सभी लोगों में खुशी फैला दी.

फैंस हुए नाखुश

'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' का बायकॉट करते हुए, एक यूजर ने प्रोड्यूसर असित कुमार मोदी को भी आड़े हाथ लिया. एक यूजर ने लिखा, "असित कुमार मोदी, अपने व्यूवर्स का दिल तोड़कर आप खुश होंगे और अब नया एपिसोड देखने की कोई वजह नहीं है. हम समझते हैं आप क्या करना चाहते हैं. आपको शर्म आनी चाहिए." एक अन्य यूजर ने लिखा, "अगर दया को नहीं ला सकते तो कैरेक्टर का ही एंड कर दो यार.. इतना हाइप क्यों क्रिएट कर करके हमारी फीलिंग के साथ खेलते हो." एक और यूजर ने लिखा,"दया एंड जेठा बायकॉट तारक मेहता कुछ लिखने का मन नहीं कर रहा है, बस इतना ही की दिल तोड़ दिया.."

ट्रोलिंग से कैसे डील करती हैं सुहाना खान बोलीं-सीख रही हूं

शाहरुख खान की लाडली सुहाना खान इन दिनों अपने फिल्म डेब्यू को लेकर बेहद एक्साइटेड हैं, वो जल्द ही 'द आर्चीज' से डेब्यू करने वाली हैं,उनकी ये फिल्म 7 दिसंबर को रिलीज होगी.इस बीच वो फिल्म को लेकर जोर-शोर से प्रमोशन कर रही हैं.उनके कई इंटरव्यूज जारी हैं, इंटरव्यू के दौरान उनसे कई सवाल पूछे जा रहे हैं. इस दौरान उन्होंने ये भी बताया कि वे निगेटिविटी से कैसे डील करते हैं. सुहाना ने बताया कि सोशल मीडिया पर 'गंदे कमेंट्स' का सामना करने के दौरान उन्हें किस चीज से मदद मिली. सुहाना के इंस्टाग्राम पर 4.4 मिलियन फॉलोअर्स हैं, एक्टर शाहरुख खान और फिल्म निर्माता और इंटरव्यू के डिजाइनर गौरी खान की बेटी हैं.

'इन कमेंट्स ने मुझे और बदल दिया है'

सुहाना खान ने कहा कि वह अभी भी सीख रही हैं कि अपने रास्ते में आने वाली नेगिटिविटी से कैसे निपटना है. उन्होंने कहा, ईमानदारी से कहूं तो मैं इससे बहुत अच्छी तरह से नहीं डील नहीं कर पाती. मुझे लगता है कि और इन मीन कमेंट्स ने मुझे लोगों के प्रति और दयालु बना दिया है. यह है कि सभी घटिया कमेंट्स, चाहे वे कुछ भी हों इन सब ने मुझे काफी कुछ सीखाया है. और लोगों से मिलना,कॉलेजों में जाना और इस तरह की चीजें, विशेष रूप से लड़कियों से मिलना, लोगों को देखना ये सब देखकर बहुत खुशी होती है, जिससे मुझे दोनों को अलग करने में बहुत मदद मिलती है. और वह (इंटरनेट ट्रोलिंग) नहीं है.

अगस्त्य को आर्ची एंड्रयूज, खुशी को बेट्टी कूपर और सुहाना को वेरोनिका लॉज के रूप में देखा जाएगा. फिल्म में वेदांग रैना को रेगी मेंटल, मिहिर आहूजा को जुगहेड जोन्स, डॉट को एथेल मुग्स और युवराज मेंडा को दिल्टन डोइली के रूप में दिखाया गया है.

शाहरुख और सुहाना एक साथ करेंगे फिल्म में काम

आर्चीज में जया बच्चन और अमिताभ बच्चन के पोते अगस्त्य नंदा और दिवंगत श्रीदेवी और बोनी कपूर की बेटी खुशी कपूर भी हैं. रिपोर्ट के मुताबिक, शाहरुख और सुहाना सुजॉय घोष द्वारा निर्देशित एक फिल्म में साथ काम कर रहे हैं. एक्शन थ्रिलर का टाइटल भी सामने आ गया है. विकास से जुड़े एक सूत्र ने पोर्टल को बताया, "फिल्म का नाम किंग रखा गया है और यह शाहरुख खान और सुहाना खान द्वारा साझा की गई मजबूत गतिशीलता के साथ एक अनूठी एक्शन थ्रिलर होगी.इस फिल्म में शाहरुख खान की तरफ से किए गए सीन का अंदाज 'पठान' और 'जवान' में किए गए एक्शन से बहुत अलग होगा.

काश ऋषि यहां होते...'एनिमल' देख इमोशनल हुईं नीतू कपूर, बेटे रणबीर के लिए शेयर किया पोस्ट

रणबीर कपूर हालिया रिलीज फिल्म 'एनिमल' को लेकर खूब सुर्खियां बटोर रहे हैं. एक्टर को उनकी शानदार तोड़-फोड़ परफॉर्मेंस के लिए खूब वाहवाही भी मिल रही है. दर्शकों को एनिमल पसंद आई है. इसने रिलीज के पहले दिन की 60 करोड़ कमाई के साथ रिकॉर्ड कायम कर दिया है. फिल्म को मिले रिस्पॉन्स को लेकर रणबीर कपूर के फैमिली मेंबर्स की भी खुशी का ठिकाना नहीं है. खासतौर पर उनकी मां नीतू कपूर बेटे की कामयाबी पर फूली नहीं समा रही हैं. उन्होंने सोशल मीडिया पर एनिमल की रिलीज के बाद एक इमोशनल पोस्ट साझा किया है. नीतू कपूर ने एनिमल की सक्सेस देखकर पति ऋषि कपूर को याद किया है. जैसा कि एनिमल में बाप-बेटे का एक मजबूत रिश्ता दिखाया गया है, ऐसे में एनिमल में बेटे रणबीर की परफॉर्मेंस देख नीतू कपूर को ऋषि कपूर की याद आना स्वभाविक है.

अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर नीतू कपूर ने फिल्म रिलीज के दूसरे दिन एक इमोशनल नोट शेयर किया है. उन्होंने रणबीर कपूर की एक फोटो शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, ₹काश! ऋषि जी आज यहां होते... इस पोस्ट को शेयर करते हुए नीतू कपूर के शब्दों में दर्द साफ झलक रहा है. उन्होंने बेटे की कामयाबी को देखने के लिए, पिता की गैरमौजूदगी पर दुख जाहिर किया है. साथ ही एनिमल में बेटे और बाप के रिश्ते को लेकर भी वो भावुक नजर आ रही हैं.

इसके अलावा एनिमल के प्रीमियर पर नीतू कपूर बेटे रणबीर कपूर के साथ स्पॉट हुई थीं. मां के साथ हाथों में हाथ डाले रणबीर मीडिया के सामने आए थे. बॉस लेडी लुक में नीतू कपूर बेटे की फिल्म की कामयाबी के लिए हौसलाअफजाई करते नजर आई थीं. साथ में आलिया भट्ट ने भी एनिमल की कस्टिमाइज टी-शर्ट पहनकर रणबीर को सपोर्ट किया था. नीतू कपूर के अलावा आलिया भट्ट ने भी सोशल मीडिया पर रणबीर कपूर के लिए एक इमोशनल पोस्ट डेडिकेट किया है. इसमें एक्ट्रेस ने रणबीर की एक्टिंग, क्राफ्ट की जमकर तारीफ की है. साथ ही ये भी बताया कि एनिमल की सक्सेस के साथ उनकी बेटी राहा ने आज अपना पहला कदम चला है.

'एनिमल' ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार शुरुआत की है. सैकनिल्क के शेयर किए गए आंकड़ों के मुताबिक, एनिमल ने भारत की सभी भाषाओं से लगभग 61 करोड़ रुपये कमाए हैं. साथ ग्लोबल लेवल पर फिल्म ने 200 करोड़ का आंकड़ा पार किया है.

फटे दूध के पानी में प्रोटीन, मिनरल्स और विटामिन

फेंकें नहीं, आटा गूंथने, सब्जी बनाने और बाल धोने में करें इस्तेमाल; मजबूत होगी इम्यूनिटी

काफी लोगों को बाजार में मिलने वाले पनीर से संतुष्टि नहीं मिलती है। ऐसे लोग घर में पनीर बनाना पसंद करते हैं। कई बार गलती से दूध फट जाए तो भी लोग पनीर बना लेते हैं। दूध से पनीर या रसगुल्ला बनाने के बाद लोग फटे दूध यानी छेना के पानी को फेंक देते हैं या थोड़-बहुत अगली बार दूध को फाड़ने के लिए रख लेते हैं।

लेकिन फटे दूध का ये पानी बहुत काम का है। कुकिंग में तो इसके कई इस्तेमाल हैं ही; साथ ही साथ इसमें पर्याप्त मात्रा में प्रोटीन और लैक्टिक एसिड जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं। जो सेहत के लिए काफी फायदेमंद हैं।

ऐसे में फटे दूध के पानी के फायदे और उसके इस्तेमाल के कुछ शानदार तरीके जान लें।

मिनरल्स और विटामिंस से भरपूर है फटे दूध का पानी

न्यूट्रिशनिस्ट बताती हैं-फटे हुए दूध के पानी में प्रोटीन, कॉर्बोहाइड्रेट, फैट, कैल्शियम और लैक्टिक एसिड के अलावा प्रचुर मात्रा में कई तरह के मिनरल्स और विटामिंस पाए जाते हैं। इसमें कैलोरी नाममात्र का होता है। इसका इस्तेमाल खाना बनाने से लेकर पीने तक में किया जा सकता है। इससे हमारी इम्यूनिटी मजबूत होती है। साथ ही यह हाई ब्लड प्रेशर में भी फायदेमंद है। इसे पीने से किडनी की फंक्शनिंग ठीक रहती है।

डेली पीने से पाचन तंत्र बनेगा मजबूत

चीनी या नमक डालकर छेना का पानी पीने से पाचन तंत्र मजबूत बनता है। इससे खाना जल्दी पचता है और भूख भी लगती है। लो कैलोरी के चलते इससे वजन बढ़ने का भी खतरा नहीं होता है।

इन तरीकों से छेना के पानी का इस्तेमाल कर सकते हैं

आटा गूंथने में- छेना के पानी से आटा गूंथने से रोटियां मुलायम और चिकनी बनती हैं।

सब्जी की ग्रेवी में- सब्जी की ग्रेवी में पानी की जगह छेना के पानी को डालने से ग्रेवी ज्यादा रिच, हेल्दी और टेस्टी हो जाती है। किसी भी सब्जी की ग्रेवी में छेना के पानी का इस्तेमाल किया जा सकता है।

सूप में- किसी भी वेजिटेबल सूप में पानी की जगह इसका इस्तेमाल किया जा सकता है।

चावल बनाने में- चावल या पुलाव बनाने में भी नॉर्मल पानी की जगह इसका इस्तेमाल किया जा सकता है।

बाल धोने में- छेना के पानी के कई एक्सटर्नल यूज भी हैं। इससे बाल मुलायम होते हैं। साथ ही इससे डैंड्रफ भी कम होता है। फेश वॉश करते हुए चेहरे को भी इसके पानी से धोया जा सकता है।

संतरे के बाद दूध, गाजर और पपीता है खतरनाक

ठंडी तासीर का फल होने के बावजूद सर्दी के मौसम में संतरा सेहत के लिए फायदेमंद माना गया है। इसमें विटामिन ए-बी-सी, कैल्शियम, मैग्नीशियम और पोटैशियम जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो सर्दियों में इम्यूनिटी को बूस्ट कर बीमारियों से बचाते हैं। स्वाद में लाजवाब संतरे को आंखों और स्किन के लिए भी फायदेमंद माना जाता है। लोग अक्सर नाश्ते के साथ फल या जूस के रूप में संतरे को लेना पसंद करते हैं।

अनेक गुणों से भरपूर संतरा, सेहत के लिए खतरनाक भी हो सकता है। खासतौर से तब जब इसे गलत कॉम्बिनेशन के साथ खाया जाए। संतरे को दूध, गाजर और पपीता के साथ, या फिर तुरंत पहले या बाद खाना सेहत को नुकसान पहुंचाता है। ऐसे में संतरे को खाने के सही तरीके और सही वक्त को जान लेना जरूरी है। ताकि चटक रंग वाला संतरा सेहत फीकी न करे।

'दूध और संतरा एक साथ जहर के समान हैं'

आयुर्वेद के अनुसार हर फल की एक प्रकृति होती है। उसकी प्रकृति के हिसाब से ही उसके खाने का समय और मात्रा तय होती है। किस चीज को किसके साथ खाना या नहीं खाना है, वह भी उसकी प्रकृति पर निर्भर करता है।

संतरा खट्टी प्रकृति का होता है और आयुर्वेद में खट्टी चीजों को दूध के साथ 'जहर के समान' बताया गया है। ऐसे में संतरा खाने के बाद दूध या दूध से बनी कोई भी चीज नहीं खानी चाहिए। इससे स्किन और डाइजेशन की समस्या हो सकती है।

पपीता और गाजर भी नहीं है संतरे का साथी

ठंड के मौसम में संतरे के अलावा गाजर और पपीता भी खूब खाए जाते हैं। लेकिन इनका कॉम्बिनेशन ठीक नहीं है। संतरा खाने के आसपास पपीता और गाजर खाने से बचना चाहिए। अभिषेक उपाध्याय बताते हैं कि संतरा के साथ गाजर या पपीते को खाने से पित्त-दोष हो सकता है।

दोपहर है संतरा खाने का मुफीद समय

संतरे के सुबह या शाम को खाने से बचना चाहिए। जानकार बताते हैं कि इसे खाने का सबसे मुफीद समय दोपहर है। संतरे को भोजन के बाद भी नहीं खाना चाहिए। ऐसे में लंच के थोड़ा पहले संतरा खाना सबसे बेहतर माना जाता है। संतरा खाने के आधे घंटे के भीतर कुछ और खाने से भी बचना चाहिए।

तेज प्यास हाई बीपी-शुगर का संकेत : मुंह सूखे, गाढ़ी-चिपचिपी लार, तो हो जाएं अलर्ट

सौंफ का पानी पिएं, शहद-नींबू-पानी फायदेमंद

कई बार वक्त की कमी के चलते हम शरीर में होने वाले सेहत सम्बन्धी बदलाव को अनजाने में अनदेखा करते हैं। आगे जाकर यह बड़ी हेल्थ प्रॉब्लम की वजह बन सकता है। पानी पीने के बाद भी बार-बार मुंह सूखना और अचानक से तेज प्यास महसूस होना भी किसी बीमारी का लक्षण हो सकता है। डॉक्टर अनुभव शुक्ल से जानें इसका कारण और समाधान।

ड्राई माउथ एसिड को न्यूट्रलाइज करता है

शुष्क मुंह एक ऐसी स्थिति है जिसमें सलाइवरी ग्लैंड्स मुंह की नमी को बनाए रखने के लिए पर्याप्त मात्रा में सलाइवा का उत्पादन नहीं कर पाते। सलाइवा ओरल हेल्थ में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह बैक्टीरिया की ओर से बनाए गए एसिड को न्यूट्रलाइज करने में मदद करता है।

अल्जाइमर का संकेत है ड्राई माउथ

अगर आपका मुंह बहुत ज्यादा सूखता है तो यह स्ट्रोक, डायबिटीज या अल्जाइमर का संकेत हो सकता है। कई बार मुंह सूखने का यह लक्षण एक ऑटोइम्यून डिसऑर्डर जैसे एचआईवी या स्जोग्रेन सिंड्रोम का संकेत भी हो सकता है।

हाइपरग्लाइसीमिया में सूखता है मुंह

हाई ब्लड शुगर लेवल से भी गला सूखने लगता है। अगर ऐसा है तो अलर्ट हो जाएं। ब्लड में शुगर लेवल हाई होने से हाइपरग्लाइसीमिया भी कहा जाता है। नेशनल हेल्थ मिशन के अनुसार, हाइपरग्लाइकेमिया में मुंह सूखने और प्यास बढ़ने के साथ बार-बार यूरिनेशन की प्रॉब्लम भी होती है.

बिगड़ी लाइफस्टाइल से हाई ब्लड शुगर की प्रॉब्लम

तनाव, किसी बीमारी की वजह से, जरूरत से ज्यादा खाना खाने की वजह से, एक्सरसाइज़ की कमी से, हिडाइड्रेशन और डायबिटीज से जुड़ी दवाइयां मिस करने से हाई ब्लड शुगर की प्रॉब्लम होती है.

च्युइंगगम चबाएं

च्युइंगगम चबाएं या लार घोंटने से थोड़ी राहत मिल सकती है। अगर आपकी किसी बीमारी की वजह से पहले से दवाइयां चल रही हैं तो डॉक्टर से इस बारे में बात करें। अगर दवाइयां बदलने की जरूरत है तो डॉक्टर आपको ऐसी दवाइयां लिख सकता है जिससे सलाइवा बनने लगेगा।

सौंफ का पानी पिएं

1 ग्लास पानी डालकर उसमें 1 चम्मच सौंफ और 1 चम्मच मिश्री डालकर उबालें। ठंडा होने पर इसे पीने से मुंह के सूखेपन में फायदा मिलता है। सौंफ में फ्लेवनॉयड्स होते हैं जो लार बनाने में मदद करते हैं।

नींबू और शहद पानी पिएं

1 गिलास पानी में नींबू के रस की कुछ बूंदे और थोड़ा-सा शहद मिलाएं. इसे थोड़ी-थोड़ी देर तक पीते रहें। इससे मुंह में लार बनती रहेगी और ड्राई माउथ प्रॉब्लम नहीं होगी।

नमक के पानी से कुल्ला मुंह-पेट की बीमारियों से बचाएगा

सर्दी-जुकाम, कफ और फ्लू से बचे रहेंगे, सोने से पहले करना सबसे ज्यादा फायदेमंद

नमक के पानी से गरारे करना दादी-नानी के नुस्खे में शामिल रहा है। मुंह की सफाई के लिए अक्सर ऐसा करने को कहा जाता था। लेकिन जापान में हुई एक नई रिसर्च में पाया गया है कि नमक के पानी से कुल्ला करना श्वसन तंत्र के संक्रमण को रोकने में भी कारगर है।

इसके अलावा ऐसा करना सर्दी-जुकाम, कफ और फ्लू में भी राहत देता है। गर्म पानी में चुटकी भर नमक मिलाकर कुल्ला करने से मुंह की सफाई और महकती सांसों के साथ सेहत भी मजबूत होती है। ऐसे में इसके फायदे और सही तरीके को जान लेना जरूरी हो जाता है।

मुंह के साथ पेट और फेफड़ा भी रहेगा सुरक्षित

आमतौर पर माना जाता है कि नमक के पानी से कुल्ला करना सिर्फ साथ मुंह के लिए जरूरी है। लेकिन ऐसा नहीं है। ये मुंह के साथ-साथ पेट और फेफड़े के लिए भी फायदेमंद है।

मुंह में कई तरह के बैक्टीरिया पनपते हैं। अगर इन्हें मुंह में ही खत्म कर दिया जाए तो पेट और फेफड़े सुरक्षित रहते हैं। नमक का पानी इन बैक्टीरिया को खत्म करने में कारगर है।

मौसमी बीमारियों से बचाएगा

सर्दी के मौसम में कई तरह के फ्लू और इन्फेक्शन होते हैं। नमक के पानी से कुल्ला करना इनसे भी बचाता है। गले के इन्फेक्शन और खराश को दूर करने के लिए भी नमक के पानी से कुल्ला किया जा सकता है। इससे छाती में जमा पुराना कफ निकल जाता है और जकड़न से भी राहत मिलती है।

मुंह के पीएच लेवल को मेंटेन करता है

सामान्य रूप से मुंह का पीएच लेवल 6.3% होता है। इससे कम होना यानी मुंह में एसिड के लेवल का बढ़ जाना होता है। ऐसी स्थिति में दांत और मसूड़ों को नुकसान होना शुरू हो जाता है।

नमक का पानी मुंह के पीएच लेवल को बढ़ा कर मेंटेन करता है। जो ओरल हेल्थ के लिए काफी जरूरी है।

रात में सोने से पहले कुल्ला ज्यादा फायदेमंद

हल्के गुनगुने पानी में नमक मिला कर कुल्ला किसी भी वक्त किया जा सकता है। लेकिन इसके लिए रात में सोने से पहले का वक्त सबसे मुफीद होता है। नॉर्मल नमक की जगह अगर सेंधा नमक का इस्तेमाल किया जाए तो यह ज्यादा फायदेमंद होता है।

मेंटल हेल्थ से लेकर शुगर कंट्रोल के लिए जरूरी है ये पोषक तत्व

शरीर के सभी अंगों के बेहतर तरीके से काम करते रहने के लिए पोषक तत्वों से भरपूर आहार की आवश्यकता होती है। पोषक तत्वों की चर्चा में प्रोटीन, आयरन और कुछ प्रकार के विटामिन्स की जरूरतों पर सबसे ज्यादा बात की जाती है। पर क्या आप जानते हैं कि पोटैशियम और मैग्नीशियम भी हमारी सेहत के लिए उसी तरह से जरूरी है। इस लेख में हम मैग्नीशियम की जरूरतों और इससे होने वाले स्वास्थ्य लाभ के बारे में बात कर रहे हैं। मैग्नीशियम एक आवश्यक खनिज है जो मांसपेशियों और तंत्रिकाओं को स्वस्थ रखने, हड्डियों की मजबूती और रक्त शर्करा के स्तर को कंट्रोल करने के लिए आवश्यक है। यदि आपको लंबे समय तक अपने आहार से पर्याप्त मैग्नीशियम नहीं मिलता है, तो यह दिल का दौरा, स्ट्रोक, मधुमेह और ऑस्टियोपोरोसिस जैसी स्वास्थ्य समस्याओं के खतरे को बढ़ा सकती है।

आहार के माध्यम से मैग्नीशियम प्राप्त करना शरीर को स्वस्थ रखने के लिए बहुत आवश्यक माना जाता है। मानसिक और शारीरिक दोनों प्रकार की सेहत को ठीक रखने के लिए ये पोषक तत्व बहुत जरूरी है। मैग्नीशियम, शुगर के लेवल को

कंट्रोल करने में मददगार है और हड्डियों को मजबूत बनाने में भी इसकी भूमिका मानी जाती है। मानसिक स्वास्थ्य को ठीक रखने तनाव को कम करने, चिंता और अवसाद के लक्षणों में सुधार करने में भी इस पोषक तत्व से लाभ मिलता है। रक्तचाप और नींद में सुधार करने के लिए भी इसके लाभ हैं।

डायबिटीज रोगियों के लिए जरूरी है ये मिनरल

मैग्नीशियम, कार्बोहाइड्रेट के मेटाबॉलिज्म और इंसुलिन स्राव के लिए आवश्यक है, यही कारण है कि इसे डायबिटीज के रोगियों के लिए आवश्यक माना जाता है। अध्ययनों की समीक्षा में पाया गया कि मैग्नीशियम सप्लीमेट्स के माध्यम से तेजी से रक्त शर्करा के स्तर को कम करने में मदद मिल सकती है। प्लेसबो की तुलना में मैग्नीशियम सप्लीमेंट्स की मदद से इंसुलिन संवेदनशीलता में सुधार के प्रमाण मिले हैं।

मानसिक स्वास्थ्य विकारों को कम करने में लाभकारी

मैग्नीशियम आपके शरीर की तनाव प्रतिक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यदि आप पर्याप्त मात्रा में मैग्नीशियम नहीं ले रहे हैं, तो आपमें स्ट्रेस की दिक्कत हो सकती है। शोध से पता चलता है कि जो लोग अक्सर तनावग्रस्त रहते हैं, उनके रक्त में मैग्नीशियम का स्तर कम देखा गया है। चिंता और अवसाद जैसी स्वास्थ्य समस्याओं के लक्षणों में सुधार के लिए मैग्नीशियम सप्लीमेंट्स की सलाह दी जाती है।

आहार विशेषज्ञ कहते हैं, मैग्नीशियम की दैनिक आवश्यकताओं की आसानी से पूर्ति की जा सकती है। डॉर्क चॉकलेट, एवोकाडो, सूखे मेवे, टोफू, सीड्स और साबुत अनाज से इस पोषक तत्व की पूर्ति हो सकती है। कद्दू के बीज, बादाम, काजू के सेवन से भी मैग्नीशियम मिल सकता है। रोजाना एक मुट्ठी नट्स का सेवन आपके शरीर को स्वस्थ रखने और पोषक तत्वों की पूर्ति करने में आपके लिए लाभकारी है।

शीतकाल में कौन से रसायन लिए जा सकते हैं?

प्रश्न. मेरी उम्र 40 वर्ष है। पिछले दो माह से पीठ के दर्द से पीड़ित हूं। कृपा कर आयुर्वेदिक उपचार बताएं।

– विजयकांत, सिकंदराबाद

उत्तर. पीठ का दर्द कई कारणों से हो सकता है। जन्मजात विकृतियां, उठने बैठने के ढंग में खराबी, कमजोर मांस पेशिया , कंडराओ में अकड़न या सूजन, व्यायाम का अभाव, भोजन में पोषक तत्वों की कमी, बचपन में पीठ पर चोट लगना, वात वृद्धि आदि कारणों से पीठ में दर्द हो सकता है।

आप जिस स्कूटर या मोटरसाइकिल का प्रयोग करते हैं यदि उसके शाक अब्जॉर्बर खराब हो गए हो तभी भी कंधे व पीठ में दर्द संभव है। ज्यादा झुक कर कार्य करना,एक हाथ से वजन उठाना घंटों एक ही आसन में बैठे रहना भी पीठ के दर्द को बढ़ा सकता है।

पीठ पर रूमाटाइज तेल या उंझा महानारायण तेल की मालिश करें। रूमाटाइज टीकिया, उंझा महायोगराज गुग्गुलु व उंझा वातगजांकुश रस की टिकिया दिन में तीन बार भोजन के बाद लेवे। उंझा अश्वगंधारिष्ट,उंझा दशमूलारिष्ट 10– 10 मिलीलीटर दवा को दुगने पानी में मिलाकर भोजन के बाद लेवे। नित्य हल्का व्यायाम करें, टहले व सदा प्रसन्नचित्त रहें। गरिष्ठ भोजन, वातकारक आहार,कंदमूल (आलू, रतालू,अरबी,मूली आदि) का सेवन एवम् रात्रिजागरण ना करें। बासी खाद्याअन्न व ठंडा पेय,आइसक्रीम आदि के सेवन से बचें।

प्रश्न : मेरी उम्र 50 वर्ष है पहले अम्लपित्त की शिकायत थी। अब मल के साथ सफेद चिकना पदार्थ जाता है । कृपया इसका इलाज बताए ।

– कमलाकर रेड्डी, महबूबनगर

उत्तर : आमाशय में पाचन क्रिया हाइड्रोक्लोरिक एसिड के माध्यम में होती है । प्रकृति ने जीवाणु संक्रमण को रोकने और पाचन क्रिया में सहयोग देने के लिए ही अम्ल बनाया । लेकिन जब यह अम्ल खाद्य पदार्थों द्वारा बढ़ जाता है तो आमाशय की सुरक्षा झिल्ली नष्ट होकर एवं कोशिकाओं के द्वारा जब बड़ा वहां छाला (अल्सर) बन जाता है। मानसिक तनाव और आहार संबंधी अनियमिताएं धूम्रपान, कुछ तेज अंग्रेजी दवाओं का सेवन व संक्रमण इत्यादि इसके प्रमुख कारण है। इसको रोकने के लिए पथ्य आवश्यक है। धूम्रपान , मद्य सेवन, मिर्च - मसाले, तीखे-खट्टे पदार्थ, तले खाद्य पदार्थ का सेवन बंद कर देने देना चाहिए। मल के साथ जो चिकना पदार्थ आता है - वह म्यूकस या आँव है। यह अधिकतर एक परजीवी प्रोटोजोन ' अमीबा ' के संक्रमण के कारण होता है। औरा ट्रायोगोन टिकिया या ऊंझा डायरेंड टिकिया ऊंझा कुटजघन वटी, पंचामृत पर्पटी का प्रयोग तुरंत लाभ करता है। भोजन के बाद ऊंझा बिल्वासव या ऊंझा कुटजारिष्ट का १५ से २० मिलीलीटर को दुगुने पानी में मिलाकर लेना आंव दूर कर देता है। बेल का मुरब्बा या बेल घनवटी, गंगाधर रस से भी इसमें आराम मिलता है।

भोजन सुपाच्य, ताजा और संतुलित हो। दही और छांछ विशेष रूप से हितकारी है। किसी भी प्रकार गरिष्ठ भोजन से बचना चाहिए।

प्रश्न : शीतकाल में कौन से रसायन लिए जा सकते हैं? कृपया बताएं।

– सदाशिवराव, निजामाबाद

उत्तर : रस रक्तादि धातुओं को जो शरीर में बढ़ाएं , ओज को बढ़ाएं और रो ग

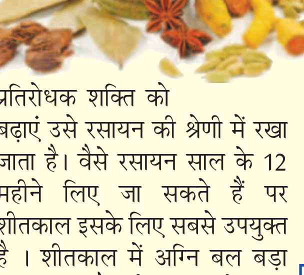

प्रतिरोधक शक्ति को बढ़ाएं उसे रसायन की श्रेणी में रखा जाता है। वैसे रसायन साल के 12 महीने लिए जा सकते हैं पर शीतकाल इसके लिए सबसे उपयुक्त है । शीतकाल में अग्नि बल बड़ा हुआ रहता है। पूरे परिवार के लिए ऊंझा चवनप्राश स्पेशल एक उपयुक्त रसायन है। कमजोर शरीर और नाजुक शारीरिक स्वास्थ्य के व्यक्तियों के लिए औरा कोहिनूरप्राश एक श्रेष्ठ रसायन है।

वयस्क व्यक्तियों के बल को बढ़ाने , उन्हें रोग मुक्त रखने, उनमें जीवनी- शक्ति का संचार करने के लिए ऊंझा रजवाड़ीप्राश श्रेष्ठ रसायन है। मधुमेही शुगर फ्री रजवाड़ीप्राश का सेवन कर सकते हैं । इन रसायनों के सेवन के बाद दूध का अनुपान आवश्यक है। रसायन सेवन के समय खटाई, गरिष्ठ भोजन, तामसिक आहार, बासी भोजन आदि से बचें ।भोजन के बाद ऊंझा द्राक्षासव, ऊंझा सारस्वतारिष्ट व दशमूलारिष्ट प्रत्येक की 10 -10 मिलीलीटर दवा को आधे कप गुनगुने पानी में मिलाकर सेवन करना, रसायन के लाभ देता है।

डॉ.च.पुरुषोत्तम बिदादा

email : purushottambidada@gmail.com

आप अपनी स्वास्थ्य समस्याओं का यदि आयुर्वेदिक इलाज चाहते हैं तो अपनी समस्या संक्षेप में हमें लिखकर भेजें। अपने पत्र पर नीचे दिया गया कूपन अवश्य कचपकाएं।

आयुर्वेदिक स्वास्थ्य प्रश्नोत्तरी

स्वतंत्र वार्ता

396, लोअर टैंक बंड, हैदराबाद-80

सुनहरी मेटल सोना ऑलटाइम हाई पर

पहली बार 64,000 रुपये पर आया-ग्लोबल मार्केट में भी उछाल

नई दिल्ली, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। सुनहरी मेटल सोना आज पूरी चमक के साथ अपने सर्वाधिक उच्च स्तर पर आ गया है।ऑलटाइम हाई पर सोने के रेट चले गए हैं और ये केवल देश में नहीं ग्लोबल लेवल पर देखा जा रहा है।कॉमैक्स पर सोना पहली बार 2100 डॉलर प्रति औंस के ऊपर चला गया है जो इसका रिकॉर्ड हाई लेवल है।

भारत में सोने ने पहली बार बनाया 64,000 रुपये का हाई

देश में सोने के दाम अब तक के सबसे महंगे लेवल पर चले गए हैं और ये पहली बार मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर 64,000 रुपये प्रति 10 ग्राम पर चला गया है।एमसीएक्स पर सुबह 10 बजे सोना 63874 रुपये प्रति 10 ग्राम पर ट्रेड कर रहा था और इसमें 517 रुपये या 0.82 फीसदी की बढ़त देखी जा रही थी।आज सोने के दाम पहली बार 64 हजार रुपये पर गए हैं और ये सोने का ऑलटाइम हाई लेवल है।सोने के दाम एमसीएक्स पर इसके फरवरी वायदा के लिए हैं।

दो महीने में 7000 रुपये बढ़ गया सोने का भाव

सोने ने आज फिर नया रिकॉर्ड तो बना ही लिया है, पिछले 2 महीनों में ये कीमती मेटल 7000 रुपये से ज्यादा महंगी हो चुकी है।

रिटेल बाजार में भी सोना 64000 रुपये के पार

वायदा बाजार में तो सोने का ऑलटाइम हाई रेट दिख ही रहा है, रिटेल बाजार भी पीछे नहीं है।चार प्रमुख मेट्रो शहरों में सोना 64 हजार रुपये से महंगा मिल रहा है।जानें आपके शहर में सोने का लेटेस्ट रेट क्या है-

दिल्ली के गोल्ड रेट जानें

दिल्ली के सर्राफा बाजार में सोना आज 440 रुपये की उछाल के साथ 64350 रुपये प्रति 10 ग्राम पर है।ये 24 कैरेट वाले गोल्ड के रेट हैं।वहीं दिल्ली में 18 कैरेट वाले सोने के दाम 330 रुपये की उछाल के साथ 48270 रुपये प्रति 10 ग्राम पर हैं।

मुंबई में भी उछले सोने के दाम

देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में भी सोने की चमक ऐतिहासिक रूप से बढ़ी है।यहां 24 कैरेट शुद्धता वाला गोल्ड आज 440 रुपये की बढ़त के साथ 64200 रुपये प्रति 10 ग्राम पर है।18 कैरेट शुद्धता वाला सोना 330 रुपये महंगा होकर 48150 रुपये प्रति 10 ग्राम पर है।

चेन्नई में 650 रुपये चढ़े सोने के दाम

चेन्नई में 650 रुपये की तेजी के साथ सोना 65150 रुपये प्रति 10 ग्राम के रेट पर आ गया है जो देश के सभी बाजारों के सबसे महंगे रेट में से है।यहां 18 कैरेट प्योरिटी वाला गोल्ड 600 रुपये चढ़कर 59750 रुपये पर है।

कोलकाता में सोने का भाव ये है

कोलकाता में 24 कैरेट प्योरिटी वाला गोल्ड आज 440 रुपये की बढ़त के साथ 64200 रुपये प्रति 10 ग्राम पर है जबकि 18 कैरेट गोल्ड 330 रुपये बढ़कर 48150 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर बिक रहा है।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में क्यों चढ़ रहे गोल्ड के रेट

साल 2024 की शुरुआत में अमेरिकी फेडरल बैंक के ब्याज दरों में कटौती की बढ़ती उम्मीदों के चलते सोना अब तक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है।यूएस में फेडरल रिजर्व प्रेसिडेंट जेरोम पॉवेल के मॉनिटरी पॉलिसी के लिए सकारात्मक कमेंट के बावजूद डॉलर यील्ड में गिरावट देखी गई है।डॉलर और ट्रेजरी यील्ड में गिरावट गोल्ड के रेट ऊपर चढ़ने के लिए पॉजिटिव वजह होती है।ग्लोबल रेट में उछाल का असर भी भारतीय सर्राफा बाजार में गोल्ड रेट पर देखा जा रहा है।

चीन को झटका! देश की अर्थव्यवस्था को मिलेगा बूस्ट

जापान की ये कंपनी भारत में करेगी बैटरी सेल का प्रोडक्शन

नई दिल्ली, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। कोरोना काल के बाद से भारत की अर्थव्यवथा तूफानी तेजी से आगे बढ़ रही है। पिछले दिनों विदेशी रेटिंग एजेंसियों ने भी भारत की अर्थव्यवस्था पर भरोसा जताया है। वहीं चीन की हालत खराब है। चीन में लगातार बंद हो रहे उद्योग-धंधों के बीच अर्थव्यवस्था में लगातार गिरावट देखी जा रही है। कंपनियां अब चीन के अलावा दूसरे देशों में अपना बिजनेस ले जाने की सोचने लगी हैं। विदेशी कंपनियों का भारत पर भरोसा बढ़ा है। अब देश की अर्थव्यवस्था में और तेजी देखने को मिल सकती है। बिजनेस स्टैंडर्ड की खबर के मुताबिक, जापान की कंपनी टीडीके कॉरपोरेशन भारत आ रही है। यह चीन के लिए एक और बड़ा झटका साबित हो सकता है। एप्पल इंक अपने ग्लोबल लिथियम आयन बैटरी सेल आपूर्तिकर्ता (टीडीके कॉर्पोरेशन) को भारत ला रहा है। रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि जापान की अग्रणी

इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट्स और उपकरण निर्माता देश में असेंबल किए गए आईफोन को पावर देने के लिए भारत में बैटरी सेल का निर्माण करेगी।

कंपनी को आयात करने पड़ रहे सेल

रिपोर्ट के मुताबिक, सेल की आपूर्ति एप्पल के ली-आयन बैटरी असेंबलर, सनवोडा इलेक्ट्रॉनिक्स को की जाएगी। यह पहले से ही देश में काम कर रही है और वर्तमान में दुनिया भर के विभिन्न बाजारों से सेल का आयात करती है। बता दें कि टीडीके ने साल 2005 में ली-आयन बैटरी और सेल निर्माता हांगकांग स्थित एम्पेरेक्स टेक्नोलॉजी लिमिटेड का अधिग्रहण किया था। कंपनी ने हाल ही में हरियाणा में ली-आयन बैटरी के अन्य सेल बनाने को एक इकाई स्थापित करने के लिए जमीन खरीदी थी। अब इसके एप्पल को सेल की आपूर्ति के लिए कमर्शियल प्रोडक्शन शुरू होने की उम्मीद है।

देश की अर्थव्यवस्था को मिलेगा बल

जापान की कंपनी के भारत में बैटरी सेल का प्रोडक्शन करने से देश की अर्थव्यवस्था को और बल मिलेगा। विदेशी रेटिंग एजेंसियों ने भी आने वाले समय में भारत की अर्थव्यवस्था पर भरोसा जताया है। देश में जिस तरह से तेजी से कंपनियां अपना कारोबार बढ़ा रही हैं, उससे आने वाले समय में युवाओं कल लिए रोजगार के नए दरवाजे खुलेंगे। वहीं देश की अर्थव्यवस्था आगे बढ़ेगी।

फिर विवादों में फंसी एयर इंडिया कमरा शेयर करने की लड़ाई मंत्रालय तक पहुंची, सरकार से मिला नोटिस

नई दिल्ली, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। टाटा समूह के स्वामित्व वाली एयर इंडिया एक्सप्रेस एयरलाइन एक बार फिर से चर्चा में है।एयरलाइन के मैनेजमेंट और केबिन क्रू मेंबर्स आमने-सामने आ गए हैं।इसकी शिकायत मिलने पर कंपनी को श्रम मंत्रालय से कारण बताओ नोटिस मिला है।सूत्रों के मुताबिक, एयरलाइन के कई केबिन क्रू मेंबर्स रूम शेयरिंग की व्यवस्था से नाखुश हैं।उन्होंने इसकी शिकायत मैनेजमेंट से की थी।इसके बाद यह शिकायत श्रम मंत्रालय को दी गई।अब मंत्रालय ने एयर इंडिया एक्सप्रेस को नोटिस जारी करते हुए जवाब मांगा है।टाटा ग्रुप ने इस एयरलाइन का अधिग्रहण पिछले साल जनवरी में किया था।इसके बाद कंपनी ने कुछ नई पॉलिसी को लागू किया, जो कि अभी समझौता प्रक्रिया में हैं।

लेबर लॉ के तहत चल रही है समझौता प्रक्रिया

इस नोटिस में आरोप लगाया गया है कि फिलहाल लेबर लॉ के तहत समझौता प्रक्रिया चल रही है।ऐसे में विमानन कंपनी ने सेवा शर्तों में बदलाव क्यों किए हैं।यह इंडस्ट्रियल डिस्प्यूट एक्ट, 1947 की धारा 33 का उल्लंघन है।इस धारा के तहत यदि किसी कंपनी में समझौता प्रक्रिया चल रही हो तो सेवा शर्तों में बदलाव नहीं किया जा सकता।

पिछले महीने सिंधिया को लिखा था पत्र

पिछले महीने एयर इंडिया एक्सप्रेस एम्प्लाइज यूनियन ने नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया को पत्र लिख अपनी समस्याएं बताई थीं।इसमें कई मुद्दे उठाए गए थे मगर लेओवर के दौरान रूम शेयर करने के निर्देश पर कड़ी आपत्ति जताई गई थी।साथ ही कई अन्य सुविधाओं में कटौती को लेकर भी केबिन क्रू खफा है।

पड़ोसी देशों पर निगरानी के बावजूद आ गए 1 लाख करोड़ के एफडीआई प्रपोजल

कोविड-19 के बाद की गई थी सख्ती

नई दिल्ली, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत का आर्थिक लक्ष्य जल्द ही 5 ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी बनने का है।भारत की तरक्की के सफर का हिस्सा बनने की होड़ पड़ोसी देशों में भी लग गई है।भारत की सीमाओं से सटे देशों से लगभग 1 लाख करोड़ रुपये के विदेशी निवेश प्रस्ताव आए हैं।इनमें से भारत सरकार लगभग आधे प्रस्तावों को मंजूरी भी दे चुकी है।सरकार ने इन देशों से आने वाले एफडीआई प्रस्तावों के लिए पहले अनुमति लेना आवश्यक कर दिया था।सरकार की कड़ी निगरानी के बावजूद इतनी बड़ी संख्या में एफडीआई प्रस्तावों का आना भारतीय इकोनॉमी के लिए उत्साहवर्धक है।

घरेलू कंपनियों को बचाने के लिए बढ़ाई थी निगरानी

पड़ोसी देशों से एफडीआई प्रस्तावों का यह आंकड़ा अप्रैल, 2020 से सितंबर, 2023 तक का है।आधे से ज्यादा प्रस्तावों को मंजूरी दी जा चुकी है।बाकी के या तो निरस्त कर दिए गए या फिर उन्हें वापस ले लिया गया है।साथ ही कुछ प्रस्ताव अभी भी मंजूरी का इंतजार कर रहे हैं।कोविड-19 के बाद घरेलू कंपनियों को सुरक्षित रखने के लिए सरकार ने पड़ोसी देशों से आने वाले एफडीआई प्रस्तावों पर नजर रखना शुरू कर दिया था।

सुरक्षा एजेंसियों और कई मंत्रालयों को भेजे जाते हैं

भारत के साथ चीन, पकिस्तान, नेपाल, बांग्लादेश, म्यांमार, भूटान और अफगानिस्तान की सीमाएं मिलती हैं।

भारत सरकार द्वारा निगरानी बढ़ाने के बावजूद निवेशकों का उत्साह कम नहीं हुआ और एक लाख करोड़ के प्रस्ताव आ गए।इन प्रस्तावों को सुरक्षा एजेंसियों और कई मंत्रालयों को भेजा जाता है।हालांकि, इसके चलते बड़ी संख्या में एफडीआई प्रस्ताव वापस भी लिए गए।

सबसे ज्यादा प्रपोजल चीन से आए

नए प्रस्ताव ज्यादातर हैवी मशीनरी, ऑटोमोबाइल, ऑटो पार्ट्स, सॉफ्टवेयर, हार्डवेयर, ट्रेडिंग, ईकॉमर्स और इंजीनियरिंग सेक्टर में आए। इनमें से ज्यादातर प्रस्ताव चीन से आए, जिनका आंकड़ा 2.5 अरब डॉलर रहा।इसके अलावा नेपाल, भूटान और बांग्लादेश ने भी भारत में निवेश की रुचि दिखाई है। अफगानिस्तान से भी करीब 2.57 मिलियन डॉलर के निवेश प्रस्ताव आए हैं।

क्या है 'ग्रीडफ्लेशन' जिसकी चपेट में हैं ब्रिटेन के बाजार

कंपनियां फायदा बना रही पर लोग हुए परेशान

लंदन, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। ब्रिटेन इन दिनों 'ग्रीडफ्लेशन' की चपेट में है।इसके चलते महंगाई की मार झेल रही जनता परेशान है।ब्रिटेन की कम्पटीशन एंड मार्केट्स अथॉरिटी (सीएमए) ने एक रिपोर्ट जारी करते हुए तेजी से बढ़ते इस ट्रेंड पर चिंता जताई है।आइए समझते हैं ये ग्रीडफ्लेशन आखिर क्या बला है।

क्या है ग्रीडफ्लेशन

सीएमए ने हाल ही में एक रिपोर्ट जारी की है।इसके अनुसार ब्रिटेन में कंपनियां तेजी से ग्रीडफ्लेशन को बढ़ावा दे रही हैं।इसके चलते दैनिक उपभोग की वस्तुएं महंगी होती जा रही हैं और लोगों की जेब पर तगड़ी चोट लग रही है।सीएमए के मुताबिक देश में काम कर रही बड़ी ग्रॉसरी कंपनियां अनावश्यक रूप से विभिन्न उत्पादों की कीमतों में इजाफा करती जा रही हैं।जबकि उनकी लागत इतनी नहीं बढ़ी है।इसे अथॉरिटी ने ग्रीडफ्लेशन का नाम दिया है।यानि बेवजह बढ़ी हुई लागत दिखाकर अतिरिक्त मुनाफा कमाना।

महंगाई का असर बताकर बढ़ाती हैं दाम

ग्रीडफ्लेशन को ग्रीड (लालच) और इंफ्लेशन (महंगाई) को मिलाकर बनाया गया है।जब कंपनियां बिना किसी जरूरत के नकली तरीके से कीमतों में इजाफा करने लगती हैं तो उसे ग्रीडफ्लेशन कहा जाता है।कंपनियां इसे महंगाई का असर बताती हैं और इसके नाम पर अतिरिक्त मुनाफा बनाती हैं।मगर, मुनाफा कमाने के इस गलत तरीके का उपभोक्ताओं पर बहुत बुरा असर पड़ता है।उन्हें महंगाई बढ़ने के नाम पर अतिरिक्त पैसा चुकाना पड़ता है जबकि महंगाई उतनी बढ़ी हुई नहीं होती है।

दो तिहाई ब्रांडों ने बढ़ाई बेतरतीब कीमतें

रिपोर्ट के अनुसार, पिछले दो साल में लगभग दो तिहाई ब्रांडों ने ग्रीडफ्लेशन को बढ़ावा दिया।इनमें बच्चों के उत्पाद बनाने वाली, बेक्ड बींस, मेयोनीज और पालतू जानवरों के फ़ूड प्रोडक्ट बनाने वाली कंपनियां शामिल हैं।इन कंपनियों ने बिना वजह कीमतें बढ़ाईं और खाद्य पदार्थों की महंगाई दर में इजाफा कर दिया।

बिजली, गैस और फर्टिलाइजर की वजह से भी बढ़े दाम

हालांकि, रिपोर्ट से पता चला है कि फ़ूड और ग्रॉसरी सेगमेंट में कीमतें बढ़ने की वजह बिजली, गैस और फर्टिलाइजर की बढ़ते रेट भी हैं।इसका असर कंपनियों पर पड़ा है।मगर, इसके अनुपात में उन्होंने काफी ज्यादा रेट बढ़ाए हैं।सीएमए ने कहा कि यह ग्रीडफ्लेशन का ही असर है।

ज्योतिरादित्य सिंधिया ने संसद में कहा- उड़ान स्कीम में 1.30 लाख यात्रियों ने किया हवाई सफर, सुरक्षा नियमों पर मंत्रालय अलर्ट

नई दिल्ली, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। संसद का शीतकालीन सत्र आज से राजधानी दिल्ली की नए संसद भवन में शुरू हो गया।शीतकालीन सत्र के पहले दिन केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कई सवालों के जवाब दिए और एविएशन मिनिस्ट्री के कुछ अपडेट बताए।इनमें उड़ान स्कीम, एयरपोर्ट और फ्लाइट सेफ्टी के मुद्दों सहित कुछ चुनिंदा एयरपोर्ट से जुड़े सवालों के जवाब शामिल हैं।

उड़ान योजना के तहत 1.30 लाख यात्रियों ने हवाई यात्रा की- ज्योतिरादित्य सिंधिया

ज्योतिरादित्य सिंधिया ने राज्यसभा में जानकारी दी कि उड़ान योजना के तहत देश भर में अब तक 1.30 लाख यात्रियों ने हवाई जहाज से सफर कर लिया है।साल 2030 तक देश में हवाई यात्रियों की संख्या बढ़कर कुल 42 करोड़ हो जाने का अनुमान है।उड़ान को लाने का लक्ष्य कम बजट में हवाई सफर का लाभ देना था जिस पर स्कीम खरी उतर रही है।

प्रश्नकाल में दी सिंधिया ने जानकारी

ज्योतिरादित्य सिंधिया ने सदन में प्रश्नकाल के दौरान सवाल के जवाब में जानकारी कि, ₹केंद्र सरकार की उड़ान स्कीम के तहत देश के 1.30 लाख लोगों ने हवाई सफर कर लिया है।ऐसे लोग जिन्होंने कभी फ्लाइट में सफर के बारे में सोचा भी नहीं होगा, उनको हवाई सफर करने का मौका उड़ान स्कीम ने दिलाया है।

क्या है उड़ान स्कीम

नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने उड़ान योजना (उड़े देश का नागरिक) की शुरुआत साल 2016 में की थी।पहले इसे 10 सालों के लिए शुरू किया गया है।स्कीम का उद्देश्य दूरदराज के एरिया को कवर करना और हवाई नेटवर्क से जोड़ना है।साथ ही छोटे शहरों तक कनेक्टिविटी बढ़ाना भी है।इस योजना के तहत 2024 तक 100 हवाई अड्डों को डेवलप करने का लक्ष्य है और अगले साल स्कीम को 8 साल पूरे होंगे।उड़ान के लागू होने के बाद देश के हवाई मानचित्र पर 76 नए हवाई अड्डे जुड़ गए हैं।उड़ान के तहत एयर पैसेंजर्स को अफोर्डेबल रेट पर हवाई सफर कराने के साथ ही लोगों का समय बचाना भी लक्ष्य है।देश की सिविल एविएशन मिनिस्ट्री के क्षेत्रीय संपर्क योजना को उड़ान (उड़े देश का आम नागरिक) के नाम से जाना जाता है।

एविएशन मिनिस्ट्री की प्राथमिकता में से है सेफ्टी- सिंधिया

सिंधिया ने ये भी कहा कि सेफ्टी हमारे एविएशन मिनिस्ट्री की प्राथमिकता है।सुरक्षा के लिए बीसीएएस (ब्यूरो ऑफ सिविल एविएशन सिक्योरिटी) सभी हवाई अड्डों पर पैनी नजर रखता है और सुरक्षा के लिए डीजीसीए सीएआर (सिविल एविएशन) जारी करता है।बीसीएएस हमारा संस्थान है और इससे यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखा जाता है।जब भी कोई एयरलाइन या एयरपोर्ट दोषी पाया जाता है, तो उन पर जुर्माना लगाया जाता है।

महाराष्ट्र के नांदेड़ हवाई अड्डे से जुड़े सवाल का भी दिया जवाब

ज्योतिरादित्य सिंधिया ने महाराष्ट्र के नांदेड़ हवाई अड्डे पर पूछे गए सवाल के जवाब में बताया कि ये राज्य सरकार का एयरपोर्ट है।महाराष्ट्र सरकार ने एक प्राइवेट कंपनी को नांदेड़ एयरपोर्ट दिया था जिसके बाद इस पर फ्लाइट ऑपरेशन शुरू भी हो गए थे।हालांकि बाद में एयरपोर्ट ऑपरेशंस बंद हो गए।

विधानसभा चुनावों में बीजेपी की धांसू जीत के चलते शेयर बाजार छप्परफाड़ तेजी के साथ हुआ बंद, 6 लाख करोड़ बढ़ गई निवेशकों की संपत्ति

नई दिल्ली, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। केंद्र में सत्ताधारी पार्टी बीजेपी की तीन राज्यों में हुए विधानसभा चुनावों में शानदार जीत और वहां बनने जा रही सरकार से उत्साहित भारतीय शेयर बाजार में रिकॉर्ड तेजी के साथ सोमवार 4 दिसंबर 2023 को कारोबारी सेशन में क्लोज हुआ है।सेंसेक्स 1400 अंकों और निफ्टी 430 अंकों के उछाल के साथ नए ऐतिहासिक हाई पर जा पहुंचा।आज के सत्र में बैंकिंग के साथ ही सरकारी कंपनियों के शेयरों में जोरदार तेजी देखने को मिली है।निवेशकों की संपत्ति में एक ही सत्र में 6 लाख करोड़ रुपये का इजाफा देखने को मिला है।आज का कारोबार खत्म होने पर बीएसई सेंसेक्स 1384 अंकों के उछाल के साथ 68,865 अंकों तो नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 419 अंकों के उछाल के साथ 20,686 अंकों पर बंद हुआ है।

आज के सेशन में सेंसेक्स - निफ्टी ऐतिहासिक हाई पर जा पहुंचा।तो बैंक निफ्टी भी 1668 अंकों के उछाल के एतिहासिक हाई 46,484 अंकों पर जा पहुंचा।निफ्टी मिड कैप इंडेक्स और स्मॉल इंडेक्स भी अपने लाइफटाइम हाई पर जाकर क्लोज हुआ है।आज के ट्रेड में सरकारी और निजी दोनों ही बैंकों के शेयरों में तेजी रही।सरकारी कंपनियों में भी बड़ी खरीदारी रही।सेंसेक्स के 30 शेयरों में 25 तेजी के साथ और 5 गिरकर बंद हुए।जबकि निफ्टी के 50 में से 45 शेयक तेजी के साथ 5 गिरकर बंद हुए। शेयर बाजार में शानदार तेजी के चलते बीएसई पर लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाईजेशन ऐतिहासिक हाई पर जाकर क्लोज हुआ है।आज के ट्रेड में मार्केट कैप 343.45 लाख करोड़ रुपये रहा है।जबकि पिछले सत्र में मार्केट कप 337.53 लाख करोड़ रुपये रहा था।यानि आज के ट्रेड में निवेशकों की संपत्ति में 6 लाख करोड़ रुपये का इजाफा देखने को मिला है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति	
सूर्य-	तुला में
चंद्र-	सिंह में
मंगल	तुला में
बुध-	धनु में
गुरु-	मेष में
शुक्र-	कन्या में
शनि-	कुंभ में
राहु-	मीन में
केतु-	कन्या में

लग्नारंभ समय	
वृश्चिक.	05-13 बजे
धनु.....	07-26 बजे
मकर..	09-32 बजे
कुंभ...	11-24 बजे
मीन ..	13-00 बजे
मेष--	14-37 बजे
वृष--	16-22 बजे
मिथुन..	18-22 बजे
कर्क...	20-34 बजे
सिंह...	22-47 बजे
कन्या..	00-53 बजे
तुला.....	03-02 बजे

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2080
शक संवत् -1945, सूर्य - दक्षिणायने ,ऋतु- हेमन्त
महावीर निर्वाण संवत् -2550,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426876
कलियुग संवत् -5124 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949124
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885124

सूर्योदय - 06-35
सूर्यास्त - 17-36

दिशाशूल -- उत्तर - गुड खाकर घर से निकले
तिथि- अष्टमी - 00 -37 - तक उपरान्त नवमी
मास - मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष , मंगलवार 05 December
नक्षत्र - पूर्वाफाल्गुनी - 03- 37 - तक उपरान्त उ.फाल्गुनी
योग - विष्कुंभ - 22 - 41- तक उपरान्त प्रीति
करण- बालव - 11 -18 - तक उप- कौलव
विशेष:-
व्रत -त्योहार - श्री कालभैरवाष्टमी

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 16:16 से 17:39 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया		
उत्पात	06:35 - 07:56	अशुभ
चंचल	07:56 - 09:19	शुभ
लाभ	09:19 - 10:42	शुभ
अमृत	10:42 - 12:06	शुभ
काल.	12:06 - 13:29	अशुभ
शुभ.	13:29 - 14:53	शुभ
रोग	14:53 - 16:16	अशुभ
उत्पात	16:16 - 17:36	अशुभ

रात का चौघड़िया		
शुभ	17:39 - 19:16	शुभ
अमृत	19:16 - 20:53	शुभ
चंचल	20:53 - 22:29	शुभ
रोग	22:29 - 24:06	अशुभ
काल.	24:06 - 01:43	अशुभ
लाभ	01:43 - 03:19	शुभ
उत्पात	03:19 - 04:56	अशुभ
शुभ	04:56 - 06:33	शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)
आज आप किसी भी ,अच्छे-बुरे तरीके से अपना लक्ष्य पा लेने के मूड में हैं । काफी समय तक हाशिये पर रहने के बाद आपको आज अपने ग्रहों की बदौलत काफी आत्मविश्वास का अनुभव होगा । आप अपनी मानसिक प्रवृति के आधार पर फैसले ले सकते हैं,यकीन मानिए वे सही ही साबित होंगें ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)
अपने वादों का सम्मान करें । आपको इसके लिए अपने मजे तथा आनंद के समय से समझौता करना पड़ सकता है परन्तु अगर आप दूसरों को दुःख नही पहुंचना चाहते तो आपको यह करना पड़ेगा । आपकी कल्पनात्मक शक्ति आपको लक्ष्य प्राप्ति में सहायता करेगी | आप मानवीय आवश्यकताओं का ध्यान रखते हैं, आपकी प्रगति तय है ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)
आपकी अपने पिछले समय में से किसी पुराने व्यक्ति से मिलने की सम्भावना है और यह व्यक्ति आपके भविष्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा सहायता करने और लेने में अपने पूर्वाग्रहों को आड़े ना आने दें ,इससे आपकी प्रगति के नए रास्ते खुल सकते हैं अब कोई भी बदलाव नयी सफलता ही लाएगा ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
काफी समय से जिन्दगी एक ही ढर्रे पर चल रही है,कुछ मजेदार भी नही हो रहा ।अपनी नीरस जिंदगी में कुछ साहसिक गतिविधि शामिल करें । अपने पसंदीदा पर्यटन स्थल पर जा सकते हैं या कहीं भी बाहर घूम आयें । महत्वपूर्ण कामों को पूरा करने के लिए कुछ समय तक खुद को कुछ सामाजिक और निजी गतिविधियों से दूर कर लें ताकि एकाग्रता से काम कर पायें ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
पुरानी और बेकार चीजों को जीवन से हटा देने का समय है । आप किसी पिछली स्थिति से महज किसी अहसान की भावना या मजबूरी के चलते चिपके हुए हैं जो अब आपको कतई पसंद नही है । आपको इसमें से बाहर आ पाना मुश्किल लग रहा था ,लेकिन आज आप इस स्थिति से बाहर आने के लायक मानसिक शक्ति जुटा पायेंगे । आपको अपने इस काम में किसी घटना से भी मदद मिलेगी।

कन्या (टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,)
आज आप बिना किसी कारण के जिद्दी बने हुए हैं और सबके कहने तथा अपने खुद के मन की भी नही सुनना चाहते । आपको यह समझना है की इस रवैये से आपको कुछ हासिल नही होगा । आपको अपनी वर्तमान समस्याओं से पार पाने के लिए अपने दिल और दिमाग को खुला रखना होगा । आसानी से इस समय की अपनी स्वास्थ्य सम्बन्धी स्थितियों का जायजा अपनी मानसिक दृष्टि से ले सकते हैं ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
आप आज आत्मविश्वास से भरे रहेंगे और किसी अधूरे पड़े काम को हाथ में लेंगे । समस्याएं आएँगी लेकिन आपका रास्ता नही रोक पाएंगी । कोई अच्छा दोस्त आपका साथ देगा । कार्यस्थल पर मिलने वाले एक महत्वपूरण सम्बन्ध की सहायता से नया मौका मिलेगा ।अतीत के फेर से निकलकर आगे की सोचें ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
आपकी वर्तमान जिंदगी में काफी उतार चढाव आ रहे हैं । लेकिन आपको उनसे जल्दी ही छुटकारा मिलने वाला है । अपना नजरिया हमेशा की तरह सकारात्मक बनाये रखें,स्थिति जल्दी ही बेहतर होगी । लोग आपसे सहायता मांगेंगे और आप उनकी सहायता में व्यस्त होकर अपनी चिंताएं भूल जायेंगें ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
भाग्य आपकी वित्तीय स्थिति पर मुस्कुरा रहा है और अधिक कमाई के कारण आप के खर्चे भी बढ़ गए हैं।अब समय आ गया है की आप अपने खर्च पर नियंत्रण रखें । अब फिजूलखर्ची से बचना होगा । आपके परिजन या किसी करीबी के साथ ऐसा कुछ होगा कि आपके भीतर भी उससे अशांति आएगी ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
आज कर्म में आपका विश्वास और पक्का हो जाएगा । आप यह मान लेंगे कि कर्म का फल अवश्य मिलता है । आप दूसरों की तकलीफ समझते हैं । आप सबसे आगे चलते हुए अपने व्यक्तित्व की उदारता की भी नोट करेंगे । कोई आपसे मदद मांगेगा । प्रियजनों के साथ छोटी-मोटी यात्रा कर सकते हैं । किसी परिजन को थोडा बीमार होने के कारण आपकी देखभाल की जरुरत पड़ सकती है ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)
आज का दिन आपके लिए विशेष हो सकता है । आपके दृष्टिकोण में आज कोई नया आयाम जुड़ेगा या आप किसी अपरिचित व्यक्ति के दृष्टिकोण से अत्यधिक प्रभावित होंगे । आपको यह सीख मिलेगी कि अपना भविष्य तय करने में तथा अपनी जिंदगी में फिलहाल चल रही समस्या से जूझने में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका आप०को ही निभानी है ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
आप पिछले कुछ दिनों से काफी व्यस्त दिनचर्या बिता रहे हैं । अब सारी चीजों को व्यवस्थित करने का समय है । आज आपको तुलनात्मक रूप से थोड़ी राहत मिलेगी,लेकिन आपको इस समय का उपयोग अपनी सब चीजों को व्यवस्थित करने में लगाना चाहिए । नही तो सब कुछ और अधिक उलझता जाएगा और आप स्थिति के नियंत्रण से बाहर होने के कारण और भी अधिक परेशान रहेंगे ।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

भाजपा ने सारे विधायकों को रायपुर बुलाया

ओम माथुर, मनसुख मंडाविया पहुंचे, सीएम की रेस में डॉ. रमन, विष्णुदेव और अरुण साव

रायपुर, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में भाजपा ने 54 सीटों के साथ सरकार बना ली। अपने इतिहास में भाजपा ने सबसे ज्यादा सीटों पर जीत दर्ज की। इसी तरह कांग्रेस ने अब तक सबसे कम 35 सीटें हासिल की है।

भाजपा का बहुमत आने के बाद जब सीएम रेस की बात आई, तो रायगढ़ से जीते ओपी चौधरी के बारे में तेजी से अफवाह फैली कि उन्हें दिल्ली बुला लिया गया है। आखिर में ओपी चौधरी को ट्वीट करना पड़ा कि ये झूठी खबर फैलाई गई है।

इधर, पिछली बार भारतीय जनता पार्टी का वोट शेयर 32.97 प्रतिशत था, इस बार 14 प्रतिशत बढ़कर 46.27 प्रतिशत हो गया है। यह अब तक भाजपा का सर्वाधिक वोट शेयर प्रतिशत है।

सीएम के लिए पहला नाम डॉ. रमन सिंह का

बहुमत मिलने के बाद भाजपा में अब सीएम की रेस है। डॉ. रमन सिंह का नाम सबसे आगे है, लेकिन पार्टी शुरुआत से ही ओबीसी की बात करती रही है। ऐसे में प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव और धरमलाल कौशिक बड़ा चेहरा हैं। वहीं आदिवासी चेहरे के रूप में विष्णुदेव साय और रामविचार नेताम बड़ा नाम हैं।

दूसरी ओर नेता प्रतिपक्ष के लिए कांग्रेस की ओर से चरणदास महंत और भूपेश बघेल का नाम पहली कतार में है। भूपेश बघेल ओबीसी के रूप में कांग्रेस के पास राष्ट्रीय चेहरा हैं, इसलिए हो सकता है कि लोकसभा चुनाव में कांग्रेस इसे भुनाना चाहे।

मंत्रिमंडल में अनुभवी और युवाओं का मिश्रण

चर्चा है कि मंत्रिमंडल ऐसा होगा, जिसमें युवा चेहरे भी शामिल होंगे और अनुभवी लोगों को भी शामिल किया जाएगा। अनुभवी लोगों में बृजमोहन अग्रवाल, अमर अग्रवाल, अजय चंद्राकर, राजेश मूणत, धरमलाल कौशिक, रामविचार नेताम, केदार कश्यप शामिल हैं, जबकि नए और युवा चेहरों में अरुण साव, ओपी चौधरी, विजय शर्मा जैसे नाम शामिल हैं।

भाजपा के तीन सांसद जीते, विजय बघेल हारे, कांग्रेस के सांसद हारे

इस चुनाव में भाजपा ने चार सांसदों को मैदान में उतारा। रायगढ़ सांसद गोमती साय को पत्थलगांव से, दुर्ग सांसद विजय बघेल को पाटन से, बिलासपुर के

सांसद अरुण साव को लोरमी से और सरगुजा सांसद रेणुका सिंह को भरतपुर-सोनहत से मैदान में उतारा। इनमें गोमती साय, अरुण साव और रेणुका सिंह ने जीत दर्ज की, जबकि विजय बघेल, मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से हार गए। कांग्रेस ने अपने एक सांसद दीपक बैज को चित्रकोट से उतारा, वे भाजपा के विनायक गोयल से चुनाव हार गए।

पहले चरण में भाजपा को 20 में 11 और दूसरे चरण में 70 में से 42 सीटें भाजपा को

7 नवंबर को पहले चरण का मतदान हुआ था। इसमें बस्तर संभाग की 12 और राजनांदगांव लोकसभा की 8 सीटों के लिए वोटिंग हुई थी। इन 20 सीटों में भाजपा ने 11 सीटें जीती हैं, जबकि कांग्रेस को 9 सीटें मिलीं। दूसरे चरण की वोटिंग 17 नवंबर को हुई। इसमें भाजपा को 42 सीट मिली और कांग्रेस को 26 सीट मिली। एक सीट गोंडवाना गणतंत्र पार्टी को मिली।

कांग्रेस ने जिन 22 विधायकों के टिकट काटे, उनमें से 15 सीटें हारीं

कांग्रेस को 22 विधायकों का टिकट काटना भारी पड़ गया। जिन 22 विधायकों के टिकट काटे गए, उनमें से 15 सीटों पर उसे हार का सामना करना पड़ा है। कांग्रेस ने प्रतापपुर, पंडरिया, नवागढ़, रामानुजगंज, जगदलपुर, महासमुंद, सामरी, कांकेर, धरसींवां, चित्रकोट, अंतागढ़, दंतेवाड़ा, रायपुर ग्रामीण, मनेंद्रगढ़ और पाली तानाखार से सीटिंग एमएलए की टिकट काटी थी। भाजपा ने बिंद्रानवागढ़ और बेलतरा से विधायकों की टिकट काटी थी। इनमें एक में जीत और एक में हार का सामना करना पड़ा।

70 साल से ज्यादा उम्र के 12 प्रत्याशी, 6 जीते और 6 हारे

चुनाव में 70 साल से ज्यादा उम्र के 12 प्रत्याशी रहे। भाजपा से डोमनलाल कोर्सेवाड़ा 75 साल के, बैकुंठपुर से भैयालाल राजवाड़े 71 साल के, मुंगेली से पुन्नूलाल मोहले 72 साल के, धर्मजीत सिंह 70 साल और राजनांदगांव से डा. रमन सिंह 70 के साल के हैं। सभी ने चुनाव जीते। कांग्रेस के 70 पार वाले चुनाव हार गए। इनमें मनेंद्रगढ़ से रमेश सिंह 72 साल, प्रेमनगर से खेलसाय सिंह 76 साल के, टीएस सिंहदेव 71 साल के, रामपुकार सिंह 86 साल के और ताम्रध्वज साहू 74 साल के हैं।

भिलाई में हमेशा एक बार भाजपा तो एक बार कांग्रेस जीतती रही, लेकिन इस बार ये ट्रेंड टूट गया। यहां से देवेंद्र यादव ने भाजपा के प्रेमप्रकाश पांडेय को हरा दिया। वहीं सीतापुर में आज तक कांग्रेस के अलावा किसी भी दूसरी पार्टी ने जीत दर्ज नहीं की थी। सेना से इस्तीफा देकर चुनाव लड़ रहे रामकुमार टोप्पो को भाजपा ने मैदान में उतारा और यह ट्रेंड बदल दिया। 20 साल के विधायक व मंत्री अमरजीत भगत को उन्होंने हरा दिया।

चुनाव में भाजपा-कांग्रेस सहित अन्य दलों और निर्दलीय मिलाकर 1181 प्रत्याशियों की किस्मत का फैसला हुआ। पहले चरण में 223 प्रत्याशियों में 198 पुरुष और 25 महिलाएं थीं। वहीं दूसरे चरण में 958 उम्मीदवारों में 827 पुरुष और 130 महिलाएं चुनावी मैदान में थे। भाजपा ने इस बार 15 और कांग्रेस से 18 महिलाओं को टिकट दिया था।

पिछले चुनाव यानी 2018 में 132 महिला प्रत्याशी चुनाव में उतरी थीं, लेकिन इनमें से सिर्फ 13 को ही जीत मिली। भाजपा ने तब 14 महिलाओं को टिकट दिया, जिसमें सिर्फ 1 को जीत मिली, वहीं कांग्रेस की 13 में से 10 महिला प्रत्याशी जीतकर विधानसभा पहुंची थी।

सीजी के 90 नए विधायकों की प्रोफाइल, जीत की वजह

अनपढ़, 5वीं पास से लेकर एलएलबी और पूर्व आईएएस तक पहुंचे विधानसभा

रायपुर, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में नई सरकार बन गई है। बीजेपी के 54 और कांग्रेस के 35 प्रत्याशी अब विधायक बन गए हैं। वहीं एक प्रत्याशी जीजीपी से छत्तीसगढ़ विधानसभा का सदस्य बना है। इसमें अनपढ़, 5वीं पास से लेकर एलएलबी और पूर्व आईएएस तक विधानसभा पहुंचे हैं। चलिए आपको बताते हैं सभी 90 विधायकों की प्रोफाइल डिटेल के साथ उनकी जीत की वजह

रायपुर संभाग के 5 जिले

रायपुर
बलौदाबाजार
धमतरी
गरियाबंद
महासमुंद

दुर्ग संभाग के 8 जिले

बालोद
बेमेतरा
दुर्ग
राजनांदगांव
कबीरधाम
खैरागढ़-छुईखदान-गंडई
मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी

सरगुजा संभाग के 6 जिले

बलरामपुर-रामानुजगंज
जशपुर
कोरिया
मनेंद्रगढ़-चिरमिरी- भरतपुर
सूरजपुर
सरगुजा

बिलासपुर संभाग के 8 जिले

बिलासपुर
गौरेला- पेंड्रा- मरवाही
जांजगीर-चांपा
कोरबा
मुंगेली
रायगढ़
सक्ति
सारंगढ़-बिलाईगढ़

बस्तर संभाग के 7 जिले

बस्तर
बीजापुर
नारायणपुर
सुकमा
दंतेवाड़ा
कोंडागांव
कांकेर

दुकान में लगी भीषण आग, जिंदा जला डॉग

पति-पत्नी भी बचाते समय झुलसे, अस्पताल में इलाज जारी

भिलाई, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। दुर्ग जिले के भिलाई में वैशाली नगर थाना क्षेत्र के रामनगर शनि मंदिर के पास बीएलवीके चश्मा दुकान में रविवार रात आग लग गई। आग की चपेट में पालतू डॉग आ गया। उसे बचाने में दुकान मालिक समीर कुमार गुप्ता और उनकी पत्नी भी झुलस गए। अधिक जल जाने से समीर को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है।

जिला सेनानी नगर सेना और जिला अग्निशमन अधिकारी नागेंद्र कुमार ने बताया कि उन्हें रात करीब 9.30 बजे सूचना मिली थी कि भिलाई के राम नगर क्षेत्र में आग लगी है। उन्होंने देखा कि बंशीलाल विनोद कुमार ऑप्टिकल हाउस में आग लगी है। इसी दुकान के पीछे मकान मालिक भी रहते हैं। सभी लोग आग को बुझाने में लगे हुए थे।

दमकल कर्मियों ने तुरंत पूरे एरिया को अपने कंट्रोल में लिया। लगभग दो घंटे की कड़ी मसक्कत के बाद दमकल कर्मियों ने रात 12.30 बजे आग पर काबू पा लिया। दुर्घटना के दौरान मौके पर काफी भीड़ मौजूद रही। वैशाली नगर पुलिस भी भीड़ को व्यवस्थित करने के लिए पहुंची थी। दुकान के मालिक समीर कुमार गुप्ता कि आग से काफी बड़ा नुकसान हुआ है। आग शॉर्ट सर्किट की वजह से लगी है। आग से पूरी दुकान जल गई। गनीमत यह रही कि आग अधिक नहीं बढ़ पाई, नहीं तो पीछे समीर गुप्ता अपने परिवार के साथ रहते हैं और उनकी चश्मे की दुकान के ठीक ऊपर जिम सेंटर भी था।

प्रत्यक्षदर्शी योगेश ने बताया कि दुकान समीर कुमार गुप्ता की थी। दुकान के पास ही उनका पालतू डॉग भी बधा रहता है। आग लगने से उनका कुत्ता जलने लगा था। उसे भौंकता देख समीर गुप्ता भागे और उसे बचाने का पूरा प्रयास किया। दुर्भाग्य से वो अपने डॉग को नहीं बचा पाए। डॉग को बचाने के प्रयास में समीर गुप्ता का हाथ और पीठ झुलस गया। वहीं उनकी पत्नी का हाथ भी जला है।

छत्तीसगढ़ में सियासी हलचल तेज

एजी सतीशचंद्र वर्मा का इस्तीफा, पीएस आलोक शुक्ला ने खाली किया बंगला

रायपुर, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में सरकार बदलते ही नई सरकार को लेकर हलचल तेज हो गई है। रायपुर से लेकर दिल्ली तक बैठकों का दौर शुरू हो गया है। बीजेपी प्रदेश प्रभारी ओम माथुर, सह प्रभारी मनसुख मांडविया और नितिन नबीन रविवार से ही रायपुर में हैं। वो सभी नेताओं और नवनिर्वाचित विधायकों से मुलाकात कर रहे हैं। प्रदेशाध्यक्ष अरुण साव भी नए विधायकों से मिल रहे हैं।

दूसरी तरफ, कांग्रेस की सरकार जाते ही इस्तीफों का दौर शुरू हो गया है। प्रदेश के महाधिवक्ता सतीशचंद्र वर्मा ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के इस्तीफा देने के घंटे भर के बाद ही राज्यपाल को अपना रिजाइन भेज दिया। उन्होंने लेटर में मुख्यमंत्री और उनकी कैबिनेट के साथ ही अफसरों को भी धन्यवाद दिया है। वहीं, खबर है कि भूपेश सरकार में संविदा नियुक्ति पर प्रमुख सचिव रहे डॉ आलोक शुक्ला ने देवेंद्र नगर ऑफिसर कॉलोनी में मिले अपने बंगले को खाली कर दिया है।

धरसींवा सीट से बीजेपी के टिकट पर जीतकर विधायक बने अनुज शर्मा ने बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष और लोरमी से जीतने वाले अरुण साव से मुलाकात की। इस दौरान दोनों ने एक-दूसरे को जीत और पार्टी की सरकार बनने की बधाई दी। भूपेश बघेल ने कल रात को ही राज्यपाल को अपना इस्तीफा सौंपा था। इसी के ठीक घंटे भर बाद ही छत्तीसगढ़ के महाधिवक्ता सतीशचंद्र वर्मा ने भी राज्यपाल को अपना रिजाइन भेज दिया। उन्होंने लेटर में मुख्यमंत्री और उनकी कैबिनेट के साथ ही अफसरों को भी धन्यवाद दिया है।

स्वस्थ परंपरा के रूप में इस्तीफा दे रहा हूं

महाधिवक्ता सतीशचंद्र वर्मा ने रिजाइन लेटर में लिखा- मैं महाधिवक्ता पद से इस्तीफा दे रहा हूं। एक स्वस्थ परंपरा के रूप में इस्तीफा दे रहा हूं, ताकि नए मुख्यमंत्री के लिए अधिवक्ता के पद पर नियुक्ति का मार्ग प्रशस्त हो सके। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और उनके मंत्रिमंडल के साथियों से जो सहयोग मुझे मिला, उसके लिए मैं आभार व्यक्त करता हूं। राज्य के हितों की रक्षा के लिए अफसरों की टीम ने भी भरपूर सहयोग दिया।

संविदा प्रमुख सचिव डॉ आलोक शुक्ला ने खाली किया बंगला

सूत्रों से पता चला है कि संविदा नियुक्ति पर प्रमुख सचिव डॉ आलोक शुक्ला आज अपना इस्तीफा प्रदेश के मुख्य सचिव अमिताभ जैन को भेज सकते हैं। इससे पहले उन्होंने देवेंद्र नगर ऑफिसर कॉलोनी में मिले अपने बंगले को खाली कर दिया है। सूत्रों की माने तो डॉ आलोक शुक्ला दो ट्रकों के जरिए बंगले का सामान लेकर टेमरी स्थित अपने निजी आवास में शिफ्ट हो गए हैं। छत्तीसगढ़ में भाजपा ने 54 सीटों के साथ सरकार बना ली। अपने इतिहास में भाजपा ने सबसे ज्यादा सीटों पर जीत दर्ज की। इसी तरह कांग्रेस ने अब तक सबसे कम 35 सीटें हासिल की है। भाजपा का बहुमत आने के बाद जब सीएम रेस की बात आई, तो रायगढ़ से जीते ओपी चौधरी के बारे में तेजी से अफवाह फैली कि उन्हें दिल्ली बुला लिया गया है।

आखिर में ओपी चौधरी को ट्वीट करना पड़ा कि ये झूठी खबर फैलाई गई है।

खूंखार लकड़बग्घे का आतंक

युवक पर किया हमला, हुई मौत

जगदलपुर, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। केशकाल थाना क्षेत्र के अंतर्गत बेड़मा पटवारीपारा में दो लकडबग्घे ने एक युवक पर रविवार की शाम हमला कर दिया। घटना की जानकारी लगते ही मौके पर पुलिस टीम पहुंची और घायल को बेहतर उपचार के लिए अस्पताल ले गए। जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।

मामले के बारे में जानकारी देते हुए केशकाल थाना प्रभारी ने बताया कि बेड़मा पटवारीपारा में एक युवक पैदल जा रहा था। तभी अचानक दो लकड़बग्घे ने हमला कर घायल कर दिया। घटना के बाद घायल को अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती किया गया। जहां उपचार के दौरान मौत हो गई। मृतक व्यक्ति के पास किसी भी प्रकार के दस्तावेज नहीं मिले हैं। जिससे इसकी पहचान नहीं हो पा रही है। जिसके बाद केशकाल पुलिस ने मृतक के फोटो को सोशल मीडिया ग्रुप में शेयर करते हुए मृतक के बारे में जानकारी जुटाई है।

मृतक की फोटो को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने की बात भी कही है। जिससे कि अगर कोई मृतक व्यक्ति को पहचान लेता है तो इसकी सूचना तत्कालीन केशकाल थाना आकर अथवा फोन के माध्यम से पुलिस को दे सकता है।

धनबाद जेल, अमन सिंह हत्याकांड

पिता और भाई पहुंचे एसएनएमएमएच, कहा – प्लानिंग के तहत मरवाया, जेल के भीतर हथियार जाना प्रशासनिक विफलता

धनबाद, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। धनबाद मंडल जेल में अमन सिंह पर हुई गोलीबारी के बाद उसे शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल ले जाया गया था। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद से शव वहीं मॉर्चरी में रखा गया था। आज सुबह अमन सिंह के बड़े भाई अजय सिंह और पिता उदय भवन सिंह अस्पताल पहुंचे। जहां उन्होंने शव को देखा और पोस्टमार्टम की प्रक्रिया में लग गए। वहीं प्रशासन की ओर से भी जांच प्रक्रिया जारी है। इस दौरान परिजनों ने कई सवाल खड़े किए।

अमन सिंह के बड़े भाई अजय सिंह और पिता उदय भवन सिंह ने बातचीत के क्रम में कहा कि जेल में किसी की हत्या होती है, तो जिम्मेदारी सिर्फ और सिर्फ जेल तथा जिला प्रशासन की है। वह भी तब जब उक्त बंदी न्यायालय तथा मीडिया के सामने चिल्ला-चिल्ला कर अपने हत्या की आशंका जताई हो। अमन सिंह अपनी जान बचाने के लिए न्यायालय और मीडिया से चिल्ला गुहार लगाता रहा। परंतु इस पर किसी ने नहीं ध्यान नहीं दिया और अंततः अति सुरक्षित माने जाने वाले धनबाद जेल में उसे गोलियों से छलनी कर दिया गया।

परिजनों ने बताया कि पहले भी कई बार अमन को जान से करने की कोशिश हुई थी। जिसकी शिकायत उसकी पत्नी ने लिखित तौर पर न्यायालय के समक्ष किया था। साजिश के तहत उसे जहर देने की भी कोशिश की गयी थी। ऐसे में उसकी हत्या होना इस बात को साबित करता है कि अमन सिंह के द्वारा पूर्व में लगाए गए आरोप सही थे। इसे एक सामान्य हत्या नहीं कहा जा सकता है बल्कि, यह हाई प्रोफाइल साजिश है। जिसके तहत अमन सिंह को जेल के भीतर गोलियों से छलनी कर हत्या कर दी गयी। उत्तर प्रदेश के अंबेडकर नगर निवासी अमन सिंह धनबाद के पूर्व डिप्टी मेयर नीरज सिंह समेत चार लोगों की हत्या के मामले में आरोपी था। वर्ष 2021 से वह धनबाद जेल में बंद था। इस दौरान उसे धनबाद जेल से 7 मई 2022 को दुमका जेल शिफ्ट किया गया था। जहां जाने के दौरान वह बंदी वैन से मीडिया की ओर मुखातिब होकर चिल्ला कर कह रहा था कि उसकी जान को खतरा है। उसने कोयलांचल के एक बड़े घराने पर आरोप लगाते हुए कहा था कि वह लोग उसकी हत्या कर देंगे। अमन सिंह की हत्या के बाद जिला, पुलिस और जेल प्रशासन ने देर रात तक जेल के भीतर जांच की। अपराधियों से पूछताछ की। इसके बाद भी हत्या में प्रयुक्त हथियार बरामद नहीं हो सका है। हालांकि हत्या में शामिल संदिग्ध की पहचान कर ली गई है।

बुलडोजर पर निकला जीत का जुलूस

अमर अग्रवाल की रैली में उमड़ी भीड़, सुशांत ने मूंछों पर दिया ताव, कांग्रेसी हुए निराश

बिलासपुर, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद बिलासपुर में भाजपा नेताओं ने जीत का जश्न मनाया। सुशांत शुक्ला समर्थकों ने जहां बुलडोजर पर जुलूस निकाला। वहीं, अमर अग्रवाल की रैली में लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। जिसके चलते शहर में जाम की स्थिति बनी रही। कोटा और मस्तूरी सीट पर जीत हासिल करने के बाद भी कांग्रेसियों में सरकार जाने की मायूसी छाई रही है और वो जीत का जश्न भी नहीं मना सके।

दरअसल, कोनी स्थित गवर्नमेंट इंजीनियरिंग कॉलेज परिसर में मतगणना स्थल के बाहर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की थी। इसके बावजूद मतगणना का रूझान जानने के लिए कांग्रेस और भाजपा के कार्यकर्ता व समर्थकों की भीड़ लगी थी। दोपहर बाद जैसे ही भाजपा को बहुमत के साथ बढ़त मिलने की खबर आई समर्थकों की भीड़ मतगणनास्थल पर पहुंच गई। कांग्रेस-भाजपा के समर्थक अपने-अपने प्रत्याशी के पक्ष में नारेबाजी करते रहे।

छत्तीसगढ़ में भाजपा की वापसी को देखकर सबसे पहले बेलतरा सीट के प्रत्याशी सुशांत शुक्ला मतगणनास्थल पहुंचे। तब तक सुशांत जीत के लिए बढ़त बनाए हुए थे। यहां समर्थकों ने उनका स्वागत करते हुए जमकर नारेबाजी की। हालांकि, जीत की घोषणा के लिए उम्मीदवारों को देर शाम तक इंतजार करना पड़ा।

इसके बाद तखतपुर से भाजपा प्रत्याशी धर्मजीत सिंह, पूर्व मंत्री अमर अग्रवाल अपने समर्थकों के साथ मतगणनास्थल पहुंच गए। सबसे पहले इन्हीं दोनों को जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर अवनीश शरण ने निर्वाचन प्रमाण पत्र दिया। यहां से निकलकर अमर अग्रवाल ने रैली निकाली। उनकी रैली में समर्थकों का रेला लग गया। जिसके चलते सड़क जाम की स्थिति बन गई।

मोटर मैकेनिक की पत्थर से कुचलकर हत्या

कोरबा, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। कोरबा के दीपका क्षेत्र में उस समय सनसनी फैल गई जब सिरकी मोड़ के समीप गैरेज में मोटर मैकेनिक का काम करने वाले युवक की रक्त रंजित लाश पड़ी मिली। उसे किसी ने ईंट पत्थर से हमला कर मौत के घाट उतार दिया था। पुलिस और साइबर सेल की टीम ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण करते हुए जांच पड़ताल शुरू कर दी है। मूलतः जयपुर थाना चैनपुर जिला गुमला झारखंड का रहने वाला निकोलस टोप्पो (36 वर्ष) मोटर मैकेनिक का काम करता था। वह वर्ष 2008 से दीपका में रह रहा था। बताया जा रहा है कि बीते कुछ समय से निकोलस सिरकी मोड़ स्थित मंदीप मोटर गैरेज में काम करता था। वह अकेला होने के कारण गैरेज में रहता था। प्रतिदिन की तरह शनिवार की शाम सात बजे निकोलस अपना मोबाइल दोस्त को देकर शराब पीने चला गया। रविवार की सुबह उसकी लाश गैरेज के समीप ही पड़ी मिली। सूचना मिलने पर दीपका पुलिस और साइबर सेल की टीम घटनास्थल जा पहुंची। पुलिस ने शव का निरीक्षण किया तो चेहरे व शरीर के अन्य हिस्सों में ईंट पत्थर से कुचले जाने के निशान मिले। जिससे संभावना जताई जा रही है कि उसकी हत्या की गई है। खास बात तो यह है कि घटना के वक्त उसका मोबाइल दोस्त के पास था। जिससे पुलिस को कुछ खास मदद नहीं मिल सकी।

दीपका थाना प्रभारी अश्वनी राठौर ने बताया कि मामले की घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची जहां मृतक के सर पर गंभीर चोट के निशान पाए गए हैं पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है। पुलिस ने वैधानिक कार्रवाई उपरांत शव को परिजनों के सुपुर्द कर दिया है।

कर्जमाफी जैसी रेवड़ियां बांटने निकली कांग्रेस को जनता ने नकारा

भाजपा की सेंध नहीं भांप सकी सत्ता

रायपुर, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। कर्जमाफी जैसी रेवड़ियां बांटकर मतदाताओं का भरोसा जीतने निकली कांग्रेस को जोर का झटका लगा है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और कांग्रेस नेताओं को यही भरोसा था कि मतदाताओं के आगे रेवड़ियों की झड़ी लगाकर वे भाजपा की किलेबंदी को भेद लेंगे। मगर, कमजोर रणनीति के चलते भाजपा की ओर से उठाए गए भ्रष्टाचार, बेरोजगारी, विकास, हिंदुत्व और धर्मांतरण जैसे मुद्दे दरकिनार करते गए। यही नहीं, चुनाव जैसे नाजुक दौर में

भी पार्टी सत्ता और संगठन के बीच तालमेल बैठाने में नाकामयाब साबित हुई। 'मोदी की गारंटी' के जरिये भाजपा खुद को कांग्रेस से बेहतर विकल्प साबित करने में कामयाब हुई। पार्टी की इस सफलता के पीछे संघ की भी सक्रिय भूमिका रही। पिछले चुनाव में शहरी इलाकों तक सीमित हुई पार्टी को गांवों में बूथ स्तर तक मजबूती दी। छत्तीसगढ़ में इस बार महिला मतदाताओं की संख्या भी पुरुषों की तुलना में लगभग सवा लाख अधिक थी।

इसे देखते हुए पार्टी ने मध्यप्रदेश की लाडली बिटिया की तर्ज पर महतारी वंदन योजना के तहत सालाना 12 हजार रुपये की गारंटी का वादा कर महिलाओं मतदाताओं को साधा। महिलाओं को इस योजना से भावनात्मक रूप से जोड़ने के लिए उनके फार्म भी भरवाए। शराबबंदी को लेकर कांग्रेस की वादाखिलाफी से पहले से नाराज महिलाओं ने भी इसे हाथोंहाथ लिया। हालांकि, दूसरे चरण के मतदान से ठीक पहले कांग्रेस ने मातृवंदन के मुकाबले गृहलक्ष्मी योजना के तहत महिलाओं को सालाना 15 हजार रुपये देने का वादा तो किया, पर तब तक बहुत देर हो चली थी।

लाल सागर में इजराइली जहाजों पर बैलिस्टिक मिसाइलों से हमला

हूती विद्रोहियों ने 5 घंटे अटैक किया, गाजा में अबतक 10 हजार हवाई हमले हुए

तेल अवीव/वॉशिंगटन, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। इजराइल-हमास जंग धीरे-धीरे दूसरे इलाकों में भी फैलती जा रही है। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक रविवार को यमन के हूती विद्रोहियों ने लाल सागर में 3 जहाजों पर बैलिस्टिक मिसाइलों से हमला किया। इनमें से 2 इजराइल के जहाज बताए जा रहे हैं। इनका नाम युनिटी एक्सपलोरेर और नंबर नाइन है। इसके अलावा यमन के होदायदा पोर्ट से 101 किलोमीटर दूर एक शिप कंटेनर को भी नुकसान पहुंचने की जानकारी है।

वहीं, अमेरिका ने कहा है कि उन्होंने लाल सागर में अपने युद्धपोत पर अटैक करने जा रहे 3 ड्रोन्स को मार गिराया। एक अमेरिकी अधिकारी ने नाम न बताने की शर्त पर कहा है कि हूती विद्रोहियों की तरफ से किए गए हमले लगभग 5 घंटे तक जारी रहे। ये सुबह 10 बजे शुरू हुए थे। पिछले महीने हूती विद्रोहियों ने एक जहाज को हाइजैक कर लिया था, ये तुर्किये से भारत आ रहा था। हूतियों का कहना है कि वो इजराइली जहाजों पर हमले जारी रखेंगे।

जंग शुरू होने से अब तक इजराइल ने गाजा में 10 हजार हवाई हमले किए हैं। ये जानकारी इजराइली की डिफेंस फोर्सेस ने दी है। वहीं हमास ने कहा है कि गाजा में मरने वालों का आंकड़ा 15,500 पार कर चुका है। वहीं, आईडीएफ ने कहा है कि उसने हमास के एक बटालियन कमांडर हाथम खोआजारी को ढेर कर दिया है। उसने 7 अक्टूबर को इजराइल पर हमला करने वाली एक बटालियन को लीड किया था।

उत्तरी गाजा में ग्राउंड ऑपरेशन चलाने के बाद अब इजराइली सेना दक्षिण की ओर बढ़ रही है। इसके लिए लोगों को कई इलाके खाली करने को कहा गया है। पिछले 24 घंटों में इजराइली बमबारी में गाजा के 316 लोग मारे गए हैं। जबकि 600 से ज्यादा घायल हैं। इजराइल की घरेलू खुफिया एजेंसी रोनेन बार ने वादा किया है कि वो लेबनान, तुर्किये से लेकर कतर में हमास को ढूंढ़कर मारेगी। चाहे इसमें कितने ही साल लगें।

इजराइली डिफेंस फोर्सेस (आईडीएफ) ने नया प्लान बनाया है और इस पर अमल भी शुरू कर दिया है। 'फॉक्स न्यूज' के मुताबिक-आईडीएफ गाजा को कई हिस्सों में बांट रही है। इसके तहत वो हमास आतंकियों को अलग-थलग करने उन पर आखिरी हमला करना चाहती है।

ज्वालामुखी विस्फोट, 11 की मौत

3 किलोमीटर की ऊंचाई तक उठा राख का गुब्बार, लावा के डर से गांव खाली कराए

जाकर्ता, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। इंडोनेशिया में सोमवार को मारापी ज्वालामुखी में विस्फोट हो गया। इसके चलते वहां 11 पर्वतारोहियों की मौत हो गई। रेस्क्यू टीम के मुताबिक 12 लोगों की तलाश जारी है। वहीं, 49 लोगों को जिंदा बचाया गया है। रविवार को 2,891 किलोमीटर ऊंचाई पर स्थित ज्वालामुखी ने लगभग 3 किलोमीटर की ऊंचाई तक राख फेंकी।

इससे आस-पास के इलाकों में सड़कें और गाड़ियां राख से भर गईं। सोमवार को भी एक छोटा विस्फोट होने की जानकारी है। इसके चलते रेस्क्यू ऑपरेशन को कुछ समय के लिए बंद किया गया है। मारापी का मतलब आग का पहाड़ होता है। यह सुमात्रा द्वीप पर सबसे सक्रिय ज्वालामुखी है।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, पर्वत पर चढ़ाई के दो रास्ते ज्वालामुखी विस्फोट वाली जगह के नजदीक हैं, जिन्हें अब बंद कर दिया गया है। साथ ही ज्वालामुखी के मुहाने से 3 किलोमीटर दूर तक ढलान पर मौजूद गांवों को एहतियातन खाली करा लिया गया है। विस्फोट के बाद ज्वालामुखी से लावा निकलने की आशंका है। इंडोनेशियाई द्वीप समूह प्रशांत रिंग ऑफ फायर पर स्थित है, जहां महाद्वीपीय प्लेटों के मिलने से उच्च ज्वालामुखी और भूकंपीय गतिविधि होती हैं।

लोगों में बढ़ रहा ज्वालामुखी देखने का क्रेज

एन्साइक्लोपीडिया ऑफ टूरिज्म नाम की किताब के अनुसार ज्वालामुखी देखने का क्रेज लोगों के बीच हजारों साल पुराना है। इतिहासकारों के अनुसार 17वीं और 18वीं शताब्दी में यूरोप के सुपर रिच टूरिस्ट ज्वालामुखी का ग्रैंड टूर करते थे। वे इटली के विसुविअस और एटना के ज्वालामुखी को देखने जाते। लेकिन वॉलकेनो टूरिज्म 2017 में न्यूजीलैंड में ज्वालामुखी फटने के बाद चर्चा का विषय बना। इस हादसे में 16 टूरिस्ट की जान गई थी।

मार्च 2021 में आइसलैंड के गेलडिनगाडुआलूर वैली में मौजूद एक्टिव ज्वालामुखी को देखने के लिए हजारों टूरिस्ट पहुंचे।

सोशल मीडिया में इस तरह के पर्यटकों को 'लावा का पीछा करने वाले', कहा गया। 20 दिसंबर 2020 में हवाई में माउंट किलाऊआ फटा तो वहां 8 हजार टूरिस्ट इसे देखने पहुंचे।

ज्वालामुखी का लावा देखने के इस क्रेज के लिए बोट टूर और हेलिकॉप्टर टूर भी होते हैं। टूरिस्ट को लावा की लेक के ऊपर उड़ान भरना भी अच्छा लगता है।

फिलीपींस में फिर आया शक्तिशाली भूकंप 6.8 मापी गई तीव्रता

मनीला, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। फिलीपींस में रविवार-सोमवार की मध्य रात फिर से भूकंप के झटके महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 6.8 मापी गई। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र ने बताया कि तड़के करीब 01:20 बजे भूकंप आया। इसका केंद्र मिंडानाओ में 82 किमी की गहराई में था। समाचार लिखे जाने तक घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। फिलीपींस में रविवार शाम को भी भूकंप के झटकों से लोग सहम गए। इस भूकंप की तीव्रता 6.6 रही। इसका केंद्र जमीन से 56 किमी की गहराई में था। इस दौरान किसी तरह के नुकसान की खबर नहीं है। शनिवार को यहां 7.6 तीव्रता के शक्तिशाली भूकंप से एक गर्भवती महिला की मौत हो गई थी और कई अन्य घायल हो गए थे।

पाकिस्तान गए भारतीय सिख श्रद्धालु की मौत

लाहौर में हार्ट-अटैक से निधन, अटारी के रास्ते प्रकाश पर्व मनाने गए थे हरियाणा के प्रीतम सिंह

लाहौर, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। गुरु नानकदेव का प्रकाश पर्व मनाने पाकिस्तान गए एक भारतीय सिख श्रद्धालु की वहां मौत हो गई। हादसा लाहौर में हुआ। सिख श्रद्धालु की मौत की वजह दिल का दौरा पड़ना बताई जा रही है। फिलहाल पाकिस्तान के अधिकारियों ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवा दिया है। पोस्टमार्टम के बाद डेडबॉडी अटारी बॉर्डर के रास्ते पाकिस्तान से भारत लाई जाएगी।

मरने वाले की पहचान प्रीतम सिंह के रूप में हुई जो हरियाणा में कुरुक्षेत्र जिले के कहड़ा नैसी गांव के रहने वाले थे। प्रीतम सिंह की उम्र तकरीबन 60 साल थी।

सिख श्रद्धालुओं के जत्थे में पाकिस्तान गए सलपानी कलां गांव के सरपंच मेवा सिंह ने बताया कि पाकिस्तान में उनका जत्था लाहौर के गुरुद्वारा डेरा साहिब में रुका हुआ है। शनिवार शाम को सभी श्रद्धालु वहां ऐमनाबाद स्थित गुरुद्वारा रोड़ी साहिब में माथा टेकने के बाद शाम 6 बजे गुरुद्वारा डेरा साहिब आ गए। उसी समय अचानक प्रीतम सिंह की तबीयत बिगड़ गई और कुछ ही पलों में उनकी मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलने के बाद पहुंचे पाकिस्तानी डॉक्टरों ने जांच के बाद मौत की वजह हार्ट अटैक बताया।

सोमवार को लाया जाएगा शव

पाकिस्तान में औकाफ बोर्ड और पाकिस्तान सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के पदाधिकारियों ने प्रीतम सिंह के निधन पर दुख जताया। फिलहाल शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया गया है।

औकाफ बोर्ड कागजी कार्रवाई पूरी करने में जुट गया है ताकि सोमवार सुबह पोस्टमार्टम के बाद प्रीतम सिंह की डेडबॉडी अटारी बॉर्डर के रास्ते भारत लाई जा सके।

पीएम मोदी सर्वश्रेष्ठ नेता
शानदार चुनावी जीत पर भाजपा को अमेरिकी गायिका की बधाई

वॉशिंगटन, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ में भाजपा को स्पष्ट बहुमत मिल गया है। मध्य प्रदेश में भाजपा प्रचंड बहुमत पाकर 163 सीटें जीतने में सफल रही। वहीं राजस्थान में भाजपा को 115 सीटों पर जीत मिली। छत्तीसगढ़ में भाजपा 54 सीटें जीतकर सत्ता कब्जाने में सफल रही है। भाजपा की शानदार चुनावी जीत पर अफ्रीकी-अमेरिकी गायिका और अभिनेत्री मैरी मिलबेन ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रशंसा की। मैरी मिलबेन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि भारत में राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ जैसे महत्वपूर्ण राज्यों में भाजपा की जीत, अगले साल पीएम नरेंद्र मोदी की मजबूत जीत का अग्रदूत है। उन्होंने कहा कि पीएम पद के लिए उम्मीदवार के तौर पर भारत की पहली पसंद मोदी हैं। इसके अलावा वह अमेरिका-भारत संबंधों के लिए भी सर्वश्रेष्ठ नेता हैं। बता दें, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने रविवार को छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और राजस्थान में शानदार जीत दर्ज की। वहीं दूसरी ओर, कांग्रेस ने तेलंगाना में बड़ी जीत से सांत्वना हासिल की। इससे पहले सात सितंबर को गायिका मिलबेन ने जी 20 के पूर्ण सदस्य के रूप में अफ्रीकी संघ को शामिल करने के प्रस्ताव के लिए पीएम मोदी की सराहना की थी।

26 बच्चों को किडनैप कर 12 फीट नीचे जिंदा दफनाया

37 करोड़ के लिए फिल्म देखकर बनाई प्लानिंग अमेरिका के सबसे खौफनाक अपहरण का किस्सा

कैलिफोर्निया, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। गर्मी के दिनों की बात है। कैलिफोर्निया के चौचिला में डेरीलैंड एलिमेंटरी स्कूल की बस बच्चों को घर छोड़ने के लिए रवाना होती है। कुछ दूर चलने के बाद बस ड्राइवर देखता है कि सड़क के बीचों बीच एक वैन खड़ी है और आगे जाने का रास्ता बंद है। वो कुछ सोच पाए इससे पहले तीन बंदूकों से लैस लड़के बस को हाइजैक कर लेते हैं।

इस वक्त बस में 5 से 14 साल की उम्र के 26 बच्चे मौजूद हैं। बस को जंगल में सूखी नदी के पास ले जाकर पेड़ों के झुंड में छिपा दिया जाता है। यहां से बंदूक की नोक पर अपहरणकर्ता बच्चों को 2 वैन में शिफ्ट करते हैं। इसके लिए बच्चों को बंदूक की नोक पर बस से सीधे वैन में कूदने को कहा जाता है। ताकि जमीन पर उनके पैरों के निशान न छूटें।

करीब 47 साल पुराना ये किस्सा उन बच्चों का है, जिनका 3 अमीर परिवार के लड़कों ने 37 करोड़ रुपए की फिरौती के लिए अपहरण किया और जमीन में दफन कर दिया और वो कैसे 28 घंटों बाद जिंदा बचकर आए।

दोनों वैन की पिछली खिड़कियां काले रंग से रंगी गई थीं ताकि वैन में क्या है ये किसी को पता न चले। वैन में लकड़ी के पैनलों से छोटी-छोटी जेल बनाई गईं थीं। बच्चों को वैन में कैद करने के बाद 11 घंटों का सफर किया गया। बच्चों के पास खाने-पीने के लिए कुछ नहीं था। 100 मील चलने के बाद वो रात के अंधेरे में लिवरमोर इलाके में पहुंचे। जहां उन्हें वैन से उतारकर जमीन में गड्ढे में शिफ्ट किया गया। ये गड्ढा जमीन के 12 फीट नीचे था। इसके अंदर जाने के बाद स्कूल बस के ड्राइवर और बच्चों को समझ आया कि ये जमीन में दफनाया गया एक ट्रक है। किडनैपर्स ने ट्रक में टॉयलेट के लिए एक छोटा होल बनाया था। इसके अलावा ट्रक में पीने के लिए पानी, खाने के लिए ब्रेड थी। वो सांस ले पाएं इसके लिए 2 वेंटिलेशन पाइप डाली गई थी। 12 घंटों तक बच्चे चुप रहे लेकिन फिर हालात बिगड़ने लगे। खाना और पानी खत्म हो गया। बच्चे को सांस लेने में परेशानी होने लगी। उन्हें लगा कि वो मर जाएंगे।

तभी उन्हें वैन की छत पर एक बड़ा छेद दिखा। स्कूल बस का ड्राइवर उस छेद का इस्तेमाल कर बाहर निकलने के लिए तैयार नहीं था। उसे लगा वो जैसे ही कोशिश करेंगे तो मारे जाएंगे। हालांकि, तभी 14 साल के लड़के माइक मार्शल ने जिम्मा संभाला। उसने छेद से मिट्टी हटानी शुरू की। उसके हौसले को देखकर ड्राइवर ने भी उसकी मदद करनी शुरू कर दी। कुछ घंटों में वो मिट्टी में दफन वैन से निकलने में कामयाब रहे। इसकी एक वजह ये भी थी कि अपहरणकर्ता से सो गए थे। उन्हें बच्चों के निकलने की भनक तक नहीं लगी।

बच्चों के भाग निकलने के बाद पुलिस उन्हें अस्पताल नहीं बल्कि एक लोकल जेल ले गई। जहां उनसे 4 घंटों तक पूछताछ हुई। इसके बाद उन्हें परिवार को सौंपा गया। जब पुलिस ने किडनैपर्स को पकड़ा और उनकी पहचान उजागर की तो पूरा चौचिला शहर हैरान रह गया। इसकी वजह ये थी की सभी किडनैपर्स अच्छे और जाने-माने परिवारों से थे।

इनमें से एक फ्रेडरिक न्यूहॉल जो उस वक्त 24 साल का था वो कैलिफोर्निया के सबसे अमीर परिवारों में से एक था। उसने किडनैपिंग की पूरी योजना बनाई थी। पूछताछ में सामने आया कि 1971 में एक फिल्म आई थी डर्टी हैरी, इसी को देखकर वुड्स ने किडनैपिंग की प्लानिंग की थी।

फ्रेडरिक के अलावा रिचर्ड शोनफेल्ड और जेम्स शोनफेल्ड दो भाई भी इस अपहरण को अंजाम देने में शामिल थे।

मालदीव से 75 सैनिकों को वापस बुलाएगा भारत

राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू बोले- आपसी मसलों को सुलझाने के लिए हाई लेवल कमेटी बनाएंगे

माले, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत सरकार ने मालदीव में मौजूद अपने 75 सैनिकों को वापस बुलाने का फैसला किया है। मालदीव के नए राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने काप28 क्लाइमेट समिट के दौरान भारतीय अधिकारियों की मौजूदगी में इस बात की जानकारी दी। हालांकि भारतीय विदेश मंत्रालय ने फिलहाल इस पर कोई बयान नहीं दिया है।

चीन समर्थक माने जाने वाले राष्ट्रपति मुइज्जू ने कहा- भारत सरकार के साथ इस मुद्दे पर बातचीत हुई। भारत ने सैनिकों को वापस बुलाने पर सहमति जताई। हमने डेवलपमेंट प्रोजेक्ट्स से संबंधित मुद्दों को हल करने के लिए एक हाई लेवल कमेटी गठित करने पर भी सहमति जताई है।

मालदीव में क्या कर रहे हैं भारतीय सैनिक

भारत ने मालदीव को 2010 और 2013 में दो हेलिकॉप्टर और 2020 में एक छोटा विमान तोहफे के तौर पर दिया था। इस पर मालदीव में काफी हंगामा हुआ। मुइज्जू के नेतृत्व में विपक्ष ने तत्कालीन राष्ट्रपति सोलिह पर 'इंडिया फर्स्ट' नीति अपनाने का आरोप लगाया था।

भारत का कहना है कि उपहार में दिए गए विमान का इस्तेमाल खोज-बचाव अभियानों और मरीजों को लाने के लिए किया जाना था। मालदीव की सेना ने 2021 में बताया था कि इस विमान के संचालन और उसकी मरम्मत के लिए भारतीय सेना के 70 से ज्यादा जवान देश में मौजूद हैं। इसके बाद मालदीव के विपक्षी दलों ने 'इंडिया आउट' अभियान शुरू कर दिया। उनकी मांग थी कि भारतीय सुरक्षा बल के जवान मालदीव छोड़ें।

काप28 में हुई मोदी- मुइज्जू की मुलाकात

यूएई में चल रही काप28 क्लाइमेट समिट में शामिल होने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 30 नवंबर को दुबई पहुंचे थे। 1 दिसंबर को मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू से उनकी मुलाकात हुई थी। दोनों ने भारत-मालदीव के रिश्तों को मजबूत करने पर चर्चा की थी। भारत और मालदीव की दोस्ती काफी पुरानी है। 1988 में राजीव गांधी ने सेना भेजकर मौमून अब्दुल गयूम की सरकार को बचाया था। 2004 में जब सुनामी आई तो भारत का ही पहला प्लेन मदद लेकर पहुंचा था। कोरोना महामारी के समय भारत ने मालदीव को कोविशील्ड वैक्सीन गिफ्ट के तौर पर दी थी।

क्या चीन के बढ़ते दखल की वजह से मालदीव ने भारतीय सैनिकों को निकालने का फैसला किया?

साल 2008 से पहले मालदीव में मौमून अब्दुल गयूम का शासन था। इस दौरान मालदीव संतुलनवादी नीति अपनाता था। यानी किसी भी देश का खुलकर समर्थन नहीं करता था, लेकिन 2008 में मोहम्मद नशीद मालदीव के राष्ट्रपति बने। इसके बाद से मालदीव ने भारत की ओर अपने झुकाव को सार्वजनिक किया। इस दौरान नशीद ने खुलकर चीन की आलोचना की।

वहीं 2013 में अब्दुल्ला यामीन सत्ता में आए। उन्होंने भी मुखर विदेश नीति की परंपरा अपनाई। हालांकि, उनका झुकाव चीन की ओर था। इस दौरान यामीन ने माले को हुलहुमाले द्वीप से जोड़ने वाले 2.1 किमी लंबे चार लेन वाले ब्रिज का उद्घाटन किया था।

यह एकमात्र ब्रिज है जो द्वीपसमूह में द्वीपों को जोड़ता है जहां लोग अलग-अलग एटोल के बीच नावों पर यात्रा करते हैं।

9 अमेरिकी राज्यों के मुस्लिम बाइडेन के खिलाफ

कहा- वे गाजा में नरसंहार के जिम्मेदार, 2024 में उन्हें हराएंगे

वॉशिंगटन, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। इजराइल और हमास के बीच जारी जंग का असर अमेरिका की सियासत पर भी पड़ रहा है। 9 स्विंग स्टेट्स (जहां वोटर का मूड भांपना मुश्किल) के मुस्लिम नेताओं ने इजराइल को समर्थन देने के लिए प्रेसिडेंट जो बाइडेन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। इन नेताओं ने बाइडेन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिए हैं। इनका कहना है कि वो बाइडेन को दोबारा प्रेसिडेंट नहीं बनने देंगे और अब बाइडेन को व्हाइट हाउस से निकालने का वक्त आ गया है।

बाइडेन चुनाव हार चुके हैं

'न्यूयॉर्क पोस्ट' की रिपोर्ट के मुताबिक इजराइल और हमास की जंग शुरू होने के बाद अमेरिका में मुस्लिम नेताओं ने एक नया संगठन बनाया। इनका नारा है अब बाइडेन को अकेला छोड़ दो। इसके नेता जलाई हुसैन ने शनिवार को मिशिगन की रैली में कहा- हम ऐलान करते हैं कि बाइडेन 2024 का प्रेसिडेंशियल इलेक्शन पहले ही हार चुके हैं।

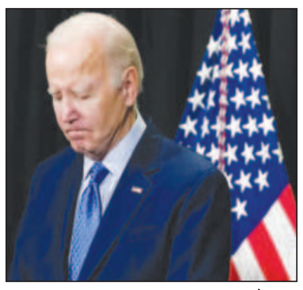

इस संगठन में एरिजोना, मिशिगन, मिनेसोटा, विस्कॉनसिन, फ्लोरिडा, जॉर्जिया, नेवादा, नॉर्थ कैरोलिना और पेन्सिलवेनिया के मुस्लिम नेता शामिल है। यहां इस समुदाय की आबादी अच्छी-खासी है। एक नेता हसन सिबली ने कहा- हम बाइडेन को जिता सकते हैं तो याद रखिए हरा भी सकते हैं। वो न तो सीजफायर करा पाए और न गाजा के बेकसूर लोगों की जान बचा सके। हम उन्हें नरसंहार कराने वाला प्रेसिडेंट मानते हैं।

सिबली ने आगे कहा- गाजा में 10 हजार बच्चे मारे जा चुके हैं। इसलिए अब बाइडेन को व्हाइट हाउस में रहने का एक और मौका नहीं दिया जा सकता। वो इस नरसंहार के दोषी है। ग्लोबल स्टडीज के प्रोफेसर और मुस्लिम नेता हसन अब्दुल सलाम ने कहा- बाइडेन को देखना चाहिए कि हमारे पास 111 इलेक्टोरल वोट्स हैं।

डेमोक्रेट पार्टी के समर्थक हैं ज्यादातर मुस्लिम

रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका में करीब 30 लाख 45 हजार मुस्लिम रहते हैं। आमतौर पर इन्हें डेमोक्रेट पार्टी का समर्थक माना जाता है। अक्टूबर के आखिर में एक सर्वे किया गया था। इसके नतीजे बताते हैं कि इजराइल का समर्थन करने की वजह से बाइडेन और उनकी डेमोक्रेट पार्टी मुस्लिमों से दूर होते जा रहे हैं। खास बात ये है कि 17% अरब मूल के अमेरिकी नागरिकों ने 2024 में बाइडेन के समर्थन की बात कही। 2020 में यह आंकड़ा 60% था।

इस नजरिए से देखें तो मुस्लिमों के बीच डेमोक्रेट्स का समर्थन 42% कम हुआ है। 9 स्विंग स्टेट्स की वजह से ही बाइडेन 2020 में उस वक्त के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को हराने में कामयाब रहे थे। मिसाल के तौर पर मिशिगन को ही ले लीजिए। अमेरिकी जनगणना विभाग के मुताबिक इस राज्य में 2 लाख 77 हजार अरब मुस्लिम अमेरिकी वोटर हैं। 2020 में इसी राज्य में कामयाबी के चलते बाइडेन ने इतिहास रचा था। इस पूरे मामले में एक मुस्लिम नेता का बयान हैरान करता है। जलाई हुसैन के मुताबिक हम ट्रम्प का भी समर्थन नहीं करेंगे। रिपोर्ट में सवाल उठाया गया है कि अगर वो बाइडेन (डेमोक्रेट) और ट्रम्प (रिपब्लिकन) दोनों का समर्थन नहीं करेंगे तो फिर किसका समर्थन करेंगे।

पाकिस्तान ने अफगान नागरिकों के लिए बंद की तोरखम सीमा

अवैध अप्रवासियों को निकालने का अभियान जारी

काबुल/कराची, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच एक महत्वपूर्ण सीमा, तोरखम सीमा, बिना पासपोर्ट और वीजा वाले अफगान नागरिकों के लिए बंद कर दी गई है, क्योंकि पाकिस्तानी सरकार ने अफगान प्रवासियों को वापस लाने के प्रयास तेज कर दिए हैं। अफगानिस्तान के नंगरहार प्रांत में सूचना और संस्कृति विभाग ने एक बयान जारी कर वीजा और पासपोर्ट सहित उचित दस्तावेज की कमी वाले मरीजों के लिए तोरखम सीमा को बंद करने की पुष्टि की। पहले, बिना पासपोर्ट और वीजा वाले मरीजों को अफगानिस्तान में सार्वजनिक स्वास्थ्य मंत्रालय की मंजूरी के अधीन, तोरखम क्रॉसिंग के माध्यम से पाकिस्तान में प्रवेश करने की अनुमति थी। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, हजारों अफगानियों की वार्षिक आमद को देखते हुए यह निर्णय विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। खासतौर पर वे लोग जो कैंसर जैसी गंभीर चिकित्सीय स्थितियों से पीड़ित हैं और पड़ोसी देशों में इलाज चाहते हैं, जिनमें पाकिस्तान भी शामिल है। सीमा नियंत्रण को कड़ा करने और अफगान प्रवासियों को वापस लाने के लिए पाकिस्तान का हालिया कदम संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय के पहले के आह्वान के साथ मेल खाता है, जिसमें पाकिस्तान को मानवाधिकार तबाही की संभावना का हवाला देते हुए निष्कासन प्रक्रिया को रोकने के लिए कहा गया था। कड़ाके की सर्दी के बीच अफगान प्रवासियों का निष्कासन जारी है, जिससे अफगानिस्तान में पहले से ही गंभीर मानवीय संकट और बढ़ गया है। छोड़ने के लिए मजबूर, अफगान प्रवासी चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों से जूझ रहे हैं, खासकर गंभीर सर्दियों के मौसम को देखते हुए, जो देश में गंभीर मानवीय स्थिति को और बढ़ा देता है। इन घटनाक्रमों के जवाब में, पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को मानवाधिकार कार्यकर्ताओं द्वारा दायर एक याचिका की समीक्षा शुरू की है।

प्रेस रिपोर्ट के अनुसार, याचिका में स्थिति के चल रहे कानूनी और मानवाधिकार आयामों पर प्रकाश डालते हुए, पाकिस्तान से अफगान शरणार्थियों के निष्कासन को रोकने का आग्रह किया गया है।

गोपनीय दस्तावेज लीक मामले में इमरान खान और शाह महमूद कुरैशी पर लटकी तलवार

इस्लामाबाद, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और पूर्व विदेश मंत्री कुरैशी पर गोपनीय दस्तावेज लीक मामले में 12 दिसंबर को फिर आरोप तय किए जाएंगे। देश की एक विशेष अदालत ने फैसला सुनाया है। इमरान खान और कुरैशी के खिलाफ जेल में सुनवाई शनिवार को शुरू हुई जब इस्लामाबाद उच्च न्यायालय ने पिछले महीने एक फैसले में प्रक्रियात्मक आधार पर जेल की सुनवाई को अवैध घोषित कर दिया और इसकी कार्यवाही को भी रद्द कर दिया। न्यायाधीश जुल्केरनैन ने सोमवार को सुनवाई 12 दिसंबर तक के लिए स्थगित कर दी और कहा कि उसी दिन पीटीआई नेताओं के खिलाफ आरोप तय किए जाएंगे। बताया जा रहा है कि विशेष अभियोजक जुल्फिकार अब्बास नकवी और रिजवान अब्बासी के साथ जेल में बंद नेताओं के परिवार के सदस्य और वकील सुनवाई में शामिल हुए। इनके अलावा, मीडिया के छह सदस्यों को कार्यवाही में शामिल होने की अनुमति दी गई। इससे पहले एक दिसंबर को पाकिस्तान की एक विशेष अदालत ने सरकार से मंजूरी मिलने के बाद इमरान खान के खिलाफ गोपनीय दस्तावेज लीक मामले में रावलपिंडी की अदियाला जेल में खुली सुनवाई करने का फैसला किया था। पीटीआई के पार्टी प्रमुख खान 26 सितंबर से उच्च सुरक्षा वाली अदियाला जेल में बंद हैं। कुरैशी को भी साइफर मामले में गिरफ्तार किया गया था और इसी जेल में बंद है।

जश्न के साथ-साथ भाजपा में सीएम फेस को लेकर मंथन शुरू; विधायकों को जयपुर पहुंचने के निर्देश

जयपुर, 5 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद अब एक ही सवाल राजनीतिक गलियारों से लेकर आमजन की जुबां पर है। सवाल ये कि कौन होगा अब राज्य का अगला मुख्यमंत्री?

राजस्थान विधानसभा के चुनावी रण में भाजपा ने बड़े अंतर से जीत हासिल करते हुए कांग्रेस और गहलोत सरकार की योजनाओं को धराशायी कर दिया है। जबरदस्त मुकाबले में शानदार जीत के बाद भाजपा में जश्न का माहौल है। अब भाजपा में सरकार बनाने की तैयारी को लेकर मंथन शुरू होगा। इस जश्न के साथ ही पार्टी के लिए सीएम चेहरा भी एक बड़ा सवाल है। सीएम चेहरे को लेकर भी पार्टी में में जबरदस्त होड़ है। अब देखना है कि इतने सारे चेहरों में पार्टी किसको मौका देती है।

इनमें से कौन

राजस्थान में मुख्यमंत्री चेहरे के लिए कई बड़े नाम चर्चा में शामिल है। मुख्यमंत्री के लिए काफी होड़ मची हुई है। ऐसे में इतने सारे नाम में एक नाम का चयन करना पार्टी के लिए काफी चुनौतीपूर्ण रहने वाला है। राजस्थान भाजपा में मुख्यमंत्री चेहरे को लेकर वसुंधरा राजे, दीयाकुमारी, गजेंद्र सिंह शेखावत, अर्जुनराम मेघवाल, सीपी जोशी, अश्वनी वैष्णव, बाबा बालकनाथ, ओम बिरला, ओम माथुर, प्रकाश चंद, भूपेंद्र यादव, सुनील बंसल के नाम फिलहाल चर्चा में हैं।

पीएम के अंदाज में हो सकता है फैसला

एक कायास ये भी लगाए जा रहे हैं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की स्टाइल में भी मुख्यमंत्री का नाम सामने आ सकता है, जो हर बार की तरह चौकाने वाला होगा।

दिल्ली में मंथन की तैयारी

सूत्रों के हवाले से जानकारी मिली है कि आज नए मुख्यमंत्री को लेकर दिल्ली में मंथन की तैयारी हो रही है। खबर है कि भाजपा प्रदेश अध्यक्ष जोशी आज दिल्ली रवाना हो रहे हैं। अधिकांश दिग्गज नेताओं के दिल्ली जाने की बात सामने आ रही है। साथ ही जीते हुए विधायकों को मंगलवार को जयपुर पहुंचने के निर्देश जारी किए गए हैं। फिलहाल अभी आधिकारिक रूप से विधायक दल की बैठक का एलान नहीं हुआ है।

राजस्थान सीएम पद के दावेदार बालकनाथ योगी 6 साल की उम्र में बने थे संन्यासी

जयपुर, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। 2 दिसंबर यानी विधानसभा नतीजों से एक दिन पहले। तिजारा सीट से प्रत्याशी महंत बालकनाथ योगी ने बीजेपी हेडक्वार्टर में संगठन महामंत्री बीएल संतोष से मुलाकात की। हालांकि उन्होंने इसे रूटीन मीटिंग बताया। 3 दिसंबर के नतीजों में बीजेपी को 115 सीटों के साथ पूर्ण बहुमत मिल गया।

नतीजों के बाद देर रात खबरें चलीं कि पीएम नरेंद्र मोदी के बुलावे पर बालकनाथ केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत के साथ दिल्ली पहुंच गए हैं। अगले दिन संसद कंपाउंड में पत्रकारों ने सीएम पद के बारे में पूछा- तो बालकनाथ गोलमोल जवाब दे गए।

इस घटनाक्रम ने बालकनाथ योगी के राजस्थान सीएम पद की रेस में शामिल होने को हवा दी है। 39 साल के बालकनाथ योगी मठ के महंत, यूनिवर्सिटी के चांसलर, अलवर से सांसद और अब तिजारा से विधायक हैं। इस स्टोरी में उनके बचपन से लेकर राजस्थान मुख्यमंत्री की दौड़ में शामिल होने तक की कहानी।

यादव परिवार में जन्म, 6 साल में संन्यास

16 अप्रैल, 1984। राजस्थान के अलवर जिले का कोहराना गांव। किसान सुभाष यादव के घर एक बच्चे का जन्म हुआ। घर का माहौल धार्मिक था। बच्चे के दादा फूलचंद यादव साधू-संतों की संगत में रहते थे। पिता सुभाष भी महंत खेतनाथ के शिष्य थे और उनके दरबार में आते-जाते रहते थे। महंत खेतनाथ ने इस बच्चे का नाम गुरुमुख रखा। गुरुमुख जब 6 साल के हुए तो उन्हें अध्यात्म की पढ़ाई के लिए खेतनाथ के नीमराना आश्रम भेज दिया गया। यहां छात्रों को संन्यासी जीवन ही जीना पड़ता था। तभी से गुरुमुख भी संन्यासी जीवन जीने लगे।

दीक्षा देने के बाद गुरुमुख को महंत चांदनाथ के पास भेज दिया गया। नाथ संप्रदाय के चांदनाथ अस्थल बोहर में बाबा मस्तनाथ मठ के महंत थे। महंत चांदनाथ ने ही गुरुमुख को बालकनाथ नाम दिया।

मौजूदा बालकनाथ को समझने के लिए उनके गुरु चांदनाथ का सफर जानना जरूरी है। 21 जून 1956 को दिल्ली के बेगमपुर में जन्मे चांदनाथ ने दिल्ली विश्वविद्यालय के हिंदू कॉलेज से हिंदी में बीए किया। 1978 में उन्होंने महंत श्रेयोनाथ से दीक्षा ली और रोहतक के अस्थल बोहर स्थित बाबा मस्तनाथ मठ से जुड़ गए। 1985 में वे इस मठ के महंत बन गए। महंत चांदनाथ का रुझान पढ़ाई-लिखाई की तरफ ज्यादा था। उन्होंने रोहतक और आसपास कई कॉलेज की स्थापना की। बाद में ये सभी कॉलेज बाबा मस्तनाथ ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशन के अंतर्गत आ गए। 2012-13 में इस ग्रुप को हरियाणा सरकार ने यूनिवर्सिटी की मान्यता दे दी। चांदनाथ इसके कुलपति बन गए। महंत चांदनाथ रोहतक और हनुमानगढ़ में

5 चैरिटेबल अस्पताल भी चलाते थे। दूसरी तरफ चांदनाथ का राजनीतिक करियर भी तेजी से फल-फूल रहा था।

2004 के लोकसभा चुनाव में अलवर सीट से वो बीजेपी के टिकट पर लोकसभा चुनाव लड़े। हालांकि इस चुनाव में कांग्रेस के करण सिंह यादव ने उन्हें हरा दिया। इसी साल राजस्थान में होने वाले विधानसभा उपचुनाव में चांदनाथ को बीजेपी ने टिकट दिया। वो कोटपूतली जिले की बहरोड़ सीट से चुनाव लड़े और विधायक बन गए। 2014 में राजस्थान के अलवर से फिर सांसद बन गए। इस दौरान बालकनाथ अपने गुरु चांदनाथ के साथ समर्पित भाव से लग रहे।

महंत चांदनाथ को 60 साल की उम्र तक कई बीमारियों ने घेर लिया। उन्हें थ्रोट कैंसर भी हो गया। शारीरिक अवस्था को भांपते हुए चांदनाथ ने 29 जुलाई 2016 को अपने शिष्य बालकनाथ को अपना उत्तराधिकारी चुन लिया। बालकनाथ अब महंत बालकनाथ बन गए। वो नाथ संप्रदाय के 8वें संत बने।

जब बालकनाथ को संत चुना जा रहा था, तब उस भव्य कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए सीएम योगी आदित्यनाथ और बाबा रामदेव भी पहुंचे थे। अगले ही साल 17 सितंबर 2017 को चांदनाथ का निधन हो गया। जिसके बाद उनकी पूरी विरासत को बालकनाथ योगी ने संभाला।

चांदनाथ के निधन के बाद बालकनाथ नाथ संप्रदाय के रोहतक स्थित सबसे बड़े अस्थल बोहर मठ के मठाधीश हो गए। इस मठ से संचालित होने वाली बाबा मस्तनाथ यूनिवर्सिटी और तमाम अस्पतालों की कमान भी उनके हाथ में आ गई। 2019 में बीजेपी ने अलवर लोकसभा सीट से चांदनाथ के शिष्य बालकनाथ को ही टिकट दिया। महज 35 साल की उम्र में वो चुनाव जीतकर लोकसभा पहुंचे। इस चुनाव में उन्होंने कांग्रेस के कद्दावर नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री भंवर जितेंद्र सिंह को 3 लाख से भी अधिक वोटों से मात दी थी। तब से ही बालकनाथ अलवर क्षेत्र में काफी एक्टिव हैं।

चांदनाथ के निधन के बाद बालकनाथ की इमेज एक मजबूत हिंदू नेता के तौर पर बनने लगी। रोहतक, हनुमानगढ़ और मेवात में उनकी लोकप्रियता लगातार बढ़ने लगी। शुरुआत में बालकनाथ रोहतक के अलावा हनुमानगढ़ स्थित अपने आश्रम में भी रहते थे, लेकिन राजस्थान की राजनीति में एक्टिव होने के बाद से ही वो अलवर में रहने लगे। इस वक्त वह नाथ संप्रदाय के दूसरे सबसे बड़े महंत हैं। नाथ संप्रदाय के मुताबिक गोरखधाम के महंत और यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ संप्रदाय के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं। वहीं, रोहतक की गद्दी पर बैठने वाले बालकनाथ नाथ संप्रदाय के उपाध्यक्ष हैं।

अलवर की तिजारा विधानसभा सीट से बालकनाथ के खिलाफ कांग्रेस के इमरान खान चुनाव लड़ रहे थे। इमरान खान ने महंत बालकनाथ पर गलत तरीके से विदेश में जमीन खरीदने के आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि कनाडा की कल्टस झील के पास 52 करोड़ रुपए में 32 एकड़ जमीन खरीदी है। हालांकि बालकनाथ ने कांग्रेस उम्मीदवार के आरोप को बेबुनियाद बताया है।

जनवरी 2023 में सांसद बालकनाथ ने अलवर के बहरोड़ में पुलिस थाने में घुसकर डीएसपी को धमकी दी थी। इसके बाद पुलिसवाले और सांसद के समर्थक आमने-सामने आ गए थे। बीजेपी कार्यकर्ता को हिरासत में लेने पर विवाद हुआ था।

सीएम की रेस में बालकनाथ का नाम दो वजहों से मजबूत माना जा रहा है। पहला- वो नाथ संप्रदाय परंपरा से आते हैं। यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ भी इसी परंपरा से आते हैं। रोहतक में मठ है, हरियाणा, राजस्थान और आसपास के इलाकों में अच्छा प्रभाव माना जाता है। दूसरा- वो हिंदुत्व कार्ड में फिट बैठते हैं। इससे भाजपा के लिए ध्रुवीकरण आसान हो जाएगा। साधु- संत को सीएम बनाने से जनता में पॉजिटिव मैसेज जाता है कि भ्रष्टाचार नहीं होगा।

बालकनाथ राजस्थान की पॉलिटिकल तासीर के हिसाब से पूरी तरह फिट नहीं बैठते, इसलिए उनका सीएम बनना मुश्किल लगता है। साथ ही वसुंधरा के प्रति बालकनाथ का सॉफ्ट कॉर्नर माना जाता है। जनसभा में कह भी चुके हैं कि वसुंधरा सीएम बनेंगी। राजस्थान में बीजेपी को जिस तरह से मैन्डेट मिला है, उससे नई लीडरशिप को सीएम पद की जिम्मेदारी दी जा सकती है। योगी आदित्यनाथ की तर्ज पर राजस्थान में बालकनाथ को सीएम बनाया जा सकता है, ताकि 2024 लोकसभा चुनाव में बीजेपी को इसका लाभ मिले। वसुंधरा की वजह से बालकनाथ को सीएम बनाना इतना आसान भी नहीं होगा। 35 से ज्यादा विधायक वसुंधरा के करीबी हैं, जो किसी दूसरे को आसानी से मुख्यमंत्री स्वीकार नहीं करेंगे।

तीन सांसद नहीं खिला सके कमल

दीया कुमारी की सबसे बड़ी जीत, जानें बाकी का हाल

जयपुर, 5 नवंबर (एजेंसियां)। जबरदस्त जीत में भाजपा का साथ नहीं दे पाए कई सांसद। इस चुनावी रण में पार्टी ने सात सांसदों को मैदान में उतारा था, जिनमें से तीन को हार का मुंह देखना पड़ा है। आइए, जानते हैं सात सांसद प्रत्याशियों के बारे में...

चुनावी नतीजे सामने आने के बाद ये तो तय हो गया है कि राजस्थान में अगले पांच साल के लिए सत्ता की कमान भाजपा के हाथ में रहने वाली है। राजस्थान विधानसभा चुनाव के सियासी घमासान में कांग्रेस को पछाड़ कर भाजपा में जश्न का माहौल है। चुनावी रण में भाजपा ने बहुमत से जीत हासिल की है। भाजपा की इस जीत से ये तो साफ हो गया है कि राजस्थान में अभी भी कई वर्षों पुराना हार-जीत का रिवाज आज भी कायम है। भाजपा ने जबरदस्त मुकाबले में शानदार जीत हासिल की है। पार्टी के सभी सदस्यों जबरदस्त मुकाबला किया तो वहीं कुछ भरोसे पर खरे नहीं उरत पाए। भाजपा ने इस चुनावी रण में सात सांसदों को मैदान में उतारा था, जिनमें से तीन को हार का मुंह देखना पड़ा है।

विद्याधर नगर सीट – भाजपा सांसद दीया कुमारी ने विद्याधर नगर सीट पर 71368 वोटों से बढ़त बनाते हुए शानदार जीत हासिल की। ये सीट भी जयपुर जिले में आती है। दीया कुमारी का

जन्म जयपुर में हुआ था। जयपुर की राजकुमारी दीया जयपुर के महाराजा सवाई सिंह और महारानी पद्मिनी देवी की बेटी हैं।

झोटवाड़ा विधानसभा सीटभाजपा सांसद राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने जयपुर की झोटवाड़ा विधानसभा सीट पर एक बार फिर अपना कब्जा जमा लिया है। राठौड़ ने कांग्रेस के अभिषेक चौधरी को शिकस्त देते हुए 50167 से बढ़त बनाई। राठौड़ जयपुर ग्रामीण लोकसभा सीट से सांसद और केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण राज्य मंत्री भी हैं। इनका जन्म 29 जनवरी 1970 को जैसलमेर में हुआ था। राठौड़ पूर्व निशानेबाज भी रहे हैं।

तिजारा सीट – विधानसभा चुनाव 2023 में भाजपा की ओर तिजारा सीट से जीत का दम भरने उतरे बाबा बालकनाथ ने 6173 वोटों से बढ़त बनाते हुए कांग्रेस के इमरान खान को हराया है। तिजारा विधानसभा सीट राजस्थान के अलवर जिले की सीट है। बालकनाथ वर्तमान में अलवर लोकसभा सीट से सांसद और बाबा मस्त नाथ विश्वविद्यालय के चांसलर भी हैं। बाबा बालकनाथ का जन्म 16 अप्रैल 1984 को कोहराणा गांव में हुआ था।

सवाई माधोपुर सीट – राज्यसभा सांसद सांसद डॉ. किरोड़ी लाल मीणा को भाजपा ने सवाई माधोपुर सीट से टिकट दिया था। मीणा ने भाजपा के भरोसे को कायम रखते हुए यहां 22510 वोटों से बढ़त बनाई और दानिश अबरार को शिकस्त दी है। मीणा किसान छवि के नेता हैं। किरोड़ी लाल मीणा भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़कर कई बार विधायक और सांसद बन चुके हैं। 71 साल के सांसद मीणा का जन्म 3 नवंबर 1951 को दौसा में हुआ था।

किशनगढ़ सीट – किशनगढ़ सीट से प्रत्याशी सांसद भागीरथ चौधरी ने भाजपा को काफी निराश किया है। भागीरथ को यहां 46111 वोटों से जबरदस्त हार का मुंह देखना पड़ा है। यहां से कांग्रेस के विकास चौधरी ने अच्छी बढ़त बनाते हुए भागीरथ को मात दी। ये विधानसभा सीट अजमेर जिले में आती है। भागीरथ अजमेर लोकसभा सीट से सांसद हैं।

बसपा उम्मीदवारों की जीत, मायावती की पार्टी से बने ये 2 विधायक

जयपुर, 5 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में हुए विधानसभा चुनाव में बीजेपी को बंपर जीत मिली है। बीजेपी ने 115 सीटों पर जीत हासिल की। जबकि कांग्रेस को 68 सीटें मिलीं। खास बात यह है कि इस चुनाव में मायावती की बहुजन समाज पार्टी ने भी जीत दर्ज की है। बसपा को प्रदेश की 2 सीटों पर जीत मिली है। इसमें सादुलपुर से मनोज कुमार और बाड़ी से जसवंत सिंह गुर्जर का नाम शामिल है।

पहले बात करते हैं मनोज कुमार की...मनोज कुमार ने बसपा के टिकट से चुनाव लड़ा और 64368 वोट हासिल किए।

उन्होंने कांग्रेस की उम्मीदवार कृष्णा पूनिया को 2574 वोटों से शिकस्त दी। इस सीट पर भारतीय जनता पार्टी की सुमित्रा पूनिया तीसरे स्थान पर रहीं। उन्होंने 59429 वोट हासिल किए।

वोटों का ध्रुवीकरण होने की वजह से मनोज कुमार इसमें बाजी मार ले गए। साल 2013 में मनोज कुमार ने बसपा के टिकट से ही जीत हासिल की थी। हालांकि 2018 के चुनाव में कृष्णा पूनिया ने बसपा प्रत्याशी मनोज न्यांगली को शिकस्त दी थी। अब बात बाड़ी विधानसभा सीट की...इस सीट से बसपा प्रत्याशी जसवंत सिंह गुर्जर ने बड़ी जीत हासिल की है। उन्हें 106060 वोट मिले, जबकि जीत का अंतर 27424 वोट रहा। गुर्जर ने बीजेपी के गिर्राज सिंह मलिंगा को शिकस्त दी।

जीजा से जीती साली, चाचा ने भतीजी को हराया, किसने जीती रिश्तों की सियासी जंग

जयपुर, 5 नवंबर (एजेंसियां)। चाचा विधायक हैं हमारे, ये कहते हुए कई भतीजों को आपने सुना होगा, लेकिन राजस्थान विधानसभा चुनाव 2023 के सियासी मैदान में भतीजे और भतीजियों ने चाचा से मुकाबला किया था। इसके अलावा पति-पत्नी, जीजा-साली, भाई-भाई, और पिता-पुत्री ने भी एक दूसरे को टक्कर दी थी। जानिए, कौन किस पर भारी पड़ा?

दातांरामगढ़ः पति-पत्नी एक ही सीट पर लड़े

सीकर जिले की दातांरामगढ़ सीट पर कांग्रेस से मौजूदा विधायक वीरेंद्र सिंह चुनाव लड़े। वहीं, जननायक जनता पार्टी (जेजेपी) से उनकी पत्नी डॉ. रीटा सिंह ने उन्हें टक्कर दी थी। वह जेजेपी की महिला मोर्चा की अध्यक्ष भी हैं।

अलवर ग्रामीणः बेटी ने पिता को दी थी चुनौती

अलवर जिले की इस सीट से भाजपा से जयराम जाटव चुनावी मैदान में उतरे थे। उनकी बेटी मीना कुमारी ने निर्दलीय चुनाव लड़ा। जयराम इस सीट से दो बार विधायक रह चुके हैं।

धौलपुरः साली ने जीजा से किया मुकाबला

धौलपुर जिले की इस सीट से कांग्रेस के टिकट पर शोभारानी कुशवाह ने चुनाव लड़ा। शिवचरण कुशवाह भाजपा के टिकट पर मैदान में उतरे। ये दोनों रिश्ते में जीजा साली लगते हैं।

भादराः भतीजे ने चाचा को दी टक्कर

चूरू जिले की इस सीट पर भाजपा से संजीव बेनीवाल ने चुनाव लड़ा। वहीं, कांग्रेस से उनके भतीजे अजीत बेनीवाल मैदान में उतरे थे। संजीव भाजपा से दो बार विधायक रह चुके हैं।

खेतड़ीः चाचा या भतीजी कौन पड़ेगा भारी?

झुंझुनू जिले की इस सीट पर भाजपा से धर्मपाल गुर्जर ने चुनाव लड़ा। कांग्रेस से मनीषा गुर्जर ने उन्हें टक्कर दी थी। दोनों रिश्ते में चाचा और भतीजी लगते हैं।

नागौरः चाचा-भतीजी में कौन मारेगा बाजी

नागौर जिले की इस सीट पर मिर्धा परिवार के दो सदस्यों में मुकाबला हुआ था। पूर्व सांसद ज्योति मिर्धा ने भाजपा से चुनाव लड़ा। वहीं, उनके चाचा हरेंद्र मिर्धा कांग्रेस से चुनावी मैदान में थे।

दातांरामगढ़ः पति-पत्नी एक ही सीट पर लड़े

सीकर जिले की दातांरामगढ़ सीट पर कांग्रेस से मौजूदा विधायक वीरेंद्र सिंह चुनाव लड़े। वहीं, जननायक जनता पार्टी (जेजेपी) से उनकी पत्नी डॉ. रीटा सिंह ने उन्हें टक्कर दी थी। वह जेजेपी की महिला मोर्चा की अध्यक्ष भी हैं।

अलवर ग्रामीणः बेटी ने पिता को दी थी चुनौती

अलवर जिले की इस सीट से भाजपा से जयराम जाटव चुनावी मैदान में उतरे थे। उनकी बेटी मीना कुमारी ने निर्दलीय चुनाव लड़ा। जयराम इस सीट से दो बार विधायक रह चुके हैं।

धौलपुरः साली ने जीजा से किया मुकाबला

धौलपुर जिले की इस सीट से कांग्रेस के टिकट पर शोभारानी कुशवाह ने चुनाव लड़ा। शिवचरण कुशवाह भाजपा के टिकट पर मैदान में उतरे। ये दोनों रिश्ते में जीजा साली लगते हैं।

भादराः भतीजे ने चाचा को दी टक्कर

चूरू जिले की इस सीट पर भाजपा से संजीव बेनीवाल ने चुनाव लड़ा। वहीं, कांग्रेस से उनके भतीजे अजीत बेनीवाल मैदान में उतरे थे। संजीव भाजपा से दो बार विधायक रह चुके हैं।

खेतड़ीः चाचा या भतीजी कौन पड़ेगा भारी?

झुंझुनू जिले की इस सीट पर भाजपा से धर्मपाल गुर्जर ने चुनाव लड़ा। कांग्रेस से मनीषा गुर्जर ने उन्हें टक्कर दी थी। दोनों रिश्ते में चाचा और भतीजी लगते हैं।

नागौरः चाचा-भतीजी में कौन मारेगा बाजी

नागौर जिले की इस सीट पर मिर्धा परिवार के दो सदस्यों में मुकाबला हुआ था। पूर्व सांसद ज्योति मिर्धा ने भाजपा से चुनाव लड़ा। वहीं, उनके चाचा हरेंद्र मिर्धा कांग्रेस से चुनावी मैदान में थे।

भाजपा के हिंदुत्व कार्ड के आगे कांग्रेस ध्वस्त

जातिगत समीकरण साधने में फेल रहे अशोक गहलोत

जयपुर, 5 नवंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने एक बार कांग्रेस और एक बार भाजपा की सरकार बनने की परंपरा को बदलने के लिए राजस्थान सरकार की तिजोरी को खोल दिया था। गारंटी देने से लेकर कांग्रेस को वोट देने के लिए सचिन पायलट तक का वीडियो संदेश अपने सोशल मीडिया हैंडल से जारी किया। राहुल गांधी से लेकर मल्लिकार्जुन खरगे तक ने जयपुर में कैंप किए, लेकिन सरकार रिपीट नहीं हो पाई। भाजपा के हिंदुत्व कार्ड, ध्रुवीकरण के आगे कांग्रेस पस्त हो गई। सचिन पायलट से टकराव गहलोत को भारी पड़ा। भाजपा की पांच साल बाद फिर सत्ता में वापसी हो गई है। प्रदेश की जनता ने पीएम मोदी पर भरोसा जताया है। उनके ही चेहरे पर भाजपा ने चुनाव लड़ा, जिस पर जनता ने वोट किया है।

कांग्रेस के मंत्रियों और विधायकों का भ्रष्टाचारः पांच साल से कांग्रेस सरकार के मंत्रियों-विधायकों के कामकाज से लोग नाराज थे। गहलोत और पायलट के बीच टकराव से मंत्रियों व विधायकों पर भी पार्टी या सरकार का नियंत्रण नहीं था, जिसके कारण माहौल खराब होता चला गया।

महिला अपराध, पेपर लीक, भ्रष्टाचार से गुस्साः राज्य में कांग्रेस की सरकार बनने के बाद से ही महिला अपराध के मामले बढ़ रहे थे। लगातार पेपर लीक हो रहे थे। मंत्रियों और अधिकारियों तक पर संगीन आरोप लग रहे थे, जिससे महिलाओं और युवाओं में गहलोत सरकार के प्रति नाराजगी थी।

अंदरूनी कलह, पायलट की अनदेखी से गुर्जर वोट बैंक छिटकाः पिछली बार सचिन पायलट प्रदेश अध्यक्ष थे। इस नाते गुर्जर समाज ने कांग्रेस को एकतरफा वोट किया था। बाद में पायलट को किनारे कर दिया गया। इससे गुर्जर समाज नाराज हो गया, जिसका भाजपा को लाभ मिला। मोदी ने भी इसे प्रमुखता से उठाया था।

तुष्टीकरण बनाम ध्रुवीकरणः उदयपुर में कन्हैया लाल हत्याकांड। करौली व जोधपुर में दंगों पर पुलिस की नरमी। जयपुर बम धमाके के आरोपियों की कमजोर पैरवी को भाजपा ने मुद्दा बनाया। पहली बार भाजपा ने किसी भी मुस्लिम प्रत्याशी को टिकट नहीं दिया, जिससे चुनाव में तुष्टीकरण बनाम ध्रुवीकरण का मुद्दा छाया रहा। वसुंधरा राजे, पूर्व सीएम ने कहा कि राजस्थान में भाजपा की जीत पीएम मोदी की गारंटी की जीत है। उनके मंत्र सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास की जीत है। अमित शाह की रणनीति व जेपी नड्डा के कुशल नेतृत्व की जीत है। कार्यकर्ताओं की जीत है, जो दिन-रात पीएम के सपने को साकार करने की दिशा में काम कर रहे हैं। यह जनता जनार्दन की जीत है, जिसने कांग्रेस के कुराज को ठुकराया और भाजपा के सुराज को अपनाया। मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में भाजपा की प्रचंड जीत के पीछे कई कारण हैं।

मप्र में जहां महिलाओं और

वसुंधरा राजे और अशोक गहलोत की सीटों पर कितने लोगों ने चुना नोटा?

5 नवंबर (एजेंसियां)। वसुंधरा राजे और अशोक गहलोत की सीटों पर बड़ी संख्या में लोगों ने नोटा का इस्तेमाल किया।

राजस्थान के विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी ने बड़ी जीत दर्ज की है। बीजेपी को 115 और कांग्रेस को 69 सीटों पर जीत मिली। अन्य पार्टियों और निर्दलीय उम्मीदवारों ने 15 सीटें हासिल कीं। राजस्थान की कई सीटों पर बीजेपी-कांग्रेस के प्रत्याशियों ने बड़े अंतर से जीत हासिल की, लेकिन दिलचस्प बात यह है कि पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे और सीएम अशोक गहलोत की सीटों पर बड़ी संख्या में लोगों ने नन ऑफ द अबव का इस्तेमाल किया। नोटा यानी राजे या गहलोत की सीटों पर दोनों दिग्गज नेताओं समेत जनता को कोई भी प्रत्याशी पसंद नहीं आया। बात करें वसुंधरा राजे की झालरापाटन सीट की तो यहां लोगों ने नोटा का बड़ी संख्या में इस्तेमाल किया। झालरापाटन में 3194 नोटा वोट पड़े। इस सीट पर वसुंधरा राजे समेत चार नेता सियासी मैदान में थे। राजे के खिलाफ कांग्रेस प्रत्याशी रामलाल थे। राजे ने उन्हें 53193 वोटों से करारी शिकस्त दी। पूर्व सीएम को यहां से 138831 वोट मिले तो वहीं रामलाल ने 85638 वोट हासिल किए। अब बात करते हैं अशोक गहलोत की सरदारपुरा सीट की...इस सीट पर 1222 लोगों ने नोटा बटन दबाया। सरदारपुरा में 10 प्रत्याशी मैदान में थे। सीएम अशोक गहलोत ने यहां से बीजेपी प्रत्याशी डॉ. महेंद्र राठौड़ को हराया।

सिरपुर विधानसभा क्षेत्र का विकास मुख्य एजेंडा : पालवाई हरीश बाबू

सिरपुर कागजनगर, 4 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। डॉ. हरीश बाबू ने अपनी जीत में योगदान देने वाली बंगाली वासियों को विशेष रूप से धन्यवाद दिया। और सिरपुर कागजनगर विधानसभा क्षेत्र के सभी मतदान करने वाले मतदाताओं को उन्होंने विशेष धन्यवाद दिया। विधानसभा चुनाव जीतने के बाद हरीश बाबू ने भाजपा कार्यालय में संवाददाता सम्मेलन में यह बात कही। और आगे उन्होंने कहा कि सिर्फ चुनाव से पहले ही राजनीति थी लेकिन चुनाव जीतने के बाद उनके कंधों पर कार्यभार बढ़ गया है उसके बाद सभी समुदायों के विकास के लिए काम करने की बात कही। वह अपने पिता स्वर्गीय पुरुषोत्तम राव की महत्वाकांक्षाओं को जारी रखेंगे। बंगाली की जातियों के लिए एससी प्रमाण पत्र, सिंचाई व्यवस्था, पश्चिम बंगाल की यात्रा के लिए विशेष ट्रेन की गारंटी देने की बात कही। विधायक कोनप्पा की हार के बाद कई गांवों में बीजेपी कार्यकर्ताओं पर हमले हुए। उन्होंने इस पर कहा कि जिले के एसपी से बातचीत करके पुलिस की एक तरफाई कार्रवाई करने वालों पर पुलिस पर कार्रवाई करने की मांग करने की बात कही। उन्होंने पुलिस वालों को चेतावनी देते हुए कहा कि सिरपुर में विधायक बदल चुके हैं और राज्य सरकार में भी बरस की सरकार नहीं है वहां पर भी सरकार बदल चुकी है इसलिए पुलिस अपने रवैए को बदलें।केंद्र सरकार की मदद से करेंगे संसदीय क्षेत्र का विकास।भले ही वह सत्तारूढ़ दल में नहीं हैं, उन्होंने कहा कि वह समस्याओं का समाधान वैसे ही करेंगे जैसे उनके पिता ने अतीत में किया था। उन्होंने कहा कि वे समस्याओं के समाधान के लिए विधानसभा में मुख्य विपक्ष के रूप में लड़ेंगे। कार्यक्रम में भाजपा जिला अध्यक्ष के श्रीनिवास, भाजपा नायक के सत्यनारायण आदि उपस्थित थे।

धरूर में वार्षिक ईसाई जातरा के लिए विशेष ट्रेनें

हैदराबाद, 4 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। धरूर में 5 से 10 दिसंबर तक आयोजित होने वाले 101वें वार्षिक ईसाई जत्था के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए, दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) बीदर और धारूर के बीच विशेष ट्रेनें चलाएगा। विशेष ट्रेनों में बीदर-धारूर (07023) 8 दिसंबर को सुबह 10 बजे चलेगी और उसी दिन पहुंचेगी और धारूर-बीदर (07024) 10 दिसंबर को शाम 7.50 बजे चलेगी और उसी दिन पहुंचेगी। विशेष ट्रेनें दोनों दिशाओं में जहीराबाद, कोहिर (डेक्कन), सदाशिवपेट रोड, विकाराबाद, गोदामगुरा और मेलाराम स्टेशनों पर रुकेंगी।

एसएससी और इंटर (टीओएसएस) के नतीजे जारी

हैदराबाद, 4 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना ओपन स्कूल सोसाइटी, हैदराबाद द्वारा 16 से 26 अक्टूबर तक आयोजित एसएससी और इंटरमीडिएट (टीओएसएस) सार्वजनिक परीक्षा, अक्टूबर-2023 के परिणाम वेबसाइट www.telanganaopenschool.org पर जारी और जारी किए गए हैं। उम्मीदवार अपना परिणाम यहां देख/डाउनलोड कर सकते हैं। उत्तीर्ण/अनुत्तीर्ण अभ्यर्थियों के अंकों का मुद्रित ज्ञापन 15 दिनों के भीतर संबंधित संस्थानों को भेजा जाएगा। उम्मीदवार मेमोरेंडम ऑफ मार्क्स की एक प्रति वेबसाइट www.telanganaopen-school.org से डाउनलोड कर सकते हैं। यदि मेमो में कोई विसंगति है तो संबंधित जिला शिक्षा अधिकारी/हेड मास्टर/प्रिंसिपल और एआई समन्वयक के माध्यम से 21 दिसंबर को या उससे पहले तेलंगाना ओपन स्कूल सोसाइटी हैदराबाद के राज्य कार्यालय के ध्यान में लाया जाएगा। सुधार के लिए निर्धारित तिथि के बाद किसी भी पत्राचार पर विचार नहीं किया जाएगा।

टीएस ट्रांसको और टीएस जेनको के प्रमुख प्रभाकर राव ने इस्तीफा दिया

हैदराबाद, 4 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। डी. प्रभाकर राव ने टीएस ट्रांसको और जेनको के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने सोमवार को यहां सरकार के विशेष मुख्य सचिव को अपना इस्तीफा सौंप दिया। अपने इस्तीफे पत्र में, प्रभाकर राव ने कहा कि टीएसजेनको के निदेशक अजय पीढ़ी निगम के मामलों को देखेंगे, जबकि ट्रांसमिशन कॉर्पोरेशन के जेएमडी सी श्रीनिवास राव निगम के कार्यों को देखेंगे। इस बीच, केवी रामाचार्य ने भी तेलंगाना सरकार में सलाहकार (सांस्कृतिक और मीडिया) के पद से इस्तीफा दे दिया। बीआरएस सरकार में, मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने कई सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारियों को विभिन्न पदों पर नियुक्त किया। कुछ अन्य लोग विस्तार या अन्य रूप में उन्हीं विभागों में बने रहे। तेलंगाना में कांग्रेस पार्टी की सरकार बनने की तैयारी के बीच विभिन्न जिम्मेदारियां संभाल रहे सभी अधिकारी अपने पदों से इस्तीफा देने की तैयारी कर रहे हैं।

दि गुजराती सोश्यल वेलफेयर सोसाईटी का दीपावली स्नेह मिलन

हैदराबाद, 4 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दि गुजराती सोशयल वेलफेयर सोसाईटी का त्रिपुरा रिसोर्ट में आयोजित दीपावली स्नेह मिलन में 1500 सदस्यों ने भाग लिया। अवसर पर प्रतियोगिताओं में जीतने वालों को ढेरों पुरस्कार दिए गए जैसे लैपटॉप, टैब, मोबाईल, साईकल, चांदी के सिक्के, नकद पुरस्कार आदि। कार्यक्रम का थीम रामायण पर आधारित था। इस अवसर पर अध्यक्ष जिग्नेश दोशी एवं अन्य सोसाईटी के पदाधिकारियों ने सभी को शुभकामनाएं दी। श्री दोशी ने कहा कि सोसायटी के सदस्यों के लिए हम हमेशा प्रयासरत है। रात-दिन हम हमारे सदस्यों की भलाई के लिए काम कर रहे हैं। कई योजनाएं हमने शुरू की है। सोसायटी के सदस्य ही हमारी ताकत है। इस अवसर पर दानदाता भानुमतीबेन चन्द्रकान्तभाई दोशी, राजूभाई पटेल, शम्भुनाथ भट्टाचार्य, केतनभाई मोनानी, मंजुलाबेन कांतिलाल तुरखिया, जयश्रीबेन भरतभाई केसरिया, हेतलबेन सामानी का सम्मान किया गया।

रेनबो मारवाड़ी मंच का भव्य दिवाली मिलन कार्यक्रम संपन्न

हैदराबाद, 4 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। रेनबो विस्टा रॉक गार्डन सोसाइटी हाईटेक सिटी का दिवाली मिलन कार्यक्रम सोसाइटी के क्लब हाउस में बहुत उत्साह से संपन्न हुआ। शाम 8 बजे से दीपेश जोशी के मधुर भजनों से शुरू हुआ कार्यक्रम देर रात 11 बजे तक चलता रहा। सभी सदस्यों ने भजन संध्या और रात्रि भोजन का आनंद लिया। रेनबो मारवाड़ी मंच के तत्वाधान में आयोजित इस कार्यक्रम में 200 सदस्यों ने बहुत उत्साह से भाग लिया। कार्यक्रम के लिए महेश बैंक के चेयरमैन रमेश कुमार बंग, हरियाणा नागरिक संघ के उपाध्यक्ष सुरेन्द्र केडिया और सचिव राजेश गर्ग को विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया। कमल राठी, विपिन सिंघानिया, राजेंद्र अग्रवाल और रेनबो मारवाड़ी मंच के सभी साथियों ने रमेश बंग, शिवप्रसाद चांडक और हरियाणा नागरिक संघ के पदाधिकारियो का स्वागत किया।

श्री बंग ने कहा कि ये आज की आवश्यकता है कि हम सभी अग्रवाल, जैन, माहेश्वरी, शर्मा एक साथ मिलकर इस प्रकार त्योहार मनाएं। सुरेन्द्र केडिया ने अपने संबोधन में रेनबो मारवाड़ी मंच के इस मिलन समारोह कार्यक्रम के लिए सभी को बधाई दी। साल 2018 से रेनबो मारवाड़ी मंच दिवाली मिलन, सावन की सैर, अन्नदान, होली के रंग आदि कार्यक्रम नियमित रूप से करता आया है। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए राजेंद्र अग्रवाल, विपिन सिंघानिया, कमल राठी, पूनमचंद जैन, श्याम खुराना, सुशील वालिया,राजीव लखोटिया, हेमेंद्र लोढ़ा, और राजीव टावरी ने अपना सहयोग और समय दिया। कार्यक्रम में मुरलीधर झंवर, विनोद अग्रवाल, विजय मांधना, सौरभ गाडोदिया, रामेश्वर भारद्वाज, पवन कुमार जाजोदिया, रामनिवास पोरवाल, मोतीलाल पसारी और समाज के अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। कार्यक्रम में महिलाओ एवं बच्चों ने भरपूर आनंद उठाया।

दक्षिण भारत काव्यकुब्ज सभा की विशेष बैठक आयोजित

हैदराबाद, 4 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण भारत काव्य कुब्ज सभा की विशेष बैठक में मुख्य रूप से छात्रवृत्ति के लिए प्राप्त आवेदनों की समीक्षा एवं चयन के लिए गठित समिति ने प्राप्त लगभग 80 आवेदनों की समीक्षा की एवं लगभग सभी आवेदनों की स्वीकृत किया। इसके अतिरिक्त 16 दिसंबर को निर्धारित दिपावली स्नेह मिलन एवं छात्रवृत्ति वितरण समारोह के अवसर पर उपस्थित होने वाले मुख्य अतिथियों का चयन किया गया। लव फार काऊ फाउडेशन के संस्थापक जसमलभाई पटेल कार्यक्रम के मुख्य अतिथि होंगे। प्रसिद्ध न्यूरो सर्जन डॉ. अनिरुद्ध कुमार पुरोहित कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे। बैठक की अध्यक्षता डॉ. रामकुमार तिवारी ने की। बैठक में महामंत्री विजय पाल पाण्डेय, व्यवस्था मंत्री दुर्गा प्रसाद मिश्र, कोषाध्यक्ष गोपाल प्रसाद शुक्ला, आयोजन मंत्री सूर्यप्रकाश शुक्ला ने भाग लिया।

बीआरएस नेताओं ने मनोनीत पदों से इस्तीफा दिया

हैदराबाद, 4 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार में विभिन्न निगमों के अध्यक्षों और अन्य जिम्मेदारियां संभाल रहे कई बीआरएस नेताओं ने सोमवार को मुख्य सचिव शांति कुमारी को इस्तीफे का पत्र भेजा। उन्होंने तेलंगाना सरकार में विभिन्न पदों पर लोगों की सेवा करने का अवसर देने के लिए के चंद्रशेखर राव को धन्यवाद दिया है और राज्य के गठन के बाद तेलंगाना राज्य के पुनर्निर्माण में भाग लेने पर खुशी महसूस की है। उन्होंने कहा कि वे बीआरएस अध्यक्ष के.चंद्रशेखर राव और कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव के निर्देशानुसार आने वाले दिनों में बीआरएस पार्टी को मजबूत करने के लिए काम करेंगे।

कांग्रेस सरकार पुराने शहर के विकास का वादा पूरा करेगी : समीर

हैदराबाद, 4 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हाल के चुनावों में कांग्रेस पार्टी की जोरदार जीत के बाद, हैदराबाद जिला कांग्रेस कमेटी (डीसीसी) के अध्यक्ष समीर वलीउल्लाह ने पूरी पार्टी को हार्दिक बधाई दी और सफलता का श्रेय प्रत्येक सदस्य के सामूहिक प्रयास को दिया।

समीर ने इस बात पर जोर दिया कि कांग्रेस पार्टी में लोगों का विश्वास जीत हासिल करने में सहायक रहा और सार्वजनिक सेवा की उसी भावना को बनाए रखने के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने जोर देकर कहा कि मतदाताओं द्वारा सौंपी गई पार्टी की छह गारंटियों को नई सरकार के तहत तुरंत लागू किया जाएगा। वलीउल्लाह ने पुष्टि की कि मुझे विश्वास है कि उन पर तुरत कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि, पहली बार, कांग्रेस पार्टी ने सफलतापूर्वक अपने चुनाव अभियान को पुराने शहर में विकास और सार्वजनिक कल्याण दोनों पर केंद्रित किया, जो बीआरएस शासन के दौरान उपेक्षा का शिकार रहा। उन्होंने विकास प्रक्रिया को पुनर्जीवित करने की नई कांग्रेस सरकार की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। उन्होंने आश्वासन दिया कि सेटविन को पुनर्जीवित करना और क्यूक्यूएसयूडीए को मजबूत करना, जैसा कि पार्टी के घोषणापत्र और अल्पसंख्यक घोषणापत्र में वादा किया गया था, सर्वोच्च प्राथमिकता होगी, जो कांग्रेस पार्टी के अपने वादों को पूरा करने के सिद्ध ट्रैक रिकॉर्ड को रेखांकित करता है। समीर वलीउल्लाह ने कहा कि पुराने शहर को नामांकन के माध्यम से विधान परिषद में प्रतिनिधित्व दिया जाना चाहिए। उन्होंने समुदाय पर नई सरकार के सकारात्मक प्रभाव पर विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि कल्याणकारी सरकार की भावना के अनुरूप, कांग्रेस पार्टी से आम लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने की उम्मीद है।

वध के लिए अवैध रूप से ऊंट रखने के आरोप में तीन गिरफ्तार

हैदराबाद, 4 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तीन दिसंबर को विश्वसनीय सूचना पर, कमिश्नर टास्क फोर्स नॉर्थ जोन टीम के अधिकारियों ने यहां हकीमपेट कुंटा में वध के उद्देश्य से अवैध रूप से ऊंट रखने के साथ तीन आरोपियों को पकड़ा है। आरोपियों की पहचान गेट नंबर 2, पैरामाउंट कॉलोनी में बेस्ट बीफ शॉप के 30 साल के मोहम्मद इस्माइल के रूप में हुई। आरोपी हकीमपेट कुंटा, टोलीचौकी और एक में रहता है। अन्य आरोपी बीदर के कालेमल गांव के मूल निवासी टोली चौकी में रह रहे मोहम्मद सलमान और सिराज खान है। टास्कफोर्स पुलिस ने चार ऊंट के साथ धारदार हथियार बरामद किया है। जब पूछताछ की गई, तो आरोपियों ने कबूल किया कि उन्होंने ऊंट का मांस बेचने की योजना बनाई थी, जिसके लिए उन्होंने तीन महीने पहले इंदौर के श्याम से संपर्क किया और सात ऊंट खरीदे, जिनमें से उन्होंने तीन ऊंटों का वध किया और ग्राहकों को 400 रुपये प्रति किलोग्राम के हिसाब से ऊंट का मांस बेचा। बाकी चार ऊंटों को उन्होंने हकीमपेट कुंटा के पास खुली जगह पर रख दिया। विश्वसनीय सूचना पर, टास्क फोर्स के अधिकारियों ने आरोपियों को पकड़ लिया और उन्हें फिल्मनगर पुलिस स्टेशन के एसएचओ को सौंप दिया। पुलिस ने कहा कि वध के उद्देश्य से ऊंटों को रखना अवैध है। यदि कोई उल्लंघन करता है तो उन पर संबंधित अधिनियमों के तहत मामला दर्ज किया जाएगा। गिरफ्तारी नीतिका पंत, पुलिस उपायुक्त, कमिश्नर टास्क फोर्स, हैदराबाद, एल. भास्कर रेड्डी, इंस्पेक्टर, के. श्रीकांत, इंस्पेक्टर, टास्क फोर्स की देखरेख में की गई। टीम का नेतृत्व एसआई, बी. अशोक रेड्डी, पी. ने किया।

अमेरिकी डॉक्टरों ने हैदराबाद के उस्मानिया जनरल अस्पताल का दौरा किया

हैदराबाद, 4 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हॉस्पिटल फॉर स्पेशल सर्जरी, न्यूयॉर्क, संयुक्त राज्य अमेरिका के डॉक्टरों की एक टीम पॉइंट ऑफ केयर अल्ट्रासाउंड (पीओसीयूएस) पर अस्पताल के डॉक्टरों और अन्य देखभाल करने वालों को प्रशिक्षण देने के लिए उस्मानिया जनरल हॉस्पिटल (ओजीएच) के दौरे पर है। संयुक्त राज्य अमेरिका के डॉक्टरों की टीम का दौरा हॉस्पिटल फॉर स्पेशल सर्जरी न्यूयॉर्क और उस्मानिया जनरल हॉस्पिटल/उस्मानिया मेडिकल कॉलेज, हैदराबाद के बीच समझौता ज्ञापन का एक हिस्सा है। प्वाइंट ऑफ केयर अल्ट्रासाउंड (पीओसीयूएस) में प्रशिक्षण डॉक्टरों, विशेष रूप से ऑपरेशन थिएटरों, आपातकालीन कक्षों और आईसीयू में काम करने वाले एनेस्थेसियोलॉजिस्ट को उनके अध्ययन के हिस्से के रूप में प्रशिक्षित करने के लिए किया जाता है, ताकि यह दिखाया जा सके कि फेफड़ों की विकृति की पहचान करने के लिए संसाधन सीमित सेटिंग्स में अल्ट्रासाउंड का उपयोग कैसे किया जा सकता है। ओजीएच के अधीक्षक, डॉ. जी नागेंद्र ने कहा कि ऐसी स्थितियों में प्रभावी और कुशल रोगी प्रबंधन के लिए तत्काल कार्रवाई होनी चाहिए।

ओजीएच में पीओसीयूएस प्रशिक्षण का संचालन करने वाले डॉक्टरों की अंतरराष्ट्रीय टीम में हॉस्पिटल फॉर स्पेशल सर्जरी, न्यूयॉर्क से डॉ. एरिका टैफुरो, डॉ. लूसिया ली और डॉ. जैसन हैदर और आरहूस विश्वविद्यालय, आरहूस, डेनमार्क से डॉ. लार्स नुडसेन शामिल हैं।

केटीआर ने नवनिर्वाचित पार्टी विधायकों से मुलाकात की

हैदराबाद, 4 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने सोमवार को यहां तेलंगाना भवन में नवनिर्वाचित पार्टी विधायकों के साथ बैठक की। बैठक के दौरान केटी रामाराव ने कहा कि के.चंद्रशेखर राव के नेतृत्व में बीआरएस सरकार के कार्यकाल के दौरान पिछले दस वर्षों में बीआरएस सरकार ने कई अद्भुत कार्यक्रम चलाए हैं और लोगों ने सुरक्षित न होने के बावजूद बीआरएस पार्टी को सम्मानजनक स्थान दिया है। उन्होंने कहा कि लोगों ने बीआरएस पार्टी को विपक्षी दल के कर्तव्यों का निर्वहन करने का अवसर दिया है। आइए अपने कर्तव्यों का प्रभावी ढंग से निर्वहन करें और लोगों की आवाज सरकार के ध्यान में लाएं। केटी रामा राव ने कहा कि भले ही बीआरएस पार्टी सत्ता बरकरार नहीं रख सकी, लेकिन पार्टी के नेतृत्व के प्रति लोगों की सकारात्मक प्रतिक्रिया थी और उन्हें समाज के सभी वर्गों से सैकड़ों संदेश मिल रहे थे। "मुझे नहीं लगता कि बीआरएस पार्टी को खारिज कर दिया गया है। लोग अभी भी बीआरएस पार्टी के नेतृत्व में विश्वास रखते हैं और हमारे भविष्य के प्रयासों के लिए अपना समर्थन दे रहे हैं। बहुत जल्द, हम पार्टी नेताओं के साथ एक बड़े पैमाने पर बैठक की व्यवस्था करेंगे। इस अवसर पर, बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष ने सभी निर्वाचित पार्टी विधायकों को बधाई दी और कहा कि वह अब से तेलंगाना भवन में लोगों और पार्टी नेताओं के लिए उपलब्ध रहेंगे।

14 दिसंबर को विजयवाडा में श्री खाटू श्याम मन्दिर की प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के अन्तर्गत बाबा का शीश (स्वरूप) एवं अखण्ड ज्योत को श्री पहाडी श्याम मन्दिर, महेन्द्रा हिल्स लाकर ताली कीर्तन के उपलक्ष्य में श्री खाटू श्याम मन्दिर, विजयवाडा समिति का अभिनन्दन करते हुए पहाडी श्याम मन्दिर के परामर्शदाता अरुण डाकोतिया, संजय अग्रवाल एवं अन्य।

राष्ट्रपति मूर्मू 11 से 25 दिसंबर तक राष्ट्रपति निलयम बोलारम में रहेंगी

हैदराबाद, 4 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू दिसंबर 11 से 25 तक हैदराबाद का दौरा पर रहेंगी और राष्ट्रपति निलयम, बोलारम, सिकंदराबाद में थोड़े समय के लिए रुकेंगी। आज यहां जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार इसलिए राष्ट्रपति निलयम 11 से 25 दिसंबर, 2023 तक आगंतुकों/जनता के लिए बंद रहेगा। राष्ट्रपति सचिवालय राष्ट्रपति निलयम द्वारा जारी एक प्रेसनोट के अनुसार, सभी आगंतुकों/जनता से अनुरोध है कि वे 11 से 25 दिसंबर तक राष्ट्रपति निलयम की यात्रा से बचें।

तेलंगाना के नए डीजीपी रवि गुप्ता ने पदभार संभाला

हैदराबाद, 4 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) अंजनी कुमार के निलंबन के बाद, तेलंगाना राज्य सरकार ने रवि गुप्ता को राज्य के पुलिस महानिदेशक के रूप में नियुक्त करने के आदेश जारी किए। 1990 बैच के आईपीएस अधिकारी, गुप्ता ने दिसंबर 2022 में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) के महानिदेशक के रूप में कार्यभार संभाला और महानिदेशक (सतर्कता और प्रवर्तन) का प्रभार भी संभाला।

सनतनगर विधानसभा क्षेत्र से बीआरएस विधायक निर्वाचित होने पर तलसानी श्रीनिवास यादव को शुभकामनाओं देते हुए युवा नेता गुलाबसिंह राजपुरोहित, पुर्व पार्षद शेषु कुमारी, ललिता, गोपीलाल चौहान, करुणाकर रेड्डी, रामनिवास बसंल, पीयुष गुप्ता।

पूर्व तट रेलवे

(1) लॉट नं./वर्ग : PnU-WAT-VSKP-WRL-04-23-1 (Pay & Use-Lounges/ Waiting/Retiring/Cloak Room)

विवरण: 480 Sft एरिया के साथ विशाखापट्टनम रेलवे स्टेशन में फुट ओवर ब्रिज (FOB) के नीचे प्लेटफॉर्म नं. 1 में बहु-उद्देशीय स्टॉल एवं टूरिस्ट Kiosk जैसे अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ AC रिलैक्सिंग (Relaxing)लाउंज का उन्नयन, रख-रखाव एवं मैनिंग।

(2) लॉट नं./वर्ग : ADVT-WAT-VSKP-OSN-201-23-1(Advertising-On Station Premise(Non-Digital))

विवरण: विशाखापट्टनम रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नं.1 से प्लेटफॉर्म नं.8 के अंदर पिलर (स्टेशन परिसर में नन-डिजिटल) में विज्ञापन होर्डिंग/ग्लो साइन। विज्ञापन के लिए प्रस्तावित क्षेत्र 1925 Sft एरिया है।

दर यूनिट: वार्षिक लाइसेंसिंग शुल्क (दोनों निविदा हेतु), ट्रिप/दिवस: 1096 (दोनों निविदा हेतु), न्यूनतम वृद्धि (%): 0.2 (दोनों निविदा हेतु), लॉट स्थिति: ड्राफ्ट कैटलॉग में नया (दोनों निविदा हेतु)।

लॉट प्रारंभ होने की तिथि व समय: दिनांक 12.12.2023 को 1215 बजे (क्रम. सं.1 हेतु) एवं 12.12.2023 को 1100 बजे (क्रम. सं.2 हेतु),

लॉट समाप्त होने की तिथि व समय: दिनांक 12.12.2023 को 1245 बजे (क्रम. सं. 1 हेतु) एवं दिनांक 12.12.2023 को 1130 बजे (क्रम. सं. 2 हेतु)

विस्तृत विवरण के लिए कृपया वेबसाइट www.ireps.gov.in का अवलोकन करें।

मण्डल वाणिज्य प्रबंधक/ वाल्टियर

PR-840/O/23-24

पूर्व तट रेलवे

(1) लॉट नं./वर्ग : ADVT-WAT-VSKP-OH-190-23-2(Advertising-Out of Home)

विवरण: ईस्ट प्वॉइंट विश्राम गृह के निकट/पार्क होटल/विशाखापट्टनम के सामने विज्ञापन अधिकार। विज्ञापन केवल चिह्नित क्षेत्र में ही निष्पादन किया जाना चाहिए। विज्ञापन के लिए प्रस्तावित एरिया 1500 Sft है।

(2) लॉट नं./वर्ग: ADVT-WAT-VSKP-OH-192-23-2 (Advertising-Out of Home)

विवरण: रेल हाउस/विशाखापट्टनम के निकट विज्ञापन अधिकार। विज्ञापन केवल चिह्नित क्षेत्र में ही निष्पादन किया जाना चाहिए। विज्ञापन के लिए प्रस्तावित एरिया 3500 Sft है।

(3) लॉट नं./वर्ग : ADVT-WAT-VSKP-OH-181-23-2 (Advertising-Out of Home)

विवरण: विशाखापट्टनम रेलवे अस्पताल बिल्डिंग कॉर्नर के निकट विज्ञापन। विज्ञापन केवल चिह्नित क्षेत्र में ही निष्पादन किया जाना चाहिए। विज्ञापन के लिए प्रस्तावित एरिया 1800 Sft,है।

(4) लॉट नं./वर्ग : ADVT-WAT-VSKP-OH-200-23-1(Advertising-Out of Home)

विवरण: विशाखापट्टनम रेलवे स्टेशन के निकट विज्ञापन अधिकार (प्लेटफॉर्म नं.1 की ओर, गेट-1) 3,600 Sft के लिए बस स्टॉप टॉप साइड एवं 600 Sft के लिए रेल क्लब जंक्शन/विशाखापट्टनम के निकट। दोनों विज्ञापन के लिए कुल प्रस्तावित एरिया 3,600+600 =4,200 Sft है।

दर यूनिट: वार्षिक लाइसेंसिंग शुल्क (सभी क्रम सं. के लिए), ट्रिप/दिवस: 1827 (सभी क्रम सं. के लिए), न्यूनतम वृद्धि (%): 0.2 (सभी क्रम सं. के लिए), लॉट स्थिति: ड्राफ्ट कैटलॉग में नया (सभी क्रम सं. के लिए)।

लॉट प्रारंभ होने की तिथि व समय: दिनांक 08.12.2023 को 1100 बजे (सभी क्रम सं. के लिए)।

लॉट समाप्त होने की तिथि व समय: दिनांक 08.12.2023 को 1130 बजे (क्रम सं.1 हेतु), 1140 बजे (क्रम सं.2 हेतु), 1150 बजे (क्रम सं. 3 हेतु) एवं 1200 बजे (क्रम सं.4 हेतु)।

विस्तृत विवरण के लिए कृपया वेबसाइट www.ireps.gov.in का अवलोकन करें।

मण्डल वाणिज्य प्रबंधक/ वाल्टियर

PR-841/O/23-24

आईपीएल 2024 में बड़े उलटफेर की तैयारी!

'दिल्ली छोड़ सीएसके में शामिल हो सकते हैं ऋषभ पंत'

मुंबई, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। आईपीएल 2024 में एक और बड़ा उलटफेर देखा जा सकता है। दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान ऋषभ पंत को लेकर बड़ा दावा किया जा रहा है। ऋषभ पंत दिल्ली कैपिटल्स छोड़ महेंद्र सिंह धोनी की टीम चेन्नई सुपर किंग्स में शामिल हो सकते हैं। अगर ऐसा होता है, तो यह इस आईपीएल सीजन की दूसरी सबसे बड़ी उलटफेर होगी। पहला उलटफेर हार्दिक पांड्या के रूप में हो चुका है, जब पांड्या ने गुजरात टाइटंस छोड़ मुंबई इंडियंस ज्वाइन कर लिया था। अब पंत भी दिल्ली छोड़ सकते हैं।

ऋषभ क्यों हो सकते हैं सीएसके में शामिल

चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी कभी भी आईपीएल से संन्यास ले सकते हैं। आगामी आईपीएल सीजन से पहले ही कयास लगाए जा रहे थे कि धोनी आईपीएल 2024 के हिस्सा नहीं होंगे। लेकिन धोनी ने ऐलान कर दिया कि वह आईपीएल खेलने वाले हैं, इससे फैंस में खुशी की लहर दौड़ उठी। अब कयास लगाए जा रहे हैं कि यह आईपीएल सीजन महेंद्र सिंह धोनी का आखिरी आईपीएल हो सकता है, अगर ऐसा होता है कि सीएसके की कप्तानी किसे सौंपी जाएगी, यह एक बड़ा सवाल होगा। धोनी के बाद कप्तानी कौन करेगा, इसको लेकर सीएसके अभी से तैयारी कर सकती है। इसी कारण से सीएसके ऋषभ पंत को अपनी टीम में शामिल करना चाह रही है।

'पंत सीएसके में आए तो आश्चर्य मत करना'

बता दें कि पंत दिल्ली छोड़ सीएसके में शामिल होंगे, यह दावा किसी और ने नहीं, बल्कि भारत के पूर्व क्रिकेटर दीप दास गुप्ता ने किया है। दीप दास ने कहा कि अगर ऋषभ पंत 2024 या फिर 2025 आईपीएल सीजन तक चेन्नई सुपर किंग्स के हिस्सा होते हैं, तो इससे हैरान मत होइएगा। ऋषभ पंत और धोनी काफी दिनों तक साथ में खेले हैं और दोनों की ट्यूनिंग भी काफी अच्छी है। ऐसे में ऋषभ पंत कभी भी दिल्ली छोड़ सीएसके में शामिल हो सकते हैं। उन्होंने आगे कहा कि धोनी और पंत एक दूसरे को काफी पसंद भी करते हैं, ऐसे में इसमें कोई आश्चर्य वाली बात नहीं होगी अगर पंत चेन्नई में आते हैं।

इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज के लिए टीम इंडिया का ऐलान, किन खिलाड़ियों को मिला मौका

मुंबई, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत बनाम इंग्लैंड के बीच अगले महीने से टी20 सीरीज और टेस्ट मैचों की सीरीज होने वाली है। इसको लेकर बीसीसीआई ने स्क्वाड का ऐलान कर दिया है।

भारत बनाम इंग्लैंड के बीच अगले महीने के 6 तारीख से टी20 सीरीज का आगाज होने वाला है। यह सीरीज मुंबई के वानखेड़े क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। दोनों टीमों के बीच 3टी20 मैचों की सीरीज होने वाली है, इसके अलावा एक टेस्ट मुकाबला भी खेला जाएगा। वहीं, भारत को एक टेस्ट मैच ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भी खेलना है। इसको लेकर बीसीसीआई ने टीम का स्क्वाड का ऐलान कर दिया है। चलिए आपको बताते हैं किन-किन खिलाड़ियों को मौका दिया जाएगा।

6 दिसंबर को होगा पहला मैच

इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज का पहला मुकाबला 6 दिसंबर को खेला जाएगा। इसके बाद दूसरा मुकाबला 9 दिसंबर और तीसरा मुकाबला 10 दिसंबर को खेला जाएगा। तीनों ही मैच वानखेड़े क्रिकेट स्टेडियम में ही खेला जाएगा। ऐसे में भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने अभी से इसकी तैयारी शुरू कर दी है। चलिए आपको बताते हैं भारतीय टीम में किन खिलाड़ियों को शामिल किया गया है।

इंग्लैंड के खिलाफ 3 टी20 मैचों के लिए भारत की टीम

हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), जेमिमा रोड्रिग्स, शैफाली वर्मा, दीप्ति शर्मा, यास्तिका भाटिया (विकेटकीपर), ऋचा घोष (विकेटकीपर), अमनजोत कौर, श्रेयंका पाटिल, मन्नत कश्यप, सैका इशाक, रेणुका सिंह ठाकुर, तितास साधु, पूजा वस्त्राकर, कनिका आहूजा, मिन्नू मणि।

इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट के लिए भारत की टीम

हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), जेमिमा रोड्रिग्स, शैफाली वर्मा, दीप्ति शर्मा, यास्तिका भाटिया (विकेटकीपर), ऋचा घोष (विकेटकीपर), स्नेह राणा, शुभा सतीश, हरलीन देयोल , सैका इशाक, रेणुका सिंह ठाकुर, तितास साधु, मेघना सिंह, राजेश्वरी गायकवाड़, पूजा वस्त्राकर।

भारत सीरीज के लिए दक्षिण अफ्रीका टीम

धुरंधरों से सजी टीम का हुआ ऐलान, टी20-वनडे में मारक्रम तो टेस्ट में बावुमा लेंगे भारत की अग्नि परीक्षा

नई दिल्ली, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। भारतीय टीम की अगली भिड़ंत दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट टीम के साथ है। यहां ब्लू टीम क्रिकेट के सभी फॉर्मेट में मेजबान टीम के साथ दो-दो हाथ करेगी। हाल ही में आगामी दौरे के लिए भारतीय टीम ने अपने स्क्वॉड का ऐलान किया था। अब विपक्षी टीम ने भी अपने धुरंधर खिलाड़ियों के नाम की घोषणा कर दी है।

टी20 और वनडे फॉर्मेट में टीम की अगुवाई स्टार बल्लेबाज एडम मारक्रम करेंगे, जबकि टेस्ट फॉर्मेट में प्रोटीज टीम की अगुवाई अनुभवी बल्लेबाज टेम्बा बावुमा करेंगे।

टी20 फॉर्मेट के लिए अफ्रीकी टीमः एडम मारक्रम (कप्तान), ओटनील बार्टमैन, मैथ्यू ब्रीट्जके, नांद्रे बर्गर, गेराल्ड कोट्जे (पहला और दूसरा टी20), डोनोवन फरेरा, रीजा हेंड्रिक्स, मार्को जानसेन (पहला और दूसरा टी20), हेनरिक क्लासेन, केशव महाराज, डेविड मिलर, लुंगी एनगिडी (पहला और दूसरा टी20), एंडिले फेहलुकवायो, तबरेज शम्सी, ट्रिस्टन स्टब्स और लिजाद विलियम्स।

वनडे में ये खिलाड़ी देंगे टक्करः एडम मारक्रम (कप्तान), ओटनील बार्टमैन, नांद्रे बर्गर, टोनी डी जोरजी, रीजा हेंड्रिक्स, हेनरिक क्लासेन, केशव महाराज, मिहलाली मपोंगवाना, डेविड मिलर, वियान मुल्डर, एंडिले फेहलुकवायो, तबरेज शम्सी, रासी वैन डेर डुसेन, काइल वेरिन और लिजाद विलियम्स।

टेस्ट फॉर्मेट में धुरंधरों का जमावड़ाः टेम्बा बावुमा (कप्तान), डेविड बेडिंघम, नांद्रे बर्गर, गेराल्ड कोट्जे, टोनी डी जोरजी, डीन एल्गर, मार्को जानसेन, केशव महाराज, एडम मारक्रम, वियान मुल्डर, लुंगी एनगिडी, कीगन पीटरसन, कगिसो रबाडा, ट्रिस्टन स्टब्स और काइल वेरिन।

सौ मीटर में अकेले दौड़कर सुर्खियां बटोरने वाले ललित डोप में फंसे

विश्व एथलेटिक्स ने एएफआई से मांगा जवाब

अमृतसर, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। तीन माह पहले अंतरराष्ट्रीय स्तर पर छाए दिल्ली एथलेटिक्स मीट में एथलीट के अकेले दौडऩे के मामले में नया मोड़ आ गया है। मीट की सौ मीटर रेस में अकेले भागने वाला एथलीट ललित कुमार डोप में पकड़ा गया है। इस रेस के फाइनल में आठ एथलीटों को शिरकत करनी थी, लेकिन नाडा की टीम के पहुंचने पर सात एथलीटों ने इस रेस में भाग ही नहीं लिया। यह रेस अकेले ललित कुमार ने दौड़ी थी।

रेस में अकेले दौड़ते उनका वीडियो जमकर वायरल हुआ था। नाडा ने रेस के बाद ललित का सैंपल लिया था, जो एनाबॉलिक स्टेरायड के लिए पॉजिटिव पाया गया है। इस मामले में वल्ड एथलेटिक्स ने भी अपनी नजरें तिरछी कर दी हैं। वल्ड एथलेटिक्स की एथलीट इंटीग्रिटी यूनिट (एआईयू) ने भारतीय एथलेटिक्स महासंघ से इस मामले में जवाब मांग लिया है।

मिली थी सिरिंज

दिल्ली के जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में सितंबर के अंतिम सप्ताह में हुई इस मीट के दौरान स्टेडियम के बॉथरूम में बड़ी स्टेडियम में भारी संख्या में संख्या में इंजेक्शन और सिरिंज मिले थे। इसके बाद दिल्ली एथलेटिक्स ने नाडा को मीट में टेस्टिंग के लिए लिखा। नाडा की टीम यहां अचानक पहुंच गई, बताया जा रहा है कि 100 मीटर के फाइनल में भाग लेने वाले एथलीटों को इसका पता लग गया।

हीट, सेमीफाइनल में दौड़ते हुए फाइनल में पहुंचने वाले आठ में से सात एथलीट रेस में नहीं भागे। अकेले ललित ने दौड़ लगाई। रेस के बाद ललित का भी नाडा ने सैंपल लिया, जो अब पॉजिटिव निकला है। सूत्र बताते हैं कि ललित ने नाडा को बी सैंपल देने से भी मना कर दिया है। ललित पर अस्थाई प्रतिबंध लगा दिया गया है।

एआईयू मांग रही है जवाब

सूत्र बताते हैं कि महासंघ की जांच समिति अभी भी इस मामले की जांच कर रही है। एआईयू महासंघ से इस मामले के बारे में लगातार पूछताछ कर रहा है। महासंघ को यह बताना है कि ये एथलीट मीट से क्यों भागे और इन पर क्या कार्रवाई की गई है।

डोपिंग की जानकारी दी तो मिलेगा कैश अवॉर्ड

महासंघ ने इस मामले के सामने आने के बाद आमसभा प्रस्ताव पारित किया है कि राज्य मीटों में नाडा के टेस्ट कराए जाएंगे। महासंघ के अध्यक्ष आदिल सुमारीवाला के मुताबिक डोपिंग के खिलाफ व्हिसल ब्लोअर पॉलिसी लाई जाएगी। जो भी डोपिंग करने के वाले में बताएगा उसे कैश प्राइज दिया जाएगा। महासंघ यह नीति लागू करने वाला देश का पहला राष्ट्रीय खेल संघ है। यही नहीं मीट के दौरान अब खिलाडिय़ों के बैगों और कमरे का औचक निरीक्षण किया जाएगा। अगर उसमें सिरिंज मिली तो उसे खेलने से रोक दिया जाएगा। यही नहीं स्टेडियम के बाथरूम के गोपनीय तरीके से फोटो भी कराए जाएंगे।

एथलेटिक्स में बंद होंगे राष्ट्रीय शिविर

अमृतसर। पेरिस ओलंपिक के बाद एथलेटिक्स में अब क्रिकेट की तर्ज पर अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं की तैयारियां कराई जाएंगी। एएफआई की आमसभा में अगले वर्ष से राष्ट्रीय शिविरों को बंद करने का फैसला लिया गया है। अब एथलीट अपने घर के पास स्थित राज्य के सेंटरों या अपनी मनमर्जी के सेंटर में तैयारियां कर सकेंगे। एथलीटों को साई के नेशनल सेंटर ऑफ एक्सिलेंस, राज्य के सेंटरों, रिलायंस, जेएसडब्ल्यू जैसे निजी सेंटरों में तैयार किया जाएगा।

वेस्टइंडीज का वनडे में दूसरा सबसे बड़ा रन चेज

इंग्लैंड को 4 विकेट से हराया; होप ने 49वें ओवर की 4 गेंदों में 3 छक्के जड़े

एंटीगुआ, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। वेस्टइंडीज ने इंग्लैंड के खिलाफ तीन वनडे मैचों की घरेलू सीरीज में कप्तान साई होप की नाबाद शतकीय पारी की बदौलत जीत के साथ शुरुआत की है। कैरेबियन टीम ने एंटीगुआ में खेले गए पहले मुकाबले में ब्रिटिश टीम को 4 विकेट से हराया। इसके साथ ही वेस्टइंडीज ने सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है।

इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 325 रन बनाए। 326 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी कैरेबियन टीम ने 7 बॉल शेष रहते हुए 6 विकेट के नुकसान पर बना लिए और मैच को 4 विकेट से अपने नाम कर लिया।

यह वेस्ट इंडीज का उनके इतिहास में दूसरा सबसे सफल पुरुष वनडे रन चेज भी था। इससे पहले कैरेबियन टीम ने 2019 में मालाहाइड में आयरलैंड के खिलाफ चेज करते हुए 5 विकेट पर 331 रन बनाए थे।

इंग्लैंड के ओपनर फिल साल्ट और विल जैक्स ने टीम को अच्छी शुरुआत दी। दोनों ने मिलकर 5.4 ओवर में 50 रन बना लिए। इंग्लैंड को पहला झटका 8.2 ओवर में गुडाकेश मोती ने साल्ट को कैच आउट करा कर दिया। उस समय टीम का स्कोर 77 रन था। साल्ट 28 गेंदों पर 45 रन बनाए।

वहीं इंग्लैंड को दूसरा झटका अल्जारी जोसेफ ने दिया। उन्होंने विल जैक्स को साई होप के हाथ कैच कराकर पवेलियन भेजा। जैक्स ने 24 गेंदों पर 26 रन बनाए।

इंग्लैंड ने 10 से 40 ओवर में 158 रन बनाने के साथ ही 4 विकेट गवांए। जबकि 40 से 50 ओवर के बीच 4 विकेट केवल 89 रन के अंदर गवां दिए। इंग्लैंड का तीसरा विकेट 110 रन पर गिरा।

वहीं चौथे विकेट के लिए जैक क्राउली और हैरी ब्रूक ने 54 गेंदों पर 50 रन की साझेदारी की। इंग्लैंड का पांचवां विकेट 191 रन पर गिरा। इंग्लैंड के लिए सबसे ज्यादा 71 रन हैरी ब्रूक ने बनाए। वहीं जैक क्राउली इंग्लैंड के दूसरे टॉप स्कोरर रहे। उन्होंने 63 गेंदों पर 48 रन बनाए।

वेस्टइंडीज की ओर से गुडाकेश मोती,ओशेन थॉमस और रोमारियो शेफर्ड ने 2-2 विकेट लिए। जबकि अल्जारी जोसेफ और यानिक कैरियो ने 1-1 विकेट लिए। 326 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी वेस्टइंडीज की शुरुआत अच्छी रही। कैरेबियन टीम ने 10 ओवर तक बिना विकेट खोए 55 रन बना लिए। वेस्टइंडीज को पहला झटका 104 रन पर लगा। ओपनर एलिक अथानाजे 17.3 ओवर में रेहान अहमद की गेंद पर एलबीडब्ल्यु हो गए। अथानाजे ने 65 गेंदों पर 66 रन बनाए। वहीं वेस्टइंडीज को दूसरा झटका 106 रन पर लगा। जब दूसरे ओपनर ब्रैंडन किंग भी लियम लिविंगस्टन की गेंद पर बोल्ड हो गए। उन्होंने 44 गेंदों पर 35 रन बनाए।

खेल रत्न, अर्जुन पुरस्कार समिति के अध्यक्ष होंगे सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति खानविलकर

नई दिल्ली, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। समिति में छह प्रमुख खेल हस्तियां भी शामिल हैं, जिनमें पूर्व भारतीय हॉकी कप्तान धनराज पिल्लै, ओलंपियन मुक्केबाज अखिल कुमार, निशानेबाज शुमा शिरूर, टेबल टेनिस में आठ बार के राष्ट्रीय चैंपियन कमलेश मेहता प्रमुख हैं।

उच्चतम न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश न्यायमूर्ति एएम खानविलकर मेजर ध्यानचंद खेल रत्न, अर्जुन और द्रोणाचार्य पुरस्कार की 12 सदस्यीय चयन समिति की अध्यक्षता करेंगे।

खेल मंत्रालय ने घोषणा की।

समिति में छह प्रमुख खेल हस्तियां भी शामिल हैं, जिनमें पूर्व भारतीय हॉकी कप्तान धनराज पिल्लै, ओलंपियन मुक्केबाज अखिल कुमार, निशानेबाज शुमा शिरूर, टेबल टेनिस में आठ बार के राष्ट्रीय चैंपियन कमलेश मेहता प्रमुख हैं। मेहता भारतीय टेबल टेनिस महासंघ का प्रतिनिधित्व करेंगे।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान अंजुम चोपड़ा, बैडमिंटन खिलाड़ी और मिशन ओलंपिक इकाई की सदस्य तृप्ति मुरगुंडे तथा पावरलिफ्टिंग महासंघ के फरमान बाशा भी समिति में शामिल हैं।

भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के महानिदेशक संदीप प्रधान, लक्ष्य ओलंपिक पोडियम कार्यक्रम के पुष्पेंद्र गर्ग और खेल मंत्रालय के संयुक्त सचिव प्रेम कुमार झा सरकारी अधिकारियों के रूप में समिति में शामिल किए गए हैं।

रामकुमार ने जीता आईटीएफ खिताब

57 दिनों के अंतराल में तीसरी बार इस ट्रॉफी पर कब्जा किया

कालाबुरगई, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। पिचलर के खिलाफ फाइनल में उन्होंने 64 मिनट में 6-2, 6-1 से जीत हासिल की। भारतीय डेविस कप टीम के सदस्य को 3200 डॉलर (लगभग 2.66 लाख रुपये) और 25 एटीपी अंक मिले।

भारत के रामकुमार रामनाथन ने ऑस्ट्रिया के डेविड पिचलर को सीधे सेटों में हराकर पुरुष एकल का खिताब जीत लिया। यह 57 दिनों के अंदर उनका तीसरा आईटीएफ खिताब है। पिछले हफ्ते उन्होंने आईटीएफ मुंबई ओपन जीता था।

पिचलर के खिलाफ फाइनल में उन्होंने 64 मिनट में 6-2, 6-1 से जीत हासिल की। भारतीय डेविस कप टीम के सदस्य को 3200 डॉलर (लगभग 2.66 लाख रुपये) और 25 एटीपी अंक मिले। राम ने कहा लगातार दो खिताब जीतना अच्छा रहा। पिछले दो हफ्तों में मैंने अपना श्रेष्ठ खेल दिखाया है। यह कोर्ट मेरे अनुकुल नहीं था लेकिन मैंने इसको अपने अनुरूप ढाला।

यूरो कप का ड्रॉ; ग्रुप ऑफ डेथ में गत विजेता इटली और स्पेन; रोनाल्डो की टीम के लिए आसान राह

नई दिल्ली, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। मेजबान जर्मनी ग्रुप ए में स्कॉटलैंड, हंगरी और स्विट्जरलैंड के साथ है। गत विजेता इटली को स्पेन के साथ ग्रुप बी में रखा गया है। इस ग्रुप में क्रोएशिया और अल्बानिया की टीम भी है। यूरोप के सबसे बड़े फुटबॉल टूर्नामेंट यूरो कप 2024 के लिए ड्रॉ का एलान कर दिया गया है। जर्मनी के 10 शहरों में टूर्नामेंट का आयोजन होगा। यूरो कप का उद्घाटन मैच 14 जून को खेला जाएगा। वहीं, फाइनल का आयोजन 14 जुलाई को होगा। हैम्बर्ग में शनिवार को ड्रॉ जारी किया गया। पहला मैच मेजबान जर्मनी और स्कॉटलैंड के बीच खेला जाएगा। दोनों टीमों के बीच यह मैच बर्लिन में खेला जाएगा।

मेजबान जर्मनी ग्रुप ए में स्कॉटलैंड, हंगरी और स्विट्जरलैंड के साथ है। गत विजेता इटली को स्पेन के साथ ग्रुप बी में रखा गया है। इस ग्रुप में क्रोएशिया और अल्बानिया की टीम भी है। इटली ने इंग्लैंड को हराकर पिछली बार खिताब जीता था। स्पेन की टीम तीन बार चैंपियन बनी है। उसने 1964, 2008 और 2012 में खिताब अपने नाम किया था। पिछली बार स्पेन की टीम सेमीफाइनल में हार गई थी। इटली की बात करें तो वह 1968 और 2020 में चैंपियन बना था। ग्रुप ऑफ डेथ में क्रोएशिया पर नजर

इटली की टीम पिछले दो विश्व कप में नहीं खेल पाई है। वहीं, उसके ग्रुप में शामिल क्रोएशिया ने दोनों बार शानदार प्रदर्शन किया है । क्रोएशियाई टीम 2018 विश्व कप के फाइनल तक पहुंची थी। वहीं, 2022 में उसने सेमीफाइनल तक का सफर तय किया था। क्रोएशिया की टीम अब तक यूरो कप के सेमीफाइनल तक नहीं पहुंच पाई है। उसकी नजर इस बार शानदार प्रदर्शन करने पर होगी। स्पेन और इटली के होने से ग्रुप बी को 'ग्रुप ऑफ डेथ' कहा जा रहा है। इंग्लैंड की टीम को इस बार आसान ड्रॉ मिला है। ग्रुप सी में उसके साथ स्लोवेनिया, डेनमार्क और सर्बिया है। इंग्लैंड पिछली बार यूरो कप के फाइनल में इटली के खिलाफ पेनल्टी शूटआउट में हार गया था। वहीं, ग्रुप डी में मजबूत फ्रांस के साथ नीदरलैंड और ऑस्ट्रिया को जगह मिली है। फ्रांस और नीदरलैंड के बीच होने वाला मुकाबला भी बड़ा होगा। बेल्जियम को ग्रुप ई में स्लोवाकिया और रोमानिया के साथ रखा गया है।

दिग्गज फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो की टीम पुर्तगाल को आसान ड्रॉ मिला है। पुर्तगाल को ग्रुप एफ में जगह मिली है। उसके साथ तुर्किये और चेक गणराज्य है। पुर्तगाल पहली बार 2016 में चैंपियन बना था। 2004 में वह उप विजेता रहा था। पिछली बार पुर्तगाल की टीम प्री-क्वार्टर फाइनल में हार गई थी।

अगली पीढ़ी की टेनिस चैंपियनशिप

20 साल के मेदजेदोविच ने जीता टूर्नामेंट

दो घंटे चले फाइनल में फिल्स को हराया

जेद्दा, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। टूर्नामेंट के इतिहास में छह सत्र में पहली बार फाइनल में पांच सेट का मुकाबला हुआ। इक्कीस साल या इससे कम उम्र के शीर्ष आठ खिलाड़ियों के बीच होने वाले इस टूर्नामेंट में खिताबी जीत के दौरान 20 साल के मेदजेदोविच ने एक भी मुकाबला नहीं गंवाया।

हेमाद मेदजेदोविच ने शनिवार को यहां शीर्ष वरीय आर्थर फिल्स को हराकर उलटफेर करते हुए नेक्स्ट जेन फाइनल्स टेनिस चैंपियनशिप का खिताब जीत लिया। मेदजेदोविच ने दो घंटे और 11 मिनट चले फाइनल में फिल्स को पांच सेट में 3-4 (6), 4-1, 4-2, 3-4 (9), 4-1 से हराया।

टूर्नामेंट के इतिहास में छह सत्र में पहली बार फाइनल में पांच सेट का मुकाबला हुआ। इक्कीस साल या इससे कम उम्र के शीर्ष आठ खिलाड़ियों के बीच होने वाले इस टूर्नामेंट में खिताबी जीत के दौरान 20 साल के मेदजेदोविच ने एक भी मुकाबला नहीं गंवाया और इस टूर्नामेंट के जीतने वाले सर्बिया के पहले खिलाड़ी बने। वर्ष 2017 में पहले टूर्नामेंट से ही इसका आयोजन मिलान में हो रहा था जबकि इस साल पहली बार यह टूर्नामेंट सऊदी अरब में खेला गया।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.